@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 1 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 266 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लोकसभा चुनाव के झटके से मोदी सरकार ने नहीं लिया सबक: सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जीत का मंत्र दिया। सोनिया ने कहा कि इस वक्त माहौल कांग्रेस के पक्ष में है, लेकिन इस गति को बनाए रखना और लोकसभा चुनाव में पार्टी ने जो साख बनाई है, उसे बरकरार

रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, ''हमें लगता था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सही सबक लेगी। इसके बजाय, वह समुदायों को विभाजित करने और भय और शत्रुता फैलाने की अपनी नीति पर कायम है।'' सोनिया ने कहा कि हमें बिल्कुल भी लापरवाह नहीं होना है। न ही हमें अति-आत्मविश्वास से भरना है। मैं यह कह सकती हूं कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो लोकसभा चुनाव में जैसा माहौल दिखा उस आधार पर राष्ट्रीय राजनीति अब बदलने जा रही है। सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के शासनादेश से जुड़े विवाद का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि सौभाग्य से उच्चतम न्यायालय ने सही समय पर हस्तक्षेप किया, लेकिन यह केवल एक अस्थायी राहत हो सकती है। उन्होंने दावा किया, ''नौकरशाही को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए नियमों को अचानक बदल दिया गया। यह संगठन खुद को एक सांस्कृतिक संगठन कहता है, लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह भाजपा का राजनीतिक और वैचारिक आधार है।'' सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव तथा जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव की संभावना के मद्देनजर पार्टी नेताओं में जोश भरने का प्रयास किया।

वायनाड में अब तक 158 लोगों की मौत

सिम्मी कौर बब्बर

वायनाड (केरल), 31 जुलाई। केरल के वायनाड जिले में मंगलवार को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण अबतक 158 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 128 घायल है। वहीं सेना का राहत व बचाव कार्य जारी है। वायनाड जिला प्रशासन का कहना है कि भूस्खलन में अबत कुल 158 लोग मारे गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव का कार्य लगातार जारी है। केरल की मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने कहा कि वायनाड में राहत एवं बचाव कार्य पूरे जोर शोर से चल रहे हैं। सीएम विजयन ने इसे अकल्पनीय और दर्दनाक आपदा करार दिया। उन्होंने कहा, 'अब तक कुल 144 शवों को बरामद कर लिया गया है, जिनमें 79 पुरुष और 64 महिलाएं हैं। अभी भी कुल 191 लोग लापता हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को बचाने की कोशिशें लगातार जारी हैं। जिन लोगों को बचाया गया है कि, उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।' केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने वायनाड में मौजूदा हालातों को लेकर मंत्रिमंडल के साथ बैठक की। विजय ने कहा, 'हम आपदा प्रभावित उन जनजातीय लोगों को विस्थापित कर रहे हैं, जो वहां से हटने से मना कर रहे थे। उन सभी को पर्याप्त भोजना की सुविधा पहुंचाई जा रही है। अब तक कुल मिलाकर 1,592 को अलग-अलग राहत अभियानों के तहत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वायनाड जिले में कुल मिलाकर 82 राहत शिविर बनाए गए हैं। इनमें 2.017 लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा मेप्पाडी में 421 परिवारों के 1,486 लोगों को आठ राहत शिविरों में ठहराया गया है। मुंडक्कई में राहत कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जा रही है और अत्तामला और चूरलमला में राहत एवं बचाव के प्रयास जारी हैं। आज राहत और बचाव कार्यों में सहयोग के लिए सेना के 132 जवान भी पहुंच गए हैं। राहत कार्यों में दो हेलीकॉप्टर पहले से काम कर रहे हैं।' मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जु ने केरल के वायनाड में भूस्खलन पर संवेदना व्यक्त दी। उन्होंने भारत के पीएम मोदी को शोक संदेश भेजा। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में वायनाड भूस्खलन पर दुख प्रकट किया। अमित शाह ने कहा, 'मैं सभी राज्य सरकारों से निवेदन करता हूं कि उन्हें शुरुआत में दी जाने वाली चेतावनियों के संबंध में उपाय कार्रवाईयों पर ध्यान देना चाहिए। मैं

केरल के लोगों से कहना चाहता हूं कि भारत सरकार, राज्य सरकार के साथ खड़ी है और राहत और पुनर्वासन कार्यों में कोई कमी नहीं की जाएगी।' अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी ने वायनाड में प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने आपदा पीड़ितों के परिवारों के लिए पांच करोड़ रुपये की मदद की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'हम केरल के मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में पांच करोड़ रुपये की मदद के साथ अपना समर्थन देते हैं। वायनाड में हुई लोगों की मौत पर हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। इस मुश्किल समय में अदाणी समूह केरल के साथ खड़ा है।' वायनाड में मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा, हम जो कुछ भी कर सकते हैं, हमने वह सब कुछ किया है। न केवल सरकारी बल बल्कि लोग भी इन जोखिम भरे अभियानों में भाग ले रहे हैं। यह एक प्रमुख शिविर है। 500 से अधिक लोग यहां हैं। हम अलग-अलग उप-समितियों में विभाजित हैं, अधिकारियों को व्यक्तिगत जिम्मेदारियां दी गई हैं। अमित शाह ने कहा, मैं इसपर कुछ बोलना नहीं चाहता था, मगर भारत सरकार के अर्ली वॉर्निंग सिस्टम पर सवाल उठाए गए, इसलिए मैं कहता हूं कि कृपया हमें सुनें। मत चिल्लाईये, कृपया इसे पढ़ें, जो चेतावनी भेजी गई है, उसे पढ़िए जरा। इस देश में कई राज्य सरकारें ऐसी हैं, जिन्होंने इस प्रकार की चेतावनी का उपयोग करके हताहत होने से बचाया है।

जेके ग्रामीण बैंक के पूर्व प्रबंधक के ठिकानों पर ईडी का छापा

श्रीनगर, 31 जुलाई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जम्मू-कश्मीर ग्रामीण बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक और उनके सहयोगियों को श्रीनगर व पट्टन में पांच ठिकानों पर छापा मारा है। इस कार्रवाई में दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं। ईडी ने पूर्व शाखा प्रबंधक इस्तियाक अहमद पर्रे और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। ईडी ने केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की ओर से दायर आरोप पत्र के आधार पर सोमवार को कार्रवाई शुरू की थी। सीबीआई का आरोप है कि इस्तियाक अहमद ने बैंक कॉरेस्पॉडेंट मोहम्मद मकबूल गनी, मंजूर अहमद डार, मुश्ताक हुसैन वानी, शब्बीर अहमद डार, शब्बीर अहमद भट जैसे कई व्यक्तियों के साथ मिलीभगत कर इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि निसार अहमद डार और अन्य ने फर्जी या गैर-मौजूदा ग्राहकों को धोखाधड़ी से किसान नकद क्रेडिट ऋण (केसीसी), कार ऋण, संयुक्त देयता समूह (जेएलजी), और नकद क्रेडिट सीमा (सीसी) मंजूर कर दिए। कुल 250 फर्जी ऋण खाते थे, जो बाद में गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) निकले। इससे 8.36 करोड़ रुपये की राशि का गबन हुआ। ये ऋण 2014 से 2018 के बीच मंजूर किए गए थे। ईडी ने कहा कि ऋण के रूप में प्राप्त अधिकांश धनराशि या तो आरोपियों या आरोपियों के रिश्तेदारों को हस्तांतरित की गई थी, जहां से ज्यादातर नकदी निकाल ली गई थी। एजेंसी ने दावा किया कि ऋण ज्यादातर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर स्वीकृत किए गए थे और जिन व्यक्तियों के नाम पर ऋण स्वीकृत किए गए थे, वे मौजूद ही नहीं थे।

पश्चिमी पाकिस्तान शरणार्थियों को बड़ा तोहफा

सौरभ शर्मा

जम्मू, 31 जुलाई। अनुच्छेद 370 हटने की पांचवीं सालगिरह से पांच दिन पहले जम्मू-कश्मीर सरकार ने पश्चिम पाकिस्तान शरणार्थियों को बड़ा तोहफा दिया है। इनके साथ लंबे समय से चले आ रहे भेदभाव को समाप्त करते हुए सरकार ने राज्य भूमि का मालिकाना हक दे दिया है। इससे जम्मू संभाग के जम्मू, कठुआ व राजोरी में बसने वाले लोगों को फायदा पहुंचेगा। सात दशक बाद 2019 में इन्हें नागरिकता और वोट देने का अधिकार मिला था। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक परिषद की बैठक में तय किया गया कि पश्चिम पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को सरकारी भूमि का मालिकाना हक दे दिया जाए। इसके साथ ही 1965 के विस्थापितों को भी मालिकाना हक दिया गया है। सरकार 1947 व 1971 के विस्थापितों की तरह 1965 के विस्थापितों को भी सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भी तय किया गया कि राजस्व विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि मिले अधिकारों का दुरुपयोग न होने पाए। खासकर सरकारी भूमि पर कब्जे आदि मामले में। सरकार के इस फैसले से हजारों परिवारों को लाभ पहुंचेगा। यह लोग पिछले कई दशक से मालिकाना हक की मांग कर रहे थे। सरकार के इस फैसले से अब वह पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर

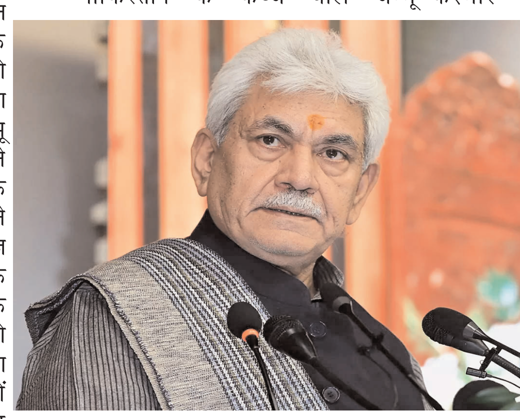

(पीओजेके) के विस्थापितों के बराबर सुविधाएं हासिल कर सकेंगे। प्रशासनिक परिषद की बैठक में सलाहकार राजीव राय भटनागर, मुख्य सचिव अटल डुल्लू तथा उप राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. मनदीप भंडारी मौजूद रहे। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, 1947 में देश विभाजन के बाद पश्चिमी पाकिस्तान के कई इलाकों से पलायन कर 5764 परिवार यहां पहुंचे थे और जम्मू संभाग के विभिन्न स्थानों पर बस गए थे। ये जम्मू में आरएस पुरा के इलाके बडियाल काजिया, जंगलैड, कुतुब निजाम, चौहाला आदि में रहते हैं। इसके साथ ही खौड़ में भी इनकी आबादी है। 1954 में शरणार्थियों को 46666 कनाल (2.37 करोड़ वर्ग फीट) राज्य सरकार की भूमि आवंटित की गई। हालांकि, पश्चिम पाकिस्तान शरणार्थी संघर्ष समिति का कहना है कि उसके पास 21159 परिवारों का रिकॉर्ड उपलब्ध है। कठुआ में हीरानगर, कीड़ियां गंडियाल और अखनूर में बसे लोगों ने दरिया और खड्डु किनारे की जमीनों को समतल कर खेती करना शुरू कर दिया। पिछले 60 साल से इनके नाम गिरदावरी (जमीन पर कब्जे व फसल चक्र की रिपोर्ट) चल रही थी। लेकिन तीन साल पहले यह सारी गिरदावरियां कट गईं। यहां सरकारी जमीन का बोर्ड लगा दिया गया और खेती न करने को कहा गया। हालांकि, सरकार ने जमीन नहीं ली थी, लेकिन जमीन जाने का खतरा मंडराने की वजह से यह परिवार चिंतित था।

पूजा खेडकर को आईएएस ने दिया बड़ा झटका

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 31 जुलाई। विवादों में फंसी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को बड़ा झटका लगा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने पूजा खेडकर की अस्थाई उम्मीदवारी को रद्द कर दिया है। इसके अलावा खेडकर पर भविष्य में होने वाली किसी भी परीक्षा में शामिल होने पर रोक लगाई गई है। आपको बता दें कि यूपीएससी ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे। यूपीएससी का कहना था कि अगर पूजा खेडकर पर लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। यूपीएससी ने भी पूजा खेडकर को इस बारे में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। नोटिस में पूछा गया था कि क्यों न पूजा खेडकर की सिविल सेवा परीक्षा-2022 की उम्मीदवारी को रद्द किया जाए। यूपीएससी ने दिल्ली पुलिस को शिकायत दी थी कि पूजा खेडकर ने अपना नाम, अपने माता-पिता का नाम, अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता

बदलकर फर्जी पहचान पहचान पत्र बनवाए। शिकायत में कहा गया है कि खेडकर ने धोखाधड़ी से परीक्षा दी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने खेडकर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आपको बता दें कि पूजा खेडकर का तबादला पुणे से वाशिम कर दिया गया था। उन्हें अतिरिक्त सहायक कलेक्टर के रूप में नियुक्ति मिली थी। इसके बाद जिलाधिकारी सुहास दिवसे ने वरिष्ठ अधिकारियों को खेडकर के आचरण के बारे में जानकारी दी थी। पूजा खेडकर पर आरोप लगाया गया कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के रूप में उन सुविधाओं की मांग की, जिनकी वे हकदार नहीं थीं। इसके अलावा उन पर एक वरिष्ठ अधिकारी के चैंबर पर कब्जा करने का भी आरोप है। खेडकर पर अपने पद का बेजां दुरुपयोग करने का भी आरोप है। बताया गया है कि पूजा खेडकर ने अपनी निजी ऑडी कार में लाल बत्ती और 'महाराष्ट्र सरकार' के प्लेट लगवाई। इस निजी कार में पूजा खेडकर वाशिम की सड़कों पर घूमती नजर आईं।

यूपी विधानसभा में भरा बारिश का पानी

लखनऊ, 31 जुलाई। यूपी में तेज और उमस भरी गर्मी के बीच लखनऊ व आसपास के इलाकों में हुई जोरदार बारिश से मौसम बदल गया है। बुधवार को दोपहर करीब एक बजे घने बादलों से अंधेरा छा गया और जमकर बारिश हुई। लगातार बारिश से लखनऊ विधानभवन के अंदर पानी भर गया और बाहर भी जलभराव जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। उधर, नगर निगम कार्यालय सहित कई प्रमुख कार्यालयों में भी जलभराव हो गया। भारी बारिश से लखनऊ शहर में जगह-जगह जलभराव हो गया है। हालांकि, बारिश के कारण लोगों को तेज गर्मी व उमस से राहत मिली है।

अब नहीं चलेगी मनमानी, कोचिंग सेंटरों के लिए दिल्ली सरकार ला रही नया कानून

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 31 जुलाई। दिल्ली के राजेंद्र नगर में हुए हादसे के बाद दिल्ली सरकार कोचिंग सेंटरों को नियमित करने के लिए नया कानून लेकर आ रही है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने इसकी घोषणा कर दी है। आतिशी ने बताया कि जैसे प्राइवेट स्कूल को एक कानून के तहत रेगुलेट किया जाता है, प्राइवेट अस्पतालों को कानून के तहत रेगुलेट किया जाता है वैसे ही कोचिंग इंस्टिट्यूट को रेगुलेट करने के लिए दिल्ली सरकार कानून लाएगी। आगे कहा कि सभी तरह के कोचिंग इंस्टीट्यूट इसके दायरे में आएंगे। इस कानून के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर, टीचर्स क्वालिफिकेशन, फीस रेगुलेशन, मिसलीडिंग विज्ञापन से रोका जाएगा। कोचिंग संस्थानों का रेगुलर इंस्पेक्शन भी किया जाएगा। इसके लिए हम एक कमेटी बनायेंगे। जिसमें अधिकारियों के अलावा कोचिंग संस्थानों के स्टूडेंट्स को भी शामिल किया जाएगा। इस कानून के लिए

फीडबैक लेने के लिए एक बनाया है। जिसपर अपना फीडबैक दिया जा सकता है। दिल्ली मंत्री और आप नेता आतिशी ने कहा कि दो महत्वपूर्ण चीजे सामने आई हैं, पहला है कि जो नाले उस क्षेत्र में जलभराव के लिए जिम्मेदार थे। उस पर वहां के सारे कोचिंग सेंटर ने अतिक्रमण किया हुआ था। जिसकी वजह से नाले से पानी नहीं निकल पा रहा था। वहीं दूसरा ये है कि बेसमेंट में क्लास और लाइब्रेरी चल रही थी वो सौ फीसदी गैर कानूनी था। बेसमेंट का प्रयोग पार्किंग और स्टोरेज के लिए किया जा सकता था। प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एमसीडी ने कार्रवाई शुरू की। जो जेई जिम्मेदार था उसे एमसीडी से बर्खास्त कर दिया है। एई को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है। मैं आपको भरोसा दिलाना चाहती हूं कि जैसे ही पूरी जांच रिपोर्ट सामने आएगी और इन अधिकारियों के अलावा भी कोई भी अधिकारी शामिल हुआ। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मराठाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती सरकार और विपक्ष

जालना, 31 जुलाई। महाराष्ट्र में मराठाओं को ओबीसी आरक्षण की मांग कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महायुति सरकार और विपक्षी महाविकास अघाड़ी पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार और विपक्ष दोनों की मराठा समुदाय की मांगों पर गौर नहीं कर रहे हैं। दोनों ही मराठाओं को आरक्षण नहीं देना चाहते। इसका जवाब मराठा समुदाय विधानसभा चुनाव में देगा। मनोज जरांगे ने कहा कि भाजपा नेता चालाक हैं। जबकि विपक्ष के नेता उनकी मांग का समर्थन नहीं कर रहे हैं। मराठा उन्हें वोट देते रहे हैं। अब हम चुनाव में दोनों दलों को देखेंगे। जरांगे ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें शरद ने कहा था कि महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी गड़बड़ी की संभावना है। जरांगे ने कहा कि एनसीपी के नेमा छगन भुजबल जो काम कर रहे हैं उससे जरूर राज्य में अशांति फैल सकती है। शरद पवार क्यों ओबीसी कोटे से मराठों को शिक्षा और नौकरी में आरक्षण देने की बात नहीं करते? पवार को सरकार से मराठाओं की मांग को लेकर बात करनी चाहिए। उन्होंने डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस और एमएलसी प्रवीण दरेकर पर मराठा समुदाय में बंटवारा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों की साजिश का जल्द पर्दाफाश किया जाएगा। मराठा समुदाय को दोनों नेताओं के जाल में नहीं फंसना है। हमें अपने समुदाय को आगे बढ़ाने के लिए काम करना है। मराठों को एकजुटता दिखानी होगी और सावधानी बरतनी होगी। जरांगे ने यह भी कहा कि बहुजन वंचित अघाड़ी (वीबीए) के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर और स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के राजू शेट्टी के के साथ उनका कोई आधिकारिक गठबंधन नहीं है।

शिक्षकों के तबादलों पर रोक, 99 स्कूलों को तत्काल बंद करने के निर्देश

नरेश मल्होत्रा

शिमला, 31 जुलाई। हिमाचल प्रदेश सरकार ने कम विद्यार्थी संख्या वाले स्कूलों के पुनर्गठन व शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इस संबंध में सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। बीते दिनों हुई कैबिनेट बैठक के फैसले के बाद सरकार ने राज्य में शून्य विद्यार्थी संख्या वाले 99 स्कूलों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इनमें 89 प्राथमिक तथा 10 माध्यमिक स्कूल शामिल हैं। इसी तरह पांच या पांच से कम विद्यार्थी संख्या वाले प्राथमिक स्कूलों को उनके दो किलोमीटर की परिधि में स्थित दूसरे प्राथमिक या माध्यमिक स्कूल(जहां पांच से अधिक बच्चे हैं) में समाहित (मर्ज) करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पांच या पांच से कम विद्यार्थी संख्या वाले माध्यमिक स्कूलों को उनके तीन किलोमीटर की परिधि में स्थित दूसरे माध्यमिक स्कूल(जहां पांच से अधिक बच्चे हैं) में मर्ज करने को कहा है। इसके साथ ही प्रदेश में सभी अध्यापकों के तबादले वर्ष में केवल एक बार, शैक्षणिक सत्र के समापन पर ही किए जाएंगे। 31 जुलाई, 2024 के बाद शैक्षणिक सत्र में किसी भी शिक्षक का तबादला नहीं होगा। शिक्षा विभाग में जेबीटी और एचटी का तबादला (अंतर पोस्टिंग) आपस में किया जाएगा, बशर्ते हर जीपीएस में एक ही एचटी कार्यरत रहेगा। एचटी भी अध्यापन कार्य करेंगे। बंद या मर्ज किए गए स्कूलों में कार्यरत अध्यापकों को पद सहित नजदीक के स्कूलों या अधिक विद्यार्थी संख्या वाले अन्य स्कूलों में सचिव शिक्षा के अनुमोदन के बाद स्थानांतरित किया जाएगा। इसके बाद भी अगर शिक्षक उपलब्ध होंगे तो उनका एक पूल निदेशक स्तर पर बनाया जाएगा व उन्हें अवश्यकता अनुसार स्कूलों में स्थानांतरित किया जाएगा । कई पाठशालाओं में बच्चों की संख्या कम हो रही है तथा अध्यापकों की संख्या या समान है या ज्यादा हो रही है। ऐसे में बच्चों की संख्या के अनुपात के अनुसार अध्यापकों का भी समायोजन किया जाएगा । यह प्रक्रिया वर्तमान में लागू अधिसूचना के अनरूप प्रशासनिक विभाग की ओर से पूरी की जाएगी। प्रशासनिक पदों पर विद्यालयों में कार्यरत मुख्याध्यापक, प्रिंसिपल अपने प्रशासनिक कार्य के अतिरिक्त कम से कम एक कक्षा में अपने विषय को पढ़ाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्राथमिक स्कूलों के केंद्रीय मुख्य शिक्षक तथा मुख्य शिक्षक भी जेबीटी के समकक्ष

ही अध्यापन कार्य करेंगे। अध्यापन संबंधी कार्य को इनकी एसीआर में भी अंकित किया जाएगा। प्रदेश के सभी स्कूलों में सुबह प्रार्थना सभा में बच्चों के लिए शारीरिक व्यायाम करना अनिवार्य होगा, जिसके लिए कम से कम 15 मिनट का समय निर्धारित होगा तथा शारीरिक शिक्षक ही यह जिम्मेदारी निभाएंगे। शारीरिक शिक्षक जिस भी स्कूल, स्कूल कलस्टर में तैनात हैं, वे वहां सभी कक्षाओं तथा कलस्टर में शामिल सभी स्कूलों के बच्चों को शारीरिक व्यायाम /खेल गतिविधियां करवाएंगे। जिन स्कूलों में कोई शारीरिक शिक्षक नहीं हैं, वहां अन्य कोई अन्य अध्यापक यह कार्य करवाएगा। इसके अतिरिक्त सुबह की प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान भी अवश्य गाया जाएगा। प्रार्थना सभा सर्वधर्म समभाव को बढ़ाने वाली होगी। को भी प्रार्थना के रूप में शामिल किया जाएगा। प्रत्येक स्कूल में प्रतिदिन खेल, शारीरिक प्रशिक्षण का एक पीरियड जरूर होगा। स्कूलों में सीपीआर तथा प्राथमिक चिकित्सा की ट्रेनिंग दी जाएगी। सभी बंद किए गए या समाहित किए गए स्कूलों की अचल संपत्तियों, संसाधनों को किसी भी अन्य संस्था अथवा विभाग को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। बल्कि उक्त संसाधनों, संपत्तियों को शिक्षा विभाग की अनुमति एवं संबंधित स्थानीय निकायों की सहमति से सामुदायिक पुस्तकालयों, व्यायामशालों एवं खेलकूद गतिविधियों के केंद्र के रूप में उपयोग में लाया जाएगा। जिला लाहौल एवं स्पीति में 121 और जिला किन्नौर में 29 ऐसे प्राथमिक स्कूल हैं, जिनमें बच्चों की संख्या पांच या पांच से कम है।

हमारी सरकार ने खोले आठ लाख कर्मचारियों के पेंशन खाते: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, 31 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधान परिषद में न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) को लेकर वक्तव्य दिया। एनपीएस पर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने के बाद राज्य के करीब 8 लाख कर्मचारियों का पेंशन खाता खोलने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि 2005 में जब न्यू पेंशन स्कीम लागू हुई तब प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में सपा सरकार थी। वहीं, 2007 से 2012 तक बसपा और फिर 2012 से 2017 तक सपा सत्ता में थी, मगर ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक भी कर्मचारी का पेंशन खाता नहीं खोला गया। उन्होंने कहा कि 2018 में जब ये बात हमारे संज्ञान में आई तब हमने तत्कालीन फाइनेंस सेक्रेटरी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की। इसमें संबंधित विशेषज्ञों को भी रखा गया। कर्मचारी संगठनों से भी चर्चा की गई। ये लगभग आठ लाख कर्मचारियों से संबंधित मुद्दा था तब ये बात सामने आई थी कि कर्मचारी की लास्ट पेमेंट जो ड्रॉ होगी उसका 50 प्रतिशत देने के लिए आवश्यक होगा कि सरकार अपना शेयर थोड़ा और बढ़ाए। आंकलन में पता लगा कि अगर सरकार और कर्मचारी समय से पैसा जमा करें और कर्मचारी किसी स्कीम से अपना पैसा जोड़ता है तो रिटायरमेंट के बाद करीब 60 प्रतिशत तक पैसा पेंशन के रूप में उसे प्राप्त हो सकता है। इसके बाद हमने पेंशन स्कीम में सरकार के शेयर को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया है। हमने सभी कर्मचारियों के अकाउंट खोले, 2005 से 2017 तक का पैसा जो कर्मचारियों के खाते में नहीं गया था क्योंकि खाता ही नहीं था, उस पैसे को भी डालने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 2005 में न्यू पेंशन स्कीम लागू होने के वक्त जिन कर्मचारियों की नियुक्ति अंतिम चरण में थी, ऐसे 70 हजार लोगों को ओल्ड पेंशन स्कीम में ही रखा गया। इनमें एक बड़ी संख्या शिक्षकों की है। सीएम योगी ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम को प्राइवेट बैंकों में जमा करने की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है और इसमें कार्रवाई भी की गई है साथ ही धनराशि को वापस लाने का कार्य किया गया है। सरकार की प्राथमिकता होती है कि किसी भी सरकारी स्कीम का पैसा राष्ट्रीयकृत बैंक में ही जुड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री ने लाल बिहारी यादव को विधान परिषद में नेता विरोधी दल बनने पर बधाई दी और चुटकी लेते हुए कहा कि आशा करता हूं कि आप हमेशा नेता विरोधी दल बने रहें।

टिकटॉक के सिंगापुर कार्यालय में विषाक्त भोजन से 60 लोगों बीमार

एजेंसी

सिंगापुर। सिंगापुर में टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस के कार्यालय में विषाक्त भोजन करने से करीब 60 लोग बीमार हो गये। स्ट्रेट्स टाइम्स समाचार एजेंसी ने बुधवार को सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) एवं

स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि मंगलवार को विषाक्त भोजन करने के बाद कई लोगों को पेट में दर्द और उल्टी का अनुभव हुआ। उन्होंने तुरंत सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स को चिकित्सा सहायता को फोन करके घटना की सूचना दी जिसके बाद, पीड़ितों को 17 एम्बुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया।

म्यांमार के अय्यारवाडी क्षेत्र में बाढ़ के कारण 113 स्कूल अस्थायी रूप से बंद

यांगून। म्यांमार में हाल के दिनों में अय्यरवाडी क्षेत्र के पैंटानाव और क्योंप्याव टाउनशिप में भारी बाढ़ के कारण कुल 113 बुनियादी शिक्षा

स्कूल अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं। देश के सरकारी दैनिक समाचार पत्र म्यांमार एलिन ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ब्रिटेन, चीन के सामने अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिये महत्वपूर्ण चुनौतियां : चीनी राजदूत

लंदन। चीन और ब्रिटेन दोनों देशों के सामने अर्थव्यवस्था को बढ़ाने तथा लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन में चीनी राजदूत झेंग जेगुआंग ने अधिक

द्विपक्षीय सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि इन दोनों देशों को अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण कार्यों का सामना करना पड़ता है।

गाजा से 85 मरीजों को चिकित्सा देखभाल के लिए भेजा गया यूएई

जिनेवा। फलस्तीन के गाजा पट्टी से 85 बीमार और गंभीर रूप से घायल मरीजों को बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान में विशेष चिकित्सा देखभाल के लिए अबू धाबी ले जाया गया है। संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) सरकार

और अन्य भागीदारों के साथ साझेदारी में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संचालित यह चिकित्सा निकासी अक्टूबर 2023 के बाद से इस तरह का सबसे बड़ा ऑपरेशन है।

बागमती नदी उफान पर, काठमांडू के कई इलाके जलमग्न

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश से बागमती नदी उफान पर है। इस वजह से त्रिपुरेश्वर, कालीमाटी, टेकु इलाके के अलावा बागमती कॉरिडोर के किनारे की बस्तियां जलमग्न हो गई हैं।

जल एवं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बागमती और उसकी सहायक नदियां हनुमंते, मनोहरा, धोबीखोला, बिष्णुमती, नख्खू, बल्खु का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। विभाग ने अनुरोध किया है कि बागमती कॉरिडोर के अलावा अन्य नदियों के आसपास न जाएं। उधर, धोबीखोला, बल्खु खोला, कागेश्वरी मनोहरा इलाके की गलियारे वाली सड़कों पर अब भी काफी पानी जमा है। नदी किनारे बने कॉरिडोर के जलमग्न होने के

कारण यातायात प्रभावित है। इन सड़कों पर यातायात को फिलहाल पूरी तरह से रोक दिया गया है। काठमांडू में बाढ़ के कारण सत्तारूढ दल यूएमएल का केंद्रीय कार्यालय सहित शंखमूल पार्क, कालीमाटी सब्जी बाजार क्षेत्र सहित अन्य स्थान भी जलमग्न हो गए हैं। भक्तपुर में मनोहरा नदी ने भी रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। महादेव नदी की बाढ़ से सैकड़ों घर जलमग्न हो गए हैं। भक्तपुर के पुलिस इंस्पेक्टर टेकेंद्र पौडेल ने कहा कि सूर्यबिनायक और मध्यपुर थिमी नगरपालिका में नदी में फंसे 33 लोगों को बचाया लिया गया है।

पाकिस्तान में शिया और सुन्नी जंग में अब तक 43 लोगों की मौत

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी कुर्रम आदिवासी जिले में एक भूमि विवाद में सुन्नी और शिया जनजातियों के बीच जारी खूनी संघर्ष में अबतक 43 लोग मारे जा चुके हैं और 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय जनजातीय जिरगा की सहायता और समर्थन से युद्धरत जनजातियों ने अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा की। अस्थिर पहाड़ी कुर्रम क्षेत्र में पिछले कई दशकों में जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हुए हैं। सरकार के गृह और आदिवासी मामलों के विभाग के अनुसार, वर्तमान में कुर्रम में आठ बड़े संघर्ष देखने को मिले। पिछले सप्ताह शिया और सुन्नी के दो परिवारों के बीच एक संपत्ति के स्वामित्व को लेकर खूनी लड़ाई शुरू हुई थी। यह दुश्मनी तेजी से कई गांवों और बस्तियों में फैल गई जिसके बाद पूरे जिले में हिंसा होने लगी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में 34 शिया जनजाति के और आठ सुन्नी जनजाति से थे। कुर्रम के मकबल और टेरी मंगल इलाकों में, रात और सुबह तक शिया और सुन्नी जनजातियों के बीच गोलीबारी जारी रही। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में सुन्नी जनजातियों को सीमा पार से समर्थन मिल रहा है क्योंकि ये परिवार पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवादित सीमा डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। क्षेत्र के अधिकांश गांवों में संघर्ष और अशांति को रोकने के लिए सड़कें बंद कर दी गई है। हालांकि, इसके कारण खाने और दवाओं की कमी का लोगों को सामना करना पड़ रहा है।

तेहरान में मारा गया हमास चीफ इस्माइल हानिया, बॉडीगार्ड की भी मौत

पेशावर।

तेहरान। दुनियाभर में कुख्यात आतंकी संगठन हमास का प्रमुख इस्माइल हानिया आखिरकार ईरान की राजधानी तेहरान में अपने आवास पर हुए हमले में मारा गया। इस हमले में हानिया का अंगरक्षक भी ढेर हो गया। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के बाद हमास ने भी दोनों की मौत की पुष्टि की है। हमास ने कहा है कि बुधवार को इजराइल की एयरस्ट्राइक में दोनों की मौत हुई है। उल्लेखनीय है कि हानिया ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ था। उसकी ईरान के सर्वोच्च नेता से

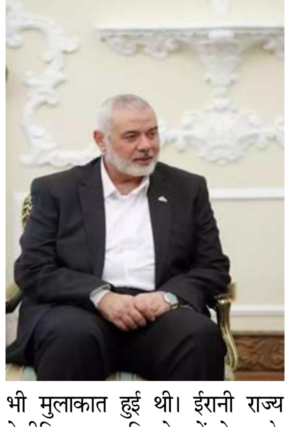

भी मुलाकात हुई थी। ईरानी राज्य टेलीविजन पर विश्लेषकों ने इसके लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। सनद रहे, इसी साल अप्रैल में इजराइली सुरक्षाबलों ने हानिया के तीन बेटों को मौत के घाट उतार दिया था। गाजा पट्टी में एयरस्ट्राइक के दौरान तीनों की मौत हुई थी। इजराइल ने दावा किया था कि कि हानिया के तीन बेटे आमिर, हाजेम और मोहम्मद, आतंकी गतिविधियों में शामिल थे। पिछले साल 7 अक्टूबर की आधी रात हमास आतंकवादियों ने इजराइल पर हवाई हमले किए थे। इस हमले में करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी। तब से इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। इजरायली सेना लगातार गाजा में हमास के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर रही है। हमास प्रमुख इस्माइल हानिया का जन्म साल 1962 में गाजा पट्टी के अल-शती शरणार्थी शिविर में हुआ था। वह साल 2006 से 2007 तक फिलिस्तीन प्राधिकरण का प्रधानमंत्री रहा। साल 2017 में उसे खालिद मेशाल की जगह हमास चीफ बनाया गया था। इससे पहले इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला किया। इजराइली सेना ने कहा कि गोलन हाइट्स पर किए गए रॉकेट हमले के जिम्मेदार आतंकी कमांडर को निशाना बनाया गया। इस हमले में हिजबुल्लाह सैन्य कमांडर फुआद शुक्र मारा गया।

वेनेजुएला में दंगा फैलाने के आरोप में 749 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

कराकासू। वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के बाद हुए हिंसक प्रदर्शनों में भाग लेने को लेकर 749 लोगों को गिरफ्तार किया है।अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों पर 'उकसाने, सार्वजनिक सड़कों को बाधित करने, घृणित अपराध ... गिरफ्तारी का विरोध

करने और सबसे गंभीर मामला आतंकवाद' के आरोप हैं। उन्होंने कहा कि हिंसा के कारण 48 सैन्य और पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ को गोली लगी है। इसके साथ ही उत्तरी अरागुआ राज्य में एक सैन्य अधिकारी की मौत हुयी है। अधिकारियों ने कहा कि दूर-दराज़ के समूह वेनेजुएला के विभिन्न शहरों में दंगों में नाबालिगों और नशीले पदार्थों के प्रभाव में लोगों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दंगे विरोध प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि 'हथियारबंद अपराधियों' का काम है, जो अराजकता पैदा करना चाहते हैं। वे चाहते हैं ... यह राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ जाए ... इसलिए विदेशी हस्तक्षेप है। उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव हुए और राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने सोमवार को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को चुनावों का विजेता घोषित किया।

इजराइल ने बेरूत में किया विस्फोट, हिजबुल्लाह कमांडर को बनाया निशाना

एजेंसी

बेरूत। इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगर में विस्फोट कर एक हिजबुल्लाह कमांडर को निशाना बनाया। इजराइल ने कहा है कि इस कमांडर ने सप्ताहांत में इजराइली नियंत्रित गोलान हाइट्स पर हमला किया था। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच शनिवार से तनाव बढ़ गया है। इजराइल का आरोप है कि हिजबुल्लाह ने मजदल शम्स के ड्रूस गांव में फुटबॉल खेल रहे 12 बच्चों और किशोरों को निशाना बनाकर मौत के घाट उतार दिया। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हालांकि हिजबुल्लाह ने इस बात से इनकार किया है कि वह उस हमले के पीछे था। इस पर इजराइली सेना ने कहा है कि यह हमला हिजबुल्लाह ने ही किया। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं। इजराइली रक्षा अधिकारियों ने कहा कि बेरूत में इजराइली हमले का निशाना हिजबुल्लाह का वरिष्ठ अधिकारी फुआद शुक्र था। वह समूह के महासचिव हसन नसरल्लाह का करीबी है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 35 लोग घायल हो गए।

कमला हैरिस से सीधे बहस करने से बचते नजर आ रहे डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की आधिकारिक उम्मीदवार होने के बाद रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवार व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी प्रतिद्वंदी हैरिस के साथ बहस करने की अपनी पूर्व प्रतिबद्धता से पीछे हटते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने इस संभावित बहस के महत्व पर सवाल उठाया है और कहा है कि वह ''संभवतः'' बहस करेंगे, लेकिन वह ''ऐसा न करने का भी तर्क दे सकते हैं''। ट्रंप के इस बयान पर हैरिस की टीम ने पलटवार करते हुए कहा कि वह 'डरे हुए हैं'। फॉक्स न्यूज चैनल पर सोमवार रात को प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप से हैरिस के साथ बहस करने के बारे में कई बार सवाल पूछे जाने के बाद पहले की तुलना में अधिक नरमी से जवाब दे रहे थे। रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप तत्कालीन डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडन के साथ बहस करने के लिए तैयार थे। लेकिन बाइडन के दौड़ से बाहर होने और हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ट्रंप ने बाइडन के साथ मूल

बहस की शर्तों पर सवाल उठाए हैं, जिस पर उन्होंने सहमति जताई थी।

ट्रंप ने एबीसी न्यूज़ पर 10 सितंबर को प्रस्तावित बहस को किसी दूसरे नेटवर्क पर कराने का सुझाव दिया है। उन्होंने एबीसी को ''फर्जी खबर'' बताया है। पिछले हफ्ते पत्रकारों के साथ फोन पर बातचीत में ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह कम से कम एक बार हैरिस के साथ बहस करेंगे। उन्होंने जवाब दिया, ''हाँ, बिल्कुल। मैं ऐसा करना चाहूँगा,''। ट्रंप ने कहा कि बहस करना एक बाध्यता है। ट्रंप से साक्षात्कार में बार-बार प्रोस्ताता लॉरा इंग्राहम द्वारा बहस को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''मैं बहस करना चाहता हूं। लेकिन मैं यह भी कह सकता हूं। हर कोई जानता है कि मैं कौन हूं। और अब लोग जानते हैं कि वह कौन है।'' पूर्व राष्ट्रपति ने अंततः कहा, इसका उत्तर हां है, मैं संभवतः बहस करूंगा। उन्होंने एक मिनट तक कहा कि राज्यों में प्रारंभिक मतदान शुरू होने से पहले किसी भी बहस को आयोजित किया जाना चाहिए और फिर उन्होंने कहा, इसका उत्तर हां है, लेकिन मैं ऐसा न करने का भी तर्क दे सकता हूं।

पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री डार ईरान के दौरे पर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ईरान की यात्रा पर गये। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री, ईरान

के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गये हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के लोगों और सरकार की ओर से उपप्रधान मंत्री ने ईरानी राष्ट्रपति को उनके पद संभालने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

नेपाल में अस्पताल के नाम पर धर्मांतरण का धंधा चलाने वाले भवन पर चला बुलडोजर

पेशावर।

काठमांडू। कैलाली जिले के धनगढी में अस्पताल चलाने के लिए ली गई जमीन के भवन में चर्च की गतिविधियां चलाये जाने के आरोप में प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया है। साथ ही प्रशासन ने अस्पताल चलाने की अनुमति लेने वाली संस्था और चर्च की गतिविधि करने वाली संस्था का प्रमाण पत्र खारिज कर दिया है।

धनगढी उप महानगरपालिका के मेयर गोपाल हमाल ने बताया कि धनगढी के वार्ड नम्बर 6 में एक जमीन को किराए पर लेकर लेट मी इन नामक संस्था ने स्किन अस्पताल चलाने के लिए भवन का निर्माण किया था। यह कोरिया की संस्था है,

जो नेपाल के काठमांडू सहित कई शहरों में स्किन अस्पताल का संचालन करती है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के भवन में बिना इजाजत चर्च की गतिविधि चलाने और उसकी आड़ में धर्मांतरण का धंधा चलाने के आरोप में नेपाल लाइफ वर्ल्ड मिशन नामक ईसाई संस्था का भी प्रमाणपत्र खारिज कर दिया गया है। कुछ दिन पहले ही इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

उन्होंने बताया कि धनगढी में बने इस अस्पताल में इलाज तो नहीं हुआ लेकिन वहां चर्च की गतिविधि होने और धर्मांतरण का धंधा चलाने के आरोप में बुलडोजर चलाया गया है। मेयर गोपी हमाल ने कहा कि पूरी जांच के बाद अवैध काम करने की बात साबित होने पर बुलडोजर चलवाया गया है।

बांग्लादेश में मंगलवार को आरक्षण विरोध प्रदर्शन में हुई मौतों पर देशव्यापी शोक मनाया जाएगा

पेशावर।

काठमांडू। बांग्लादेश में सरकार एक दिन का राष्ट्रीय शोक मनाएगी, क्योंकि हाल ही में कोटा सुधार आंदोलन के कारण देश भर में हुई हिंसा में लोगों की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट सचिव मोहम्मद महबूब हुसैन ने सचिवालय में बाद में एक ब्रीफिंग में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सभी लोग काली पट्टी पहनेंगे और मस्जिदों और मंदिरों में नमाज अदा करेंगे। गृह मंत्री अज़ादुज़्ज़मां खान के अनुसार, कोटा सुधार विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कुल 150 लोग मारे गए।

ढाका में एक प्रेस वार्ता के दौरान आजादुज्जमां ने कहा, मृतकों में पुलिस अधिकारी, अवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता, छात्र और विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोग शामिल हैं। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए देश भर में, विशेष रूप से ढाका के प्रमुख क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को तेज कर दिया है। यह जानकारी बीजीबी के जनसंपर्क अधिकारी ने दी। देश के विभिन्न भागों में छात्रों द्वारा किए गए नए प्रदर्शनों के जवाब में सुरक्षा बढ़ाई गई है। इस बीच, बांग्लादेश के शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी ने सोमवार को कहा कि सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों को फिर से खोलने पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, जो कोटा सुधार आंदोलन के कारण हुई हिंसा के कारण बंद हैं। बांग्लादेश की हालिया स्थिति पर विदेश मंत्रालय ने नागरिक समाज संगठनों और मीडिया सहित कुछ अंतरराष्ट्रीय भागीदारों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं पर ध्यान दिया। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है, सरकार सभी अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को आश्वस्त करना चाहती है

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गाजा पट्टी से इजरायली बलों की वापसी, 42 फिलिस्तीनियों के शव बरामद

पेशावर।

गाजा। इजरायली सेना की वापसी के बाद दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के पूर्वी हिस्से में मलबे से 42 फिलिस्तीनियों के शव बरामद किए गए हैं। यह जानकारी फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने दी। और संगठन ने कहा की नागरिक सुरक्षा ने बानी सुहैला क्षेत्र से शवों को बरामद किया। और साथ ही 22 जुलाई को अभियान शुरू होने के बाद से खान यूनिस के पूर्वी हिस्से में लापता फिलिस्तीनियों की 200 रिपोर्ट प्राप्त की हैं। और संगठन ने कहा कि शेष शवों को बरामद करने के प्रयास जारी हैं। संगठन के मुताबिक इजरायली सेना ने अपने चालक दल के सदस्यों को घायलों को बचाने से रोका, जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई और उनके शव सड़ गए। संगठन ने इसे नागरिकों के बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन बताया। स्थानीय स्रोतों और प्रत्यक्षदर्शियों ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली सेना ने घरों, आवासीय भवनों, मस्जिदों और कब्रिस्तानों में बड़े पैमाने पर तबाही मचायी है।

सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इजरायली सेना की वापसी के बाद कई परिवार अपने घरों में लौट आए, जहाँ से वे विस्थापित हुए थे। हमास द्वारा संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय ने बताया कि खान यूनिस के पूर्वी हिस्से में पिछले आठ दिनों में इजरायली

सैन्य अभियान के दौरान कम से कम 255 फिलिस्तीनी मारे गए और लगभग 300 अन्य घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 320 घरों और आवासीय भवनों पर बमबारी की गई। इस बीच, इजरायल रक्षा बलों ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने खान यूनिस क्षेत्र में आतंकवादी बुनियादी ढांचे और गुर्गों के खिलाफ अपनी गतिविधियों को समाप्त कर दिया है। बयान में कहा गया है, पिछले सप्ताह सैनिकों ने 150 से अधिक आतंकवादियों को खत्म कर दिया, आतंकी सुरंगों, हथियार भंडारण केंद्रों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और हथियारों का पता लगाया।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के लड़ाकों ने इजरायल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट दागकर हमला किया था, जिसके कारण एक हजार 200 से अधिक लोग मारे गए थे। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने दो सौ से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला किया।

ब्राजील की अमेजन नदी में नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, नौ लापता

एजेंसी

साओ पाउलो। उत्तरी ब्राजील की अमेजन नदी में नाव पलटने से एक वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गयी और 16 अन्य घायल हो गए, जबकि नौ लापता हैं।

पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि 200 से अधिक यात्रियों को ले जा रही नाव 'एम. मोंटेरो' में सोमवार को अमेजनास राज्य में उरीनी नगरपालिका के पास विस्फोट के बाद आग लग गयी। पुलिस प्रवक्ता और नौसेना के एक बयान के अनुसार, हादसे में कम से कम 183 लोग बच गये। यह जहाज शनिवार को अमेजनास की राजधानी

मनौस से कोलंबिया और पेरू की सीमा पर स्थित ब्राजील के शहर ताबटिंगा के लिए रवाना हुआ। यह तीन दिन में अमेजनास में यात्री नाव में आग लगने की दूसरी घटना है। इससे पहले, नाव 'कोमांडेंटे सूजा III' आग लगने के बाद पलट गयी, जिससे चार लोगों की मौत हो गयी और पांच लापता हो गये।

वियतनाम के प्रधानमंत्री चिन्ह भारत की यात्रा पर

एजेंसी
नई दिल्ली। वियतनाम के प्रधान मंत्री फ़ाम मिन्ह चिन्ह भारत की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत पहुंचे। भारत प्रवास में श्री चिन्ह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगे। तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर वियतनाम के प्रधानमंत्री का हार्दिक स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर बताया, 'हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री पी मार्गेरिटा ने अतिथि की अगवानी की। प्रवक्ता ने कहा कि भारत और वियतनाम आपसी विश्वास पर आधारित सभ्यतागत संबंध और दीर्घकालिक मित्रता साझा करते हैं। वियतनाम के प्रधानमंत्री की यह यात्रा हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगी।

राहुल गांधी पर अनुराग ठाकुर के बयान को लेकर पवन खेड़ा ने किया पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने अनुराग ठाकुर द्वारा राहुल गांधी के संबंध में की गई टिप्पणी को लेकर पलटवार किया है।उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल राहुल गांधी के लिए किया, वे शब्द आज पूरे देश के कानों में गूंज रहे हैं। देश का हर व्यक्ति उससे हतप्रभ, नाराज और दुखी है, लेकिन इससे भारतीय जनता पार्टी का चेहरा भी सामने आ चुका है। यह मानसिकता सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की ही हो सकती है कि एक ऐसे व्यक्ति के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करें, जो एक शहीद परिवार से आता है। उन्होंने कहा, 'अनुराग ठाकुर राहुल गांधी से उनकी जाति पूछ रहे हैं, तो मैं उन्हें उनकी जाति बताता हूं। राहुल गांधी की जाति शहादत है। वो शहीद परिवार से आते हैं, लेकिन यह बात अनुराग ठाकुर, बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयं संघ को कभी समझ नहीं आ सकती है। खैर, आपको जितनी गाली देनी है, आप दे सकते हैं। रही बात माफी की तो हमें आपकी माफी नहीं चाहिए। वैसे भी आप माफी मांगेंगे नहीं और हमें माफी चाहिए भी नहीं। भारत में जातिगत जनगणना होकर रहेगी। आप चाहे जितनी गालियां गांधी परिवार को दे दीजिए। कांग्रेस पार्टी को दे दीजिए, राहुल गांधी को दे दीजिए। यह लड़ाई जारी रहेगी। बता दें कि अनुराग ठाकुर ने सदन में राहुल गांधी को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया, जिसे लेकर चौतरफा बवाल मचा हुआ है। उन्होंने राहुल का जिक्र करते हुए कहा कि जिनकी जाति का पता नहीं है, वो जातीय जनगणना की बात कर रहे हैं। अनुराग के इस बयान पर सदन में बवाल मच गया। वहीं राहुल ने भी अनुराग के बयान पर आपत्ति जताई।

पाकिस्तान में भारतीय फरजाना की गुहार, अपने बच्चों के लिए दोनों देशों की सरकारों से मांगी मदद

दिल्ली। पाकिस्तान में भारतीय मूल की फरजाना ने मदद की गुहार लगाई है। उसने भारत और पाकिस्तान सरकार से अपने बच्चों को पाने के लिए मदद मांगी है। मुंबई की रहने वाली फरजाना बेगम ने 2015 में पाकिस्तान के रहने वाले यूसुफ मिर्जा इलाही से निकाह किया था। ये निकाह अबू धाबी में हुआ था। फरजाना ने पति पर आरोप लगाया है कि उसकी पहले भी कई निकाह किए हुए हैं और उसने ये बात छुपाई। शादी के दो-तीन साल बाद वह धोखे से उसे पाकिस्तान लेकर आया और खुद बच्चों को लेकर अबू धाबी चला गया। फरजाना ने पति यूसुफ पर आरोप लगाया कि वह पहले भी कई शादियां कर चुका है और उनसे बच्चे पैदा करके पत्नी और बच्चों को छोड़ के चला जाता है। फरजाना के साथ भी यूसुफ के दो बच्चे हैं। वह बच्चों को लेकर अबू धाबी चला गया है। 10 जुलाई को फरज़ाना आखिरी बार अपने बच्चों से मिली थी। उसके बाद से बच्चों से उसका कोई संपर्क नहीं हुआ है। फरज़ाना ने लाहौर की एक कोर्ट में अपनी गुहार लगायी है। जिसकी सुनवाई 15 अगस्त को की जाएगी। फरज़ाना अपने बच्चो को पाने के लिए पाकिस्तान और भारत सरकार से लगातार मदद की गुहार लगा रही हैं। भारतीय दूतावास से उसका अनुरोध है कि वो इस विषय पर अबूधाबी अथॉरिटी से बात करे।

70 प्रतिशत बाघ भारत में, संख्या हर वर्ष बढ़ रही है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व बाघ दिवस की पूर्व संध्या पर कहा है कि भारत में बाघों के संरक्षण के लिए इस समय अभूतपूर्व प्रयास चल रहे हैं और देश में प्रति वर्ष इस वन्य प्राणी की संख्या बढ़ रही है। श्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो संबोधन- मन की बात में कहा कि विश्व में 70 प्रतिशत बाघ भारत में पाए जाते हैं और और यह प्राणी भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है और देश में वनों के आस पास के गावों में लोगों को पता रहता है कि बाघों के साथ ताल मेल बिठा कर कैसे रहना है। उन्होंने इस संदर्भ में रणथम्भौर (राजस्थान), महाराष्ट्र का तादोबा-अंधेरीबाघ अभयारण्य,आंध्र प्रदेश में नल्लामलाई की पहाड़ियों पर रहने वाली 'चेन्चू' जनजाति और पीलीभीत में चल रहे 'बाघ मित्र कार्यक्रम' का विशेष रूप से उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा, कल दुनिया भर में बाघ दिवस मनाया जाएगा। भारत में तो 'बाघ', हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम सब बाघों से जुड़े किस्सेङ्कहानियाँ सुनते हुए ही बड़े हुए हैं। जंगल के आसपास के गाँव में तो हर किसी को पता होता है कि बाघ के साथ तालमेल बिठाकर कैसे रहना है। हमारे देश में ऐसे कई गाँव है, जहां इंसान और बाघ के बीच कभी टकराव की स्थिति नहीं आती। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि जन-भागीदारी बाघों के संरक्षण में बहुत काम आ रही है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भारत में बाघों की आबादी हर साल बढ़ रही है। आपको ये जानकर खुशी और गर्व का अनुभव होगा कि दुनियाभर में जितने बाघ हैं

सीतारमण ने ली लोकसभा में सौगत राय की 'क्लास'

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए आज तृणमूल कांग्रेस के प्रोफेसर सौगत राय की उनके लिए हावर्ड में पढ़ा नहीं होने के कारण आइडिया की कमी संबंधित टिप्पणी पर प्रो राय की जमकर 'क्लास' ली और पूछा कि उनकी पार्टी की नेता तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विदेश में पढ़ाई नहीं की है तो क्या उनमें आइडिया की कमी है।

श्रीमती सीतारमण ने प्रोफेसर सौगत रॉय की ओर से बजट पर चर्चा के दौरान ऑक्सफोर्ड या हार्वर्ड से उनके पढ़े नहीं होने का जिक्र करते हुए उनमें आइडिया होने की कमी की बात कही थी जिसका वित्तमंत्री ने सदन में करारा जवाब दिया। उन्होंने प्रो राय की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था मुझे उम्मीद नहीं है कि वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की तरह होंगी। वह ऑक्सफोर्ड से पीएचडी नहीं हैं। यहां तक कि चिदंबरम की तरह भी नहीं हैं जिनके पास हार्वर्ड से प्रबंधन की डिग्री है। उन्होंने हमारे अपने जेएनयू

से पढ़ाई की है। डॉ मनमोहन सिंह जैसा होने संबंधी सवाल पर श्रीमती सीतारमण ने कहा निश्चित रूप से मैं मनमोहन सिंह की तरह तो बिल्कुल नहीं बनना चाहती हूँ।

वित्त मंत्री ने पूछा कि क्या भारत में पढ़ाई करने वाले आइडिया विहीन होते हैं। अगर ऐसा है तो उन्हें बताना चाहिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबंद्ध एक कॉलेज से पढ़ी हैं। वह एक लड़कू है जो इतने सालों तक राज्य का नेतृत्व कर रही हैं। इसका मतलब यह है कि यदि आप भारतीय विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं, तो आप विचारों से रहित हैं। श्रीमती सीतारमण यही नहीं रुकी उन्होंने प्रोफेसर राय से पूछा 'वह बताएं कि सुश्री ममता बनर्जी और उनकी सहयोगी तथा जीएसटी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली पश्चिम बंगाल वित्त मंत्री चंद्रमा भट्टाचार्य भी विचारहीन हैं।

'वन रैंक वन' पेंशन भुगतान नहीं करना पड़ा भारी, केंद्र पर दो लाख का जुर्माना

एजेंसी
नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 'वन रैंक वन' पेंशन योजना के अनुसार सेवानिवृत्त कैप्टन को पेंशन का भुगतान नहीं करने पर मंगलवार केंद्र सरकार की खिंचाई की और उस पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और आर महादेवन की पीठ ने केंद्र सरकार पर दो लाख रुपये जुर्माने का निर्देश देते हुए कहा कि इस राशि को सेना के कल्याण कोष में जमा किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही भुगतान करने के अंतिम अवसर के तौर पर 14 नवंबर तक का समय सरकार को दिया। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से नाराजगी जताते हुए कहा, 'आप (केंद्र) 10 प्रतिशत बढ़ी हुई पेंशन का भुगतान करें या हम आप पर जुर्माना लगा रहे हैं।' शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को यह भी चेतावनी दी कि यदि वह 14 नवंबर तक भुगतान के लिए कोई निर्णय लेने में विफल रही, तो वह सेवानिवृत्त नियमित कैप्टन को 10 प्रतिशत बढ़ी हुई पेंशन देने का निर्देश देगी। पीठ ने कहा कि केंद्र को इस योजना के तहत ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन के संबंध में सभी विसंगतियों को दूर करना होगा। पेंशन देने का निर्देश देगी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने तीन महीने का समय मांगते हुए कहा कि सरकार इस मामले में हलफनामा दाखिल करेगी।

वह इस मामले के कई वर्षों तक खिंचने से खुश नहीं है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि सरकार को इस मुद्दे पर समग्र रूप से विचार करना होगा और एएफटी कोच्चि द्वारा बताई गई सभी छह विसंगतियों पर विचार करना होगा, क्योंकि इस फैसले का असर अन्य पर भी पड़ सकता है। इस पर पीठ ने कहा कि वह केंद्र को और समय देने के लिए इच्छुक नहीं है। वह इन सेवानिवृत्त अधिकारियों को बढ़ी हुई पीठ ने कहा कि सरकार को या तो लागत का भुगतान करना होगा या उसे 10 प्रतिशत अधिक भुगतान करना शुरू करना चाहिए। इस पर सुश्री भाटी ने कहा कि लागत बढ़ी हुई पेंशन की तुलना में इक्विटी को बेहतर बनाएगी। पीठ ने केंद्र को अंतिम अवसर के रूप में 14 नवंबर तक का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को तय करने से पहले दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की तकनीकी पहल 'टैक्ट' से होगी बच्चों की ट्रैफिकिंग की रोकथाम

एजेंसी
नई दिल्ली। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस ने नई दिल्ली में ट्रैफिकिंग को रोकने के लिए तकनीकी पहल 'टैक्ट- टेक्नोलॉजी अगेंस्ट चाइल्ड ट्रैफिकिंग' का ऐलान किया। पांच सूत्रीय इस तकनीकी पहल में विशेष जोर पीड़ितों के पुनर्वास और इस चुनौती का सामना करने के लिए हर स्तर पर ट्रैफिकिंग के पीड़ितों की भागीदारी सुनिश्चित करने और उनसे मिली सूचनाओं के आधार पर ट्रैफिकिंग गिरोहों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने पर है। इस परामर्श का आयोजन एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन ने किया जो पूरे देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे 180 गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस का सहयोगी संगठन है। परामर्श के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि भारत ने आदि काल से ही पुनर्वास का रास्ता दिखाया है द्य ट्रैफिकिंग से पीड़ित बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित करने

और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने में शिक्षा सबसे सबसे अहम औजार है। पिछले दस साल में हमने आधारभूत ढांचे और डिजिटल निगरानी के विकास में काफी प्रगति की है और आज हम इस स्थिति में हैं कि हम प्रतिक्षण स्थिति पर निगरानी रख सकते हैं। सुरक्षित प्रवासन और सभी बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमें बस राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग की जरूरत है ताकि सभी बच्चों चाहे वे किसी भी राज्य या इलाके के हों, का स्कूलों में दाखिला कराया जा सके। ट्रैफिकिंग से पीड़ित बच्चों को मुक्त कराने और आरोपितों पर मुकदमे के अलावा समाज की भी यह जिम्मेदारी है कि ट्रैफिकिंग की रोकथाम के लिए सामूहिक कदम उठाए।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि एक भी बच्चे की ट्रैफिकिंग बहुत से अपराधों को जन्म देती है। किसी भी पीड़ित बच्चे को सहज और सामान्य बनाने की दिशा में पहले कदम के तौर पर मनोवैज्ञानिक सहायता सबसे जरूरी है। इस संगठित वैश्विक आर्थिक अपराध के खिलाफ हमारी रणनीतियों में इसके पीड़ितों को सबसे अग्रिम कतार में होना चाहिए। हमें पीड़ितों को सभी स्तरों पर इसमें भागीदार बनाना होगा, क्योंकि ट्रैफिकिंग गिरोहों के बारे में पीड़ितों से ज्यादा कोई नहीं जानता जो उनके शिकार रहे हैं। इस वैश्विक संगठित और आर्थिक अपराध से लड़ने के लिए खुफिया जानकारी इकट्ठा करने, पैसे के रास्ते और प्रौद्योगिकी-संचालित तस्करी के पैटर्न की पहचान करने में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता भुवन ऋभु ने एक समग्र और व्यापक एंटी-ट्रैफिकिंग कानून की जरूरत पर जोर देते हुए इंटरनेट और सोशल मीडिया मंचों के जरिए ट्रैफिकिंग के उभरते रुझानों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को ट्रैफिकिंग की रोकथाम, पीड़ितों के पुनर्वास, क्षतिपूर्ति और अपराधियों को पर मुकदमे के लिए एंटी-ट्रैफिकिंग कानून की जरूरत है।

आप सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन, उपराज्यपाल को बर्खास्त करने की माँग

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसदों ने राजेंद्र नगर की घटना के लिए जिम्मेदार उपराज्यपाल वीके सक्सेना की बर्खास्तगी और देश भर में कोचिंग संस्थानों को रेगुलेट करने के लिए क़ानून बनाने की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह, डॉ. संदीप पाठक, एनडी गुप्ता समेत अन्य सांसदों ने नारेबाजी करते हुए राजेंद्र नगर की कोचिंग में हुए दुखद हादसे के जिम्मेदार दिल्ली के उपराज्यपाल और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। श्री सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्रियों के बार-बार दिल्लीवालों का जीवन नर्क बनाने के लिए जानबूझ कर अधिकारियों ने नालों की सफाई नहीं की।

श्री सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन ली गईं और उपराज्यपाल के डंडे से दिल्ली को चलाने का प्रयास किया गया।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती रमावती पत्नी स्वर्गीय श्री वासुदेव फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या – ई–312, पुरानी संख्या – 28/39, माप–50 वर्ग गज यानी 41.80 वर्ग मीटर, खसरा संख्या – 823 और 824, गांव में स्थित की मालिक हैं। – घोंडा गुजरान खादर, गली नंबर–5, जगजीत नगर, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली। सद्गुण द्वारा, त्याग विलेख दिनांक–02.07.2024 को एसआर IV दिल्ली में दिनांक–03.07.2024 को पुस्तक संख्या – 1, खंड संख्या – 5942 में पृष्ठ संख्या – 93 से 104 पर पंजीकरण संख्या – 2024/12/आई/2227 के माध्यम से। नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में उल्लिखित दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री वासदेव पुत्र श्री रेवती प्रसाद का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री शाकिर हुसैन और श्री खुश नसीब नाम से बिकने जा रही है और एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड) शाखा गाजियाबाद, यूपी द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change
I, KRISHNA Father of No 16131841F, Rank-SPR, Name-RAMESH KRISHNA KHOT Residing at VILL-KHOTANATTI, PO-DESAIRHATTI, TEHSIL-ATHANI, DISTT- BELAGAVI, KARNATAKA-591230 have changed my name KRISHNA to KHOT KRISHNA BHAUSAHEB for all future purposes vide Affidavit Dated 31/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, TRIVENI Wife of No. 4584301N Rank-NK Name-BODELE GUNANAND BUDHA Presently residing at SIDHARTH WAARD, VPO-DHARGOAN, TEHSIL-BHANDARA, DISTT-BHANDARA, MAHARASHTRA-441804 have changed my name from TRIVENI to TRIVENI GUNANAND BODELE for all future purposes vide Affidavit Dated 31/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SUNITA Mother of No 16131841F, Rank-SPR, Name-RAMESH KRISHNA KHOT Residing at VILL-KHOTANATTI, PO-DESAIRHATTI, TEHSIL-ATHANI, DISTT- BELAGAVI, KARNATAKA-591230 have changed my name from SUNITA to SUNITA KHOT for all future purposes vide Affidavit Dated 31/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MULASIYA HANSAREN Mother of No. 15815107A Rank-HAV Name-MULASIYA ROHITKUMAR RAMESHBHAI Presently residing at C/53, MANHAR NAGAR-2, AHMEDABAD CITY, AHMEDABAD, GUJARAT-380024 have changed my name from MULASIYA HANSAREN to PRAJAPATI HANSABEN RAMESHBHAI for all future purposes vide Affidavit Dated 31/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I RAMSHRI, W/O GIRJA SHANKAR SHARMA, R/O A573, KALKA JI, DOUBLE STORY, NEW DELHI 110019,HAVE CHANGE MY NAME TO, RAMSHRI SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE, AND BOTH THESE NAMES REFER TO THE SAME PERSON.

Name Change
I, Pramod Guliani S/o Sohan Lal Guliani R/o J-1347A, Ansal, Palam Vihar, Gurgaon, Haryana-122017 Have Changed My Name to Pramodd Guliani For All Future Purposes.

Name Change
I GIRJA SHANKAR , S/O SH. SHIV CHARAN, R/O A-573, KALKAJI, DOUBLE STORY, NEW DELHI 110019,HAVE CHANGE MY NAME TO GIRJA SHANKAR SHARMA, FOR ALL FUTURE PURPOSE,AND BOTH THESE NAMES REFER TO THE SAME PERSON.

Name Change
I hitherto known as Princy Kapoor alias Parthika Kapoor D/O Vinit Kapoor, GALI NO-14, 25/13, VISHWAS NAGAR, Shahdara S.O, East Delhi, Delhi-110032 have changed my name and shall hereafter be known PARTHIKA KAPOOR

Name Change
I, SHIV SINGH S/o RAMDIN R/o H.N.K – II - 443, Sangam Vihar, South Delhi, Delhi - 110062 have changed the name of my minor Daughter PRATIBHA SINGH , aged 15 years and She shall hereafter be known as HITAANSHI SINGH.

Name Change
I Shafinaz Parveen, W/o Mohd Hmza, R/o, E-12/66 A, Hauz Rani Malviya Nagar new delhi 110017, Have changed my name to Shafinaaz Parveen for all future purposes.

Name Change
I ANAND VERMA S/O DEVI DASS residing at C-45 NEW GOVIND PURA GALI NO-1 KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to ANAND KUMAR permanently

Name Change
I. MANJU DEVI W/O SH. VISHNU YADAV R/O H.NO-C36, GOYLA DAIRY, PHASE-1. QUTUB VIHAR, SOUTH WEST DELHI-110071 have changed my name from MANJU DEVI to SAPNA DEVI for all future purposes.

Name Change
I, BRIJBHAN PAL S/O PATIRAJ PAL R/O B-56, B- BLOCK, VASANT KUNJ ENCLAVE, DELHI - 110070, have changed my name from BRIJ BHAN TO BRIJBHAN PAL for all future purpose.

Name Change
I Naresh Vohra S/o late Gurdayal singh , R/o A-1/220 D,3rd Floor Maa Shakti Apartment, Paschim vihar New Delhi-110063, I have changed my Name Naresh Kumar Vohra to Naresh Vohra , for all Future Purpose, both are the same and one person.

Name Change
I hitherto known as Renu alias Ranu Bala D/O Devender Nath Binot W/O Sudesh Sharma, R/O -X/191, TAGORE GALI RAGHUBAR PURA NO-1, Gandhi Nagar S.O, East Delhi, Delhi,110031, have changed my name and shall hereafter be known as RANU BALA.

Name Change
I, Tanisha Gagan Goswami D/O Gagan Goswami H. No 8650,2nd floor Near DCM School Marg Gaushala Road Karol Bagh Delhi -110005, have Changed my name to Tanisha Goswami

Name Change
I, SODAGAR (UID: 2516 1552 6210) S/o Late Sh. Alooda R/o H. No. B-154, Sanjay Colony, Bhati Mines, New Delhi-110074) declare That my name is mentioned as a Nominee SODAGAR SINGH in my wife namely MAHARANI'S Bank Account No 607310110002457, in Bank of India, Chhatarpur, New Delhi Branch, but also my name is mentioned as SODAGAR SINGH AND SODAGAR in my all other documents. That I declare and undertake that "SODAGAR SINGH" and "SODAGAR" is the one person name and both are the same.)

Lost and found
I, Kiran Singh W/o Naresh Kumar Singh R/o Plot No 61, A Block, Gali No-6, Qutub Vihar Phase 1, Goyla Dairy, Chawla, Delhi-110071, Have lost my Original Registery No DL778049555552174U, missing of my property at A-6,Raj Nagar Part-2, Palam Colony, Delhi-110077, Already Online Police Report Submit LR No:1982480/2024 missing at Goyla Dairy, Delhi

Name Change
It is for general information that I, AKSHAY YADAV S/o RAJESH KUMAR, R/o WZ-42, Todapur Village, I.A.R.I, Central Delhi, Delhi - 110012 declare that name of my Father has been wrongly written as RAJESH KUMAR YADAV in my all Educational Documents and Voter ID. The actual name of my Father is RAJESH KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

Name Change
I, RAM GOPAL Father of No-3009708K Rank-HAV/CLK, Name-RAJENDRA PRASAD Presently residing at VPO-DHOLIYA, TEH- LADNUN, DISTT-NAGAUR, RAJASTHAN-341304 have changed my name from RAM GOPAL to RAM GOPAL JAKHAR for all future purposes vide Affidavit dated 31/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, MAYATAI Wife of JC-571367M Rank-SUB, Name-HELODE RAHUL KESHAORAO Presently residing at VILL-PLASKHED-NAGO, PO-PADLI, DISTT-BULDANA, MAHARASHTRA-443001 have changed my name from MAYATAI to MAYA RAHUL HELODE for all future purposes vide Affidavit dated 31/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, Chander Shekhar S/O Narottam Lal Sharma H. No C-720 Block -C Sangam Vihar Devli Village South Delhi -110062, have Changed my name to Chander Shekhar Sharma

Name Change
I, Riya Gagan Goswami D/O Gagan Goswami H. No 8650,2nd floor Near DCM School Marg Gaushala Road Karol Bagh Delhi -110005, have Changed my name to Riya Goswami

Name Change
It is for general information that I, ROSHAN HASDA S/o RASHIK LAL HASDA, R/o H.NO.161B/9, Kishan Garh, Vasant Kunj, Delhi-110070, declare that name of mine and my Father has been wrongly written as ROSHAN KUMAR and RASHIK LAL in my Aadhaar Card No.41213 2008116. The actual name of mine and my father are ROSHAN HASDA and RASHIK LAL HASDA, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT Arvind, S/o. Shri Devi Singh, R/o. H-283 Gali No.13, Chhuriya Mohalla, Tughalkabad Village, New Delhi-110044, have served all relations and disowned his family members namely Ragini @ Ruby (wife), Ram (son), Tanya and Pari(daughters) from his all movable and immovable properties due to their misconduct/misbehavior. My client will not be responsible for them any acts/deeds in future, if any person dealing with them in future shall be doing so, at there own risk and consequences . My client will not be responsible for there acts in any manner whatsoever.
SWATI JAIN ADVOCATE
CH.NO. 301, LAWYERS BLOCK
SAKET COURT,
NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mr. Krishan Bhatnagar and Mrs. Monika Bhatnagar** who have approached **IDBI Bank Ltd.** for the purchasing of **Flat No. 153-C, On First Floor, area measuring 76 Sq. yds., Situated at Mayur Vihar Phase- I, Delhi-110091. Mrs. Malati M Bhave** Purchased this property from President of India through DDA (**Mr. Kudrat Singh)** and became owner vide Conveyance Deed Regd. Document no. 5962, Book no. 1, Volume no. 738, on dated 10.10.2002, SR-VII New Delhi.
It is to mention that the Original Allotment Letter Dated 08.01.1983 and Original Possession Letter Dated 04.02.1983 were issued by DDA in favour of Mr. Kudrat Singh in respect of the said Flat are lost by the Customer.
And the said property is going to be mortgaged in **IDBI Bank Ltd., Karol Bagh, New Delhi -110019** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim, demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF,
Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New
Delhi-110059

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती मीनू मित्तल पत्नी श्री रवि शंकर मित्तल, खसरा संख्या 705/76/59, 705/76/60, 703/596 से बाहर, फ्रीहोल्ड वाणिज्यिक निर्मित संपत्ति संख्या /60, 703/596/61, 703/596/64, आबादी गली नंबर 6, रघुबर पुरा नंबर 1, गांधी नगर, ग्राम सीलमपुर, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली–110031 के क्षेत्र में स्थित है। बिक्री विलेख दिनांक 08.07.2013 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 11361, खंड संख्या 7511, पृष्ठ संख्या 95–101, दिनांक 08.07.2013, एसआरओ–VIII, नई दिल्ली के रूप में नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेज़ में उपलब्ध नहीं है यानी स्वर्गीय श्री जगदीश लाल की एसएमसी 12.12.1989 को मृत्यु हो गई, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति मोहम्मद नकी नाम से बिकने जा रही है और उसका वित्त पोषण डीसीबी बैंक लिमिटेड शाखा करोल बाग नई दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client **Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid** who has approached **M/s Varthana Home Finance Ltd**. to borrow Loan Against Property in respect of **Agricultural Land Area Measuring 0.211 Hect. out of total Area 6.869 Having Khasra No.276AB Situated at Village Nurpur, Pargana Budhpur Tehsil Chandpur & Distt. Bijnor**. At present this propoerty is in the name of **Janta College of Education through Manager Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid** who had purchased this property vide Sale Deed Dated 29.12.2012 executed by **Mr. Surendra Singh** S/o Mr. Narendrapal Singh.
It is to mention that the Original Sale Deed Dated 29.12.2012 executed by **Mr. Surendra Singh** S/o Mr. Narendrapal Singh in favour of **Janta College of Education through Manager Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid** in respect of Agricultural Land Area Measuring **0.211 Hect**. out of total Area 6.869 Having **Khasra No.276AB** Situated at Village Nurpur, Pargana Budhpur Tehsil Chandpur & Distt. Bijnor. Reg. as Doc No. 13930, Volume No. 6079, Book 1, Pages 313/334, SR- Chandpur is lost by **Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid**.
And the said property is going to be mortgaged in **M/s. Varthana Finance Pvt. Ltd, Tower B 1, 11th Floor Spaze I Tech Park, Sector 49, Gurugram Haryana-122018.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled..
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF,
Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New
Delhi-110059

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mrs. Pushpa & Mr. Priyank Kumar** who have approached **Indo Star Home Finance Pvt. Ltd** for Home Loan of the **Built – Up Property No. RZ – 20A, on Plot No. 6, Land Area Measuring 50 Sq. Yds., i.e. 41.805 Sq. Mtr., With all the roof rights, out of Khasra No. 624, Situated in the Area of Village Nasirpur, Delhi State Delhi, Colony Known as Gali No. 6, Kailash puri, Palam Colony, New Delhi – 110045.** Purchased from **Mrs. Satto Devi** W/o. Sh. Raj Kumar vide Notarized GPA, ATS and Will Dated 21.08.1989.
It is to mention that the above-mentioned property comes directly through GPA.
And the said property is going to be mortgaged in **Indo Star Home Finance Pvt. Ltd, F-38, 1st Floor, Pearls Omaxe, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034.**
All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF,
Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New
Delhi-110059

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client **Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid** who has approached **M/s Varthana Home Finance Ltd**. to borrow Loan Against Property in respect of **Agricultural Land Area Measuring 0.295 Hect**. (Out of total area 4.8550 Hect.) Having **Khasra No.259/1**, Situated at Village Nurpur (Seema se Andar) Pargana Budhpur Tehsil Chandpur & Distt. Bijnor. At present this propoerty is in the name of **Janta College of Education through Manager Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid** who had purchased this property vide Sale Deed Dated 20.12.2012 executed by **Naseeran Memorial Educational Society through Manager Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid** .
It is to mention that the Original Sale Deed Dated 20.12.2012 executed by **Naseeran Memorial Educational Society through Manager Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid** in favour of **Janta Degree College through Manager Mr. Jiyauddin S/o Mr. Abdul Rashid** in respect of Agricultural Land Area Measuring **0.295 Hect**. (Out of total area 4.8550 Hect.) Having **Khasra No.259/1**, Situated at Village Nurpur (Seema se Andar) Pargana Budhpur Tehsil Chandpur & Distt. Bijnor. Reg. as Doc No. 13931, Volume No. 6079, Book 1, Pages 335/356 SR- Chandpur is lost by **Mr. Jiyauddin S/o Mr. Rashid**.
And the said property is going to be mortgaged in **M/s. Varthana Finance Pvt. Ltd, Tower B 1, 11th Floor Spaze I Tech Park, Sector 49, Gurugram Haryana-122018**. All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF,
Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New
Delhi-110059

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती [illegible] फ्लैट [illegible] नंबर 01 के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 66.888 वर्ग मीटर है, जो खसरा नंबर 167 में से प्लॉट नंबर 24 और 25 पर निर्मित है, जो राधा में स्थित है। ग्राम डासना परगना डासना तहसील एवं जिला में कृष्ण एन्क्लेव। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। सेल डीड के आधार पर दिनांक 10.07.2020 को दस्तावेज़ संख्या 3036, खंड संख्या 17361 पृष्ठ संख्या 283–348 SR- GZB-I और सुधार विलेख दिनांक 17.08.2020 को दस्तावेज़ संख्या 3733, खंड संख्या 17431 पृष्ठ संख्या 01–16 SR- GZB – मैंने आज तक उनके निम्नलिखित दस्तावेज खो दिए हैं, अर्थात् सेल डीड दिनांक 19.11.2015 जिसे श्री राम शाहय ने डॉक नंबर 7352, वॉल्यूम नंबर 13361 पेज नंबर 257–312 एसआर–GZB-I के रूप में श्री मनीराम के पक्ष में निष्पादित किया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री मोनू नाम से बिकने जा रही है और इसका वित्त पोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा शाहदरा, दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
The General Public at large is informed that my client Smt. Suman Sharma (having Aadhar Card bearing no. 329732314015) w/o late Sh. Raj Kumar Sharma r/o RR 1 Vipin Garden near Fakkar Baba Mandir Uttam Nagar West Delhi-110059 has been living separately along with her family since one year from her elder son namely Sh. Nitin Sharma and his family. Smt. Suman Sharma has disowned and debarred her elder son namely Sh. Nitin Sharma (having Aadhar Card bearing no. 638784103344) s/o late Sh. Raj Kumar Sharma r/o A-55 Extn., Upper Ground floor Mohan Garden Uttam Nagar West Delhi-110059 and his family from her immoveable/ moveable property and assets, and also severed all relations from her as he and his family is not under the control of my client and her family member are not responsible for any act whether legal or illegal committed by Nitin Sharma and his family in past, present and future. Any person who deals in any manner with Nitin Sharma and his family shall do the same at his/her and their own risk, cost and consequences and my above named client shall not be responsible for the same in any manner whatsoever.
SUNIL KAPOOR Advocate
CHAMBER NO. 412 DWARKA
COURT COMPLEX,
NEW DELHI-110075

दो दिन में जारी होगा टीजीटी अध्यापकों का वेटिंग लिस्ट के साथ डिटेल रिजल्ट : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षकों से अपील की है कि वह देश के नवनिर्माण में अपना अहम योगदान देने का संकल्प लें। जिस प्रकार आपने अपनी कड़ी मेहनत से अपने माता पिता और गांव का नाम रोशन किया है उसी प्रकार देश का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए भी भावी पीढ़ियों को निरंतर तराशने का कार्य करें।

मुख्यमंत्री सैनी पंचकूला में आयोजित नव नियुक्त ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर्स के राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम में प्रदेशभर से आये अध्यापकों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त टीजीटी अध्यापकों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो दिन में पूरी पारदर्शिता के साथ टीजीटी अध्यापकों की वेटिंग लिस्ट के साथ-साथ डिटेल रिजल्ट भी निकाल दिया जाएगा। उन्होंने टीजीटी अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि इस रिजल्ट में बेटियों ने भव्य प्रदर्शन करते हुए बड़ा स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री ने पेरिस ओलंपिक-2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मेडल जीतने के बाद एक

बार फिर से निशानेबाज मनु भाकर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पूरे देश को हरियाणा के खिलाडियों पर गर्व है।

उन्होंने कहा कि बहुत सारे टीचर्स ड्यूटी के बाद भी स्लम एरिया में बच्चों को पढ़ाने का पुनीत कार्य करते हैं। शिक्षा के प्रचार की यह भावना एक टीचर में अवश्य होनी चाहिए। पिछले 10 वर्षों में एक लाख 41 हजार युवाओं को बिना खर्ची-बिना पर्ची के काबिलियत के आधार पर प्रदान की सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। जनवरी 2024 में 745 पोस्ट का रिजल्ट निकाला गया। फरवरी से लेकर जून माह तक भी हज़ारों की संख्या में सरकारी पदों पर भर्तियां की गई है। जुलाई में हमने 7765 टीजीटी अध्यापकों को नियुक्ति प्रदान की है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, वन मंत्री कंवर पाल, ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह, वित्तमंत्री जेपी दलाल सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री बिशंबर वाल्मीकि सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

'आप्रेशन स्माइल' के तहत आठ नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किए गए 'आप्रेशन स्माइल' अभियान के तहत अपराध शाखा कैट टीम ने भीख मांगते आठ नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस टीम ने

महाराणा प्रताप चौक व खेड़ी पुल से आठ नाबालिग बच्चों को भीख मांगते हुए रेस्क्यू किया है। सभी बच्चों की उम्र 08 से 12 वर्ष के है। सभी बच्चों से उनका नाम, पता पूछकर उनके परिजनों को बुलाया गया। भीख मांगने वाले नाबालिक बच्चो व उनके अभिभावकों की काउंसलिंग कराई गई। चेयरपर्सन बाल कल्याण समिति फरीदाबाद ने उपरोक्त बच्चों के परिजनों को हिदायत देकर बच्चों के माता-पिता को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करते हुए बच्चों को सकुशल उनके परिजनों हवाले किया गया।

अनिल विज ने पैरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले हरियाणा के शूटर मनु भाकर व सरबजोत सिंह को शुभकामनाएं दी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री अनिल विज ने पैरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिस्सड इवेंट में झज्जर की शूटर मनु भाकर और अम्बाला के शूटर सरबजोत सिंह द्वारा कांस्य पदक जीतने पर उन्हें शुभकामनाएं दी है। विज ने आज चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि दोनों खिलाड़ियों द्वारा पदक जीतना देश, हरियाणा और उनके अम्बाला जिला के लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अम्बाला में शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने फायरिंग रेंज बनाकर दी थी और शूटर सरबजोत सिंह इसी रेंज पर अभ्यास करते हैं। कुछ दिन पहले ही पैरिस ओलंपिक में जाने से पहले भी सरबजोत सिंह उनसे मिलकर गए थे। पूर्व खेल मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरबजोत सिंह द्वारा पदक जीतने पर अम्बाला में खुशी का माहौल है। हमने खिलाड़ियों के लिए अम्बाला में खेल सुविधाओं का उच्च स्तर का ढांचा बनाकर दिया है जिसका मकसद यही होता है कि खिलाड़ी उच्च स्तर तक पहुंच सके और ओलंपिक में पदक जीत सके। यही हमारी चाहत है कि अम्बाला के खिलाड़ी पदक जीतकर आए। गौरतलब है कि पैरिस ओलंपिक में जाने से पहले सरबजोत सिंह ने बीती 7 जुलाई को पूर्व खेल मंत्री अनिल विज से अम्बाला छावनी में स्थित शूटिंग रेंज में मुलाकात की थी। इस दौरान विज ने सरबजोत को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी थी।

आमजन की समस्याओं को लेकर लघु सचिवालय में किया प्रदर्शन

जींद। आमजन की समस्याओं को लेकर सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व एसयुसीआई जिला इंचार्ज देवीराम व सुधीर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार अमीरों के हित में नीतियां बना रही है। इसलिए देश में लगातार महंगाई, बेरोजगारी बढ़ रही है। शिक्षा और इलाज का कोई प्रबंध नहीं है। समाज में अश्लीलता फैल रही है। भाईचारा लगातार कमजोर हो रहा है, देश में सभी जनवादी अधिकारों को रौंदा जा रहा है। आम जनता इन समस्याओं के नीचे कराह रही है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के खिलाफ आंदोलन ही एकमात्र रास्ता है। देश के सभी मेहनतकशों को बिना किसी धर्म, जाति, गौत्र आदि के भेदभाव के संगठित होकर ताकतवर आंदोलन खड़ा करना होगा। उन्होंने मांग की कि सभी बेरोजगारों को रोजगार दो। जब तक रोजगार नहीं है, जीने लायक बेरोजगारी भत्ता दो। एमएसपी की कानूनी गारंटी दो, किसान विरोधी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रद्द करो, गरीब ग्रामीणों को पूरा साल काम दो, सभी गरीबों के कर्ज माफ करो, परिवार पहचान पत्र स्कीम वापस लो, पूंजीपतिपरस्त बजट, जनविरोधी बिजली बिल 2023 वापस लो और स्मार्ट मीटर योजना बंद की जाए। बाद में मांगों को लेकर नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर वीरभान, धर्मवीर, वेदप्रकाश, सुनील, किस्मत, राम सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डबवाली रोड पर वाटर ड्रेनेज लीकेज मामले की जांच शुरू

सिरसा। सिरसा के डबवाली रोड पर वाटर ड्रेनेज लीकेज मामले की जांच के लिए जयपुर से एक टीम सिरसा पहुंच गई है। टीम ने मंगलवार सुबह से ही जेसीबी से खुदाई शुरू करके लीकेज मामले की जांच शुरू कर दी। बरसाती पानी निकासी के लिए शहर में वाटर ड्रेनेज लाइन डाली गई है। डबवाली रोड पर वाटर ड्रेनेज लाइन में लीकेज होने से सड़क धंस गई। गनीमत रही कि कोई वाहन वहां से गुजर नहीं रहा था। पाइपलाइन के पानी के प्रेशर से रोड पर जमा हो गया। रविवार को खुदाई का कार्य शुरू नहीं हो सका। 50 एमएममोटी पाइप लाइन की जांच करने के लिए जयपुर से टीम सिरसा आई।

ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई लंबी, हर व्यक्ति को लड़ना होगा : एडीजीपी

एजेंसी

हिसार। हिसार रेंज के एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण ने कहा है कि समाज में बढ़ता ड्रग्स का प्रचलन एक बड़ी समस्या है व समय रहते इस बुराई पर अंकुश लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए सभी विभागों को एकजुट होकर व योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा।

एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण हांसी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने हिसार रेंज को ड्रग मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे व्यापक अभियान के तहत हांसी के पांच गांवों व सात वार्डों को ड्रग मुक्त के सम्मान से नवाजा। उन्होंने पांच गांवों शेखपुरा, ढाणी शोभा, सिंघवा राघो, ढाणी केंदू, गांव रिचपुरा सहित हांसी के वार्ड नं 09, 10, 16, 17, 23 व नारनौंद के वार्ड दो एवं को 13 को ड्रग मुक्त के सम्मान से नवाजा। कार्यक्रम में हांसी के पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद सहित पंचायत एवं शिक्षा विभाग

सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एडीजीपी ने ड्रग एवं हिंसा मुक्त गांव को परिभाषित करते हुए कहा कि जिस गांव की महिलाओं व बच्चों के चेहरों पर मुस्कान है, यही ड्रग एवं हिंसा मुक्त गांव की पहचान है ।एडीजीपी ने कहा कि ग्राम पंचायतों, सामाजिक संगठनों और प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने स्तर पर ड्रग जैसी बुराई से समाज को बचाने के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रयासों के सार्थक परिणाम आए हैं अब तक हिसार रेंज में लगभग 700 लोगों ने नशे को अलविदा कहा है।

इस अवसर पर हांसी के पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद ने कहा कि एडीजीपी के मार्गदर्शन में नशे की डिमांड को नियंत्रित करने के लिए जो प्रयास किया जा रहे हैं उसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

इस अवसर पर सीनियर सेकेंडरी मॉडल संस्कृति स्कूल के प्राचार्य राजेश भड़ाना, उद्योगपति सतपाल खांडेवाला, चेयरमैन प्रवीण इलाहाबादी हांसी, वाइस चेयरमैन अनिल बंसल, भाटोल के सरपंच जितेंद्र सरपंच एसोसिएशन के प्रधान, सरपंच प्रतिनिधि सरजीत गांव गढ़ी, सुभाष पार्षद गांव भाटोल, धर्मवीर मजोका वार्ड नंबर 14 एमसी, बिल्लू सिंहमार नारनौद, सुरेंद्र नौफरिया नारनौद, जाट धर्मशाला के प्रधान रणधीर दलाल, श्याम सुंदर सैनी हांसी व स्कूल का स्टाफ सहित छात्र एवं छात्रा मौजूद रहे।

हरियाणा में नर्सिंग ऑफिसर ने वापस ली प्रस्तावित हड़ताल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ.कमल गुप्ता के साथ हुई बैठक के बाद नर्सिंग आफिसर ने एक एवं दो अगस्त को होने वाली हड़ताल व चार अगस्त को करनाल में सीएम आवास के प्रस्तावित घेराव को वापस ले लिया

है। अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हरियाणा नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन ने एक अगस्त से संघर्ष का ऐलान किया था। इसके चलते स्वास्थ्य महानिदेशक जे.एस. पूनिया तथा स्वास्थ्य मंत्री डॉ.कमल गुप्ता के साथ चंडीगढ़ में नर्सिंग ऑफिसर की बैठक हुई। बैठक में एसोसिएशन की राज्य अध्यक्ष विनीता बांगड़, सचिव योगेश शर्मा, संस्थापक सदस्य सुशीला कौशिक, सुदेश मलिक, विकास यादव, मंजू कोचर आदि मौजूद रहे। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष नर्सिंग भत्ता 7200 रुपये करने, नर्सिंग कैडर को ग्रुप बी में शामिल करने समेत कई मांगों पर चर्चा की गई। मंत्री ने नर्सिंग ऑफिसर को उनकी मांगों पर 25 अगस्त तक फैसला लेने का आश्वासन दिया है। इसके चलते नर्सिंग ऑफिसर ने एक व दो अगस्त की हड़ताल व चार अगस्त को सीएम आवास के घेराव का फैसला फिलहाल टाल दिया है।

हिन्दी आंदोलन के सत्याग्रहियों को मिलेगी 20 हजार मासिक पेंशन

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिंदी आंदोलन-1957 के मातृभाषा सत्याग्रहियों के लिए पेंशन को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रतिमाह करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग 161 मातृभाषा सत्याग्रहियों या उनके जीवित पति/पत्नियों को 15,000 रुपये मासिक पेंशन वितरित करता है। प्रस्तावित वृद्धि 20,000 रुपये प्रति माह होने से 96.60 लाख रुपये का अतिरिक्त वार्षिक व्यय होगा, जिससे कुल वार्षिक बजट लगभग 3.86 करोड़ रुपये हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने हाल ही में यह पेंशन बढ़ाने का ऐलान किया था। इसके बाद विभागीय प्रस्ताव को आज मुख्यमंत्री की तरफ से मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

राहुल गांधी को संसद में महाभारत करने की बजाए मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने राहुल गांधी से लोकसभा में महाभारत न करने की अपील करते हुए कहा कि 'उन्हें संसद में विकास के मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए।विज ने आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में महाभारत न करें। राहुल गांधी को हमारी संस्कृति का बिल्कुल ज्ञान नहीं है, कहीं से दो टुकड़े आते है और

लोकसभा में तुक्केबाजी करते है, इन्हें मालूम नहीं महाभारत में क्या हुआ था। उन्होंने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा कि लोकसभा लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है, यहां पर सारे देश ने अपना मत प्रयोग कर अपने प्रतिनिधि चुनकर भेजे है, वहां बैठकर विकास के मुद्दे पर चर्चा कीजिए और लोकसभा में महाभारत न करे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में पेश हुए बजट को चक्रव्यूह बताया। हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ महिला जूनियर कोच द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले पर हरियाणा के पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा कि ये कोर्ट का मामला है और कोर्ट ही सब डिसाइड करेगा।

आदमपुर हलके के हर गांव में विकास कार्यों की झड़ी लगी : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। आदमपुर के विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि पिछले दो वर्षों में क्षेत्र में रिकॉर्ड विकास कार्य हुए हैं। हलके के हर गांव में विकास कार्यों की झड़ी लगी हुई है। विधायक भव्य बिश्नोई मंडी आदमपुर स्थित कार्यालय में हलकावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने मौके पर ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बातचीत करके जनसमस्याएं दूर करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत वे हलके के आधा दर्जन गांवों में लोगों के सुख-दुख में शरीक हुए तथा गांवों में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इसी के साथ पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने भी आदमपुर के कई गांवों में अनेक सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया तथा लोगों के सुख-दुख में शिरकत की।

भव्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में सभी वर्गों के हित सुरक्षित हैं। ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जिस दिन मुख्यमंत्री किसी न किसी वर्ग के हित में कोई न कोई घोषणा करते हैं। उन्होंने कहा कि आदमपुर हलके का चहुंमुखी विकास करवाना ही उनकी

प्राथमिकता है और इस दिशा में वे तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पिछले दो वर्षों में आदमपुर हलके में रिकार्ड स्तर पर विकास कार्य हुए हैं। हलके से जुड़ी लोगों की मांगों का पूरा करने का प्रयास किया है। पूरे आदमपुर हलके में करीब 800 करोड़ रूपए के विकास कार्य चल रहे हैं, जिनमें से ज्यादातर पूरे भी चुके हैं और जो रह गए हैं, उन पर भी कार्य चल रहा है।

भव्य ने कहा कि खाल एवं ढाणियों में बिजली कनेक्शन को लेकर प्रदेश सरकार के नियमों के बावजूद काफी हद तक उन्होंने हलके किसानों के खालों के कार्यों को सिरे चढ़ाया है। ढाणियों में नए बिजली कनेक्शन को लेकर जरूर कुछ परेशानी आ रही है, मगर इस कार्य को भी सिरे चढ़ाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी बहुत ही खुले दिल से आदमपुर सहित संपूर्ण प्रदेश का चहुंमुखी विकास करवाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध में रवि की मौत से सरकार के रोजगार सृजन के वादे और प्रयासों की सच्चाई हुई उजागर : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि कैथल के बेटे रवि को बेरोजगारी के चलते अपने देश को छोड़कर रूस की सेना में नौकरी करनी पड़ी और यूक्रेन युद्ध में जान गंवा दी। हरियाणा व देश के हर हिस्से से लगातार आ रही खबरें सरकार के रोजगार सृजन के वादे व प्रयासों की सच्चाई उजागर कर रही है। कांग्रेस की हरियाणा में सरकार बनने के बाद हम प्राथमिकता से यह सुनिश्चित करेंगे कि रोजगार की तलाश में प्रदेश के किसी भी युवा को देश छोड़कर न जाना पड़े।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि कैथल जिले के मटौर गांव निवासी 22 वर्षीय रवि की रूस में मौत के बाद परिवार शव को लाने के लिए सरकार से गुहार लगा रहा है। दूसरी ओर अभी भी गांव के पांच अन्य युवाओं का पता नहीं लग रहा है। पिछले साल ही इन छह युवाओं को एजेंट ने अच्छी नौकरी का प्रलोभन देकर रूस भेज दिया था। वहां पर सेना में सफाई का काम इन्हें मिला लेकिन बाद में

परिजनों का कहना है कि इन्हें रूस-यूक्रेन युद्ध में झोंक दिया गया। रवि के परिजनों ने भारत सरकार और प्रशासन से उसका शव गांव लाने की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि मार्च के महीने में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान इनमें से एक युवक साहिल के पैर में गोली लगने की सूचना परिजनों को हुई। वहां के एक अस्पताल में जब वह भर्ती था तो गोली लगने का खुलासा मेडिकल रिपोर्ट से हुआ था। परिजनों का कहना था कि साहिल को सामान लोड करने का काम दिया गया था लेकिन कुछ दिन का प्रशिक्षण देने के बाद उसे जबरदस्ती यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उतार दिया। परेशान परिजनों ने सरकार से युवाओं को जल्द से जल्द वापस स्वदेश लाने की गुहार लगाई। राजनीति आरोप-प्रत्यारोप के भी दौर चले लेकिन फिर शांत हो गया। उन्होंने कहा कि इसी साल की फरवरी माह में एक्स (ट्विटर) पर कुछ दिन पहले रूस की सेना की वर्दी पहनकर करनाल के हर्ष ने अपनी वीडियो वायरल कर सरकार से सहायता की अपील की थी। हर्ष ने भी यह आरोप लगाया था कि उसे जबरदस्ती इस जंग में फंसाया है। रवि के अलावा अभी साहिल, बलदेव, राजेंद्र व अन्य दो युवक वहां फंसे हुए हैं। जबकि मार्च माह में रवि ने युद्ध के समय अपनी फोटो और वीडियो भेजी थी। पिछले छह महीने से न तो रवि से कोई बात हो पाई और न ही अन्य किसी युवक से कोई बात हुई। भाई ने अंतिम बाद हुई बातचीत में बताया था कि सेना के लोगों ने उन्हें कहा कि या तो युद्ध को फ्रंट लाइन पर लड़ो नहीं तो उन्हें 10 साल की जेल होगी। उनकी केंद्र और प्रदेश सरकार से मांग है कि उनके भाई का शव भारत लाया जाए। साथ ही वहां फंसे हुए अन्य भारतीय युवाओं को भी बचाया जाए। उधर गांव मटौर निवासी युवक सोनू के अनुसार एक एजेंट ने गांव के एक साथ छह युवकों को रुपयों का लालच देकर युद्ध में धकेला था। उन्होंने कहा कि अगर सरकार युवाओं को यही पर रोजगार देती है तो उन्हें विदेश में जाकर जान जोखिम में डालने की जरूत नहीं हैं। इस प्रकार की वारदातों से सरकार के रोजगार सृजन के वादे व प्रयासों की सच्चाई उजागर कर रही है। कांग्रेस की हरियाणा में सरकार बनने के बाद हम प्राथमिकता से यह सुनिश्चित करेंगे कि रोजगार की तलाश में प्रदेश के किसी भी युवा को देश छोड़कर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए दर दर भटक रहा युवा आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगा।

खेल हब हरियाणा को मिलना चाहिए था ऑलम्पिक की मेजबानी का अधिकार : उदयभान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान का कहना है कि मोदी सरकार हरियाणा के साथ लगातार भेदभाव कर रही है। खेलों के सिरमौर हरियाणा को सरकार ने 'खेलो इंडिया' स्कीम के तहत मात्र 3 प्रतिशत बजट दिया है, जबकि विश्वस्तरीय स्पर्धाओं में नगण्य योगदान रखने वाले राज्यों को 20-20 प्रतिशत बजट मुहैया करवाया गया है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में जबरदस्त प्रदर्शन कर हमेशा तिरंगे का मान बढ़ाया है। देश को ओलंपिक में मिले कुल पदकों में 50 प्रतिशत पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। इस बार भी पेरिस ओलंपिक में भी 117 में से 24 खिलाड़ी हरियाणा के है। देश को इस ऑलंपिक में दो-दो पदक दिलवाने वालीं खिलाड़ी मनु भाकर भी हरियाणा से हैं। हरियाणा ने हमेशा खेलों के क्षेत्र में पूरे देश का मार्गदर्शन किया है। बावजूद इसके मोदी सरकार ने हरियाणा को ओलंपिक की मेजबानी का हक नहीं दिया। चौधरी उदयभान ने कहा कि खेलो इंडिया के बजट का 20 प्रतिशत रुपया और ओलंपिक की मेजबानी में तरजीह गुजरात राज्य को

दी गई। हालांकि इससे कांग्रेस हरियाणा को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन बजट, संसाधनों और अवसरों का बंटवारा न्यायसंगत होना चाहिए। ऐसा करने की बजाए बीजेपी लगातार हरियाणा के साथ भेदभाव कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय बजट में बीजेपी ने गुजरात के भीतर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर 6000 करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही है। लेकिन पूरे बजट में खेलों के हब हरियाणा का कहीं जिक्र तक नहीं है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान हरियाणा में विश्वस्तरीय खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया था। गांव-गांव में खेल स्टेडियम बनाए गए थे और 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति के तहत खिलाड़ियों को डीएसपी जैसे उच्च पदों पर नियुक्तियां दी गई थी। हुड्डा सरकार ने 750+ खिलाड़ियों को नियुक्ति देकर उनका हौसला बढ़ाया था। साथ ही खिलाड़ियों को 5 करोड़ रुपये तक के नकद ईनाम दिए गए थे। देश ही नहीं पूरी दुनिया में कांग्रेस की खेल नीति के चर्चे हुए थे। लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही उस खेल नीति का बंटाधार कर दिया। बावजूद इसके हरियाणा के खिलाड़ी अपनी मेहनत के दम पर लगातार मेडल जीत रहे हैं। हरियाणा से केंद्र में बीजेपी के 3-3 मंत्री हैं। बावजूद इसके वो कभी हरियाणा के खिलाड़ियों को न्यायसंगत बजट व ऑलंपिक की मेजबानी दिलवाने की मांग नहीं करते।

मामूली कहासूनी को लेकर युवक को मारी गोली, पीजीआई में कराया भर्ती

रोहतक। माता दरवाजा के निकट स्कूटी सवार तीन युवकों ने मामूली कहासूनी पर एक युवक को गोली मार दी, जिससे गंभीर हालत में पीजीआई में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और इस बारे में जांच पड़ताल की और घायल के ब्यान दर्ज किये। बताया जा रहा है कि युवक यूपी से अपनी बहन के घर रोहतक आया हुआ था। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन उनके बारे में कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस के अनुसार मथुरा के गांव लाडपुर निवासी सोनू देर रात करीब एक बजे रोहतक पहुंचा था, उसे स्टेशन से लेने के लिए उसका बहनोई व एक अन्य रिस्तेदार पहुंचे। जब तीनों मोटरसाइकिल पर गांव नसीरपुर आ रहे थे तो इसी दौरान जब वह माता दरवाजा पहुंचे तो स्कूटी सवार युवकों के साथ उनकी कहासूनी हो गई। इसी बात पर उनमें से एक युवक ने सोनू को गोली मार दी और तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

ड्रेन के खुले मेन होल में गिरा 13 वर्षीय छात्र, रेस्क्यू अभियान जारी

एजेंसी

सोनीपत । मुरथल रोड पर नगर निगम की लापरवाही के कारण ड्रेन नंबर 6 के खुले मेन होल में मंगलवार को एक 13 वर्षीय बच्चा गिर गया। बच्चे की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीमें अभियान चला रही हैं। घटना की खबरमिलने पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्रीके पूर्व मीडिया सलाहकार और वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन भी मौके पर पहुंचे।

लापता बच्चे के पिता राजू ने बताया कि उनका 13 वर्षीय बेटा विवेक पक्की ड्रेन से गुजरते समय अचानक खुले मेन होल में गिर गया और पानी में डूब गया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्वयं बचाव का प्रयास कियाए लेकिन सफलता नहीं मिली।राजू ने आरोप लगाया कि अगर मेन होल पर ढक्कन लगा होता तो यह हादसा न होता। घटना की जानकारी मिलने पर एनडीआरएफ की टीम और प्रशासन का अमला पहुंच गया है। लापता बच्चे की तलाश जारी है, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार नेता राजीव जैन भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बचाव कार्य की निगरानी की और मामले की जांच करवाने का आश्वासन दिया। दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के कमिश्नर ने भी जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।उल्लेखनीय है कि हाल ही में नगर निगम ने ड्रेन नंबर 6 को पक्का किया था, लेकिन इसके सीवरेज का ढक्कन नहीं लगायागया था।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। एक दिन पहले तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज बुधवार को एक बार फिर गिरावट नजर आ रही है। सोना आज 200 रुपये से 230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में 700 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 69,640 रुपये से लेकर 68,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 63,840 रुपये से लेकर 63,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी का आज 84,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 69,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने

की कीमत 63,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 68,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 69,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 63,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 68,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 69,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 63,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 69,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 68,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 63,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये,

डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 1.14 डॉलर यानी 1.45 फीसदी की उछाल के साथ 79.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.19 डॉलर यानी 1.59 फीसदी की बढ़त के साथ 75.92 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

दालों का उत्पादन और आयात

एजेंसी
नई दिल्ली। अखिल भारतीय स्तर पर दालों का उत्पादन 2015-16 के दौरान 163.23 लाख टन से बढ़कर 2023-24 के दौरान 244.93 लाख टन हो गया है (तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार)।

पिछले 3 वर्षों के दौरान दालों का आयात और निर्यात इस प्रकार है: कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) की समग्र योजना के तहत अधिसूचित तिलहन, दलहन और खोपरा की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) लागू कर रहा है। तुअर, मसूर और उड़द के मामले में, किसानों को घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पीएसएस के तहत वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए वस्तु के वास्तविक उत्पादन के 25 प्रतिशत की खरीद सीमा को हटा दिया गया है। दालों सहित खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाने के लिए, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग 28 राज्यों और 2 केन्द्र शासित प्रदेशों अर्थात जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) लागू कर रहा है तथा मूल हरित क्रांति राज्यों अर्थात हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) लागू किया जा रहा है, ताकि जल गहन धान की फसल के क्षेत्र को वैकल्पिक फसलों जैसे दालों, तिलहन, मोटे अनाज, पोषक अनाज, कपास आदि में बदला जा सके। इसके अलावा, भारत सरकार राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत राज्य विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए राज्यों को लचीलापन भी प्रदान करती है। यह जानकारी केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम

एजेंसी
नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग 2018-19 से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 'नवाचार और कृषि-उद्यमिता विकास' कार्यक्रम लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके नवाचार और कृषि-उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। स्टार्टअप के प्रशिक्षण एवं इनक्यूबेशन और इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 5 नॉलेज पार्टनर्स (केपी) और 24 आरकेवीवाई एग्रीबिजनेस इनक्यूबेटर्स (आर-एबीआई) को नियुक्त किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आइडिया/प्री सीड स्टेज पर 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र में उद्यमियों/स्टार्टअप को अपने उत्पादों, सेवाओं, व्यापार प्लेटफार्मों आदि को बाजार में लॉन्च करने और उन्हें आगे बढ़ने में सुविधा प्रदान करने के लिए शुरुआती स्तर पर 25 लाख रुपये दिए जाएंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित 5 केपी और 24 आर-एबीआई द्वारा स्टार्ट-अप को प्रशिक्षित और इनक्यूबेट किया जाता है। भारत सरकार विभिन्न हितधारकों के साथ जोड़कर कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए कृषि-स्टार्टअप कॉन्क्लेव, कृषि मेले और प्रदर्शनियों, वेबिनार और कार्यशालाओं सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित करती है।

पीएम-किसान के अंतर्गत वित्तीय सहायता

एजेंसी
नई दिल्ली। भूमि-धारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा फरवरी 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। इस योजना के तहत, देश भर के किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये का वित्तीय लाभ तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से स्थानांतरित किया जाता है। पीएम-किसान योजना दुनिया की सबसे बड़ी डीबीटी योजनाओं में से एक है। किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे ने इस योजना का लाभ देश भर के सभी किसानों तक बिना किसी बिचौलियों की भागीदारी के पहुंचाना सुनिश्चित किया है। भारत सरकार ने लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखते हुए अब तक 11 करोड़ से अधिक किसानों को 17 किस्तों में 3.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया है। इस योजना के परिचालन दिशानिर्देशों के अनुसार, योजना के तहत पात्र लाभार्थियों की पहचान और सत्यापन करना राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है। पीएम-किसान पोर्टल पर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त सत्यापित आंकड़ों के आधार पर लाभ को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों को हस्तांतरित किया जाता है।

किसानों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

नई दिल्ली। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने जलवायु अनुकूल कृषि में राष्ट्रीय नवाचार (एनआईसीआरए) नाम से एक प्रमुख नेटवर्क परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का उद्देश्य फसलों, पशुधन, बागवानी और मत्स्य पालन सहित कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करना तथा कृषि में जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों को विकसित और बढ़ावा देना है, जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों की समस्याओं से निपटेंगे। इस परियोजना के परिणाम सूखा, बाढ़, पाला, गर्मी की लहरों आदि जैसी चरम मौसम स्थितियों से ग्रस्त जिलों और क्षेत्रों को ऐसी चरम स्थितियों से निपटने में मदद करेंगे। आईसीएआर की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं- पिछले 10 वर्षों (2014-2024) के दौरान, आईसीएआर ने कुल 2593 किस्में जारी की हैं, इनमें से 2177 किस्में एक या अधिक जैविक और/या अजैविक स्थितियों के प्रति सहनशील पाई गई हैं। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) प्रोटोकॉल के अनुसार, कृषि प्रधान 651 जिलों में जिला स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रति कृषि के जोखिम और संवेदनशीलता का आकलन किया जाता है। कुल 109 जिलों को 'बहुत उच्च' और 201 जिलों को 'अत्यधिक' संवेदनशील जिले के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना सरकार का लक्ष्य : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि साल 2047 तक हम विकसित भारत बनाएंगे। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह विकसित भारत का बजट है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत के लिए है। भौगोलिक विकास के हिसाब से यह बजट तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत सरकार का विजन है। इस इस वित्त वर्ष में 48.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होने जा रहा है। सीतारमण ने सदन को बताया कि सरकार का व्यय तेजी से बढ़ा है, जो 48.21 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में इसमें 7.3 फीसदी और 2023-24 के पूर्व वास्तविक व्यय की तुलना में 8.5 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान है। सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25, विकसित भारत की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बहुत अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि इससे मुझे और भी अधिक मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम सभी को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करना होगा। उन्होंने लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि हम राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक 4.5 फीसदी से नीचे लाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत 11 करोड़ किसानों को 3.24 लाख करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके

हैं। वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय के लिए 21,934 करोड़ रुपये का बजट था, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि बजट 5 गुना बढ़कर 1.23 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें पांच गुना वृद्धि हुई है, जबकि 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने इस वित्त वर्ष में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए केंद्रीय बजट में 17 हजार करोड़ रुपये की पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस की लागत के वित्त पोषण के लिए 12 हजार करोड़ रुपये शामिल हैं। यही वह बोझ है जिसे हम अपने कंधों पर लेना चाहते हैं। लोकसभा में सीतारमण ने कहा कि 2020 से 2023 के बीच भारत की मुद्रास्फीति वैश्विक औसत से बहुत कम थी। कोरोना महामारी (कोविड-19) के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थव्यवस्था की योजना इस तरह बनाई कि हमारी मुद्रास्फीति पर इतना बुरा असर नहीं पड़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले दशक में रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी हुई है, जो 2014 के 34 फीसदी से बढ़कर 2025 में 51 फीसदी हो गयी है। ये युवाओं में स्किलिंग और कौशल विकास के कारण हो सका है। सीतारमण ने सदन को बताया कि इस बार केंद्रीय बजट 2024-25 में कौशल विकास की 5 योजनाओं के पैकेज का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन में बंगाल की हिस्सेदारी 24 फीसदी थी, जबकि आज देश के औद्योगिक उत्पादन में बंगाल की हिस्सेदारी 3.5 फीसदी है। विपक्षी दलों के आरोपों पर वित्त मंत्री ने कहा कि मैं ये साफ कर देना चाहती हूं कि अगर किसी राज्य का बजट में नाम नहीं लिया गया, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि उस राज्य को पैसे जारी नहीं किए गए। विपक्ष को लोगों के बीच ऐसी धारणा नहीं बनानी चाहिए।

विस्तारा ने गैर-उड़ान सेवा के स्थायी कर्मचारियों को की वीआरएस की पेशकश

एजेंसी
नई दिल्ली। विस्तारा ने एयर इंडिया के साथ विलय से पहले उड़ान सेवा के इतर अन्य कार्यों से जुड़े हुए कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के साथ-साथ स्वैच्छिक पृथक्करण योजनाओं (वीएसएस) की

पेशकश की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्तारा ने उड़ान सेवा के इतर नॉन-फ्लाइंग स्थायी कर्मचारियों के लिए वीआरएस और वीएसएस की पेशकश की है। पात्र कर्मचारी 23 अगस्त, 2024 तक इन योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। विस्तारा का वीआरएस योजना उन लोगों के लिए है जिन्होंने एयरलाइन में 5 साल की अपनी सेवा पूरी कर ली है, जबकि वीएसएस उन कर्मचारियों के लिए है जिन्होंने एयरलाइन में अभी पांच साल की सेवा पूरी नहीं की है। ये योजनाएं टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के इस महीने की शुरुआत में पेश की गई योजनाओं के समान हैं। हालांकि, विस्तारा ने इन योजनाओं पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि विस्तारा, टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम है। एयरलाइन में स्थायी तथा अनुबंध सहित 6,500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। विस्तारा ने 2015 में उड़ान भरना शुरू किया था।

भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 5 फीसदी घटी: डब्ल्यूजीसी

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत में सोने की मांग में गिरावट आई है। सोने की मांग में यह गिरावट कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण दर्ज हुई है। अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग पांच फीसदी घटकर 149.7 टन रह गई है। हालांकि, इस दौरान देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 182.3 टन था।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से जारी 'दूसरी तिमाही 2024 सोना मांग रुझान' रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून 2024 तिमाही में सोने की मांग घटकर 149.7 टन रह गई, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 158.1 टन थी। हालांकि, मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 82,530 करोड़ रुपये रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में सोने की कीमतें आसमान छू गईं, जिससे 24 कैरेट सोने के दाम रिकॉर्ड प्रति 10 ग्राम 74,000 रुपये

को पार कर गई। अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अप्रैल-जून तिमाही में सोने की औसत कीमत 2,338.2 अमेरिकी डॉलर रही, जबकि 2023 की इसी अवधि में यह 1,975.9 अमेरिकी डॉलर थी। वहीं, रुपये के संदर्भ में दूसरी तिमाही में सोने की औसत कीमत 62,700.5 रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 52,191.6 रुपये (आयात शुल्क और जीएसटी को छोड़कर) रही थी। 'दूसरी तिमाही 2024 सोना मांग रुझान' रिपोर्ट के मुताबिक सोने की वैश्विक मांग में वृद्धि दर्ज हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में मांग 4.16 फीसदी बढ़कर 1,258.2 टन हो गई। रिपोर्ट के अनुसार 2023 की दूसरी तिमाही में सोना की कुल वैश्विक मांग 1,207.9 टन थी, जो 2024 में बढ़कर 1,258.2 टन हो गई। डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन जैन ने जारी बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की सोने की मांग में एक साल पहले की तुलना में 5 फीसदी की गिरावट आई है, लेकिन आयात करों में कटौती के बाद स्थानीय कीमत में सुधार के कारण 2024 की दूसरी छमाही में खपत में सुधार होने की उम्मीद है।

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,03,057 पेटेंट प्रदान किए हैं

नई दिल्ली। पेटेंट कार्यालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,03,057 पेटेंट प्रदान किए हैं। सरकार द्वारा भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) इकोसिस्टम को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न कदम उठाये गए हैं जिनका विवरण इस प्रकार है:

1. आईटी सक्षम और उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के जरिये आईपी कार्यालयों का आधुनिकीकरण:

पेटेंट कार्यालय के समक्ष दाखिल किए गए सभी दस्तावेज पूरी तरह से डिजिटलीकृत हैं और अंतिम निपटान की कार्यवाही के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप, आवेदकों को पेटेंट और ट्रेडमार्क अनुदान/पंजीकरण प्रमाणपत्र डाउनलोड करने, प्रसंस्करण करने और प्राप्त करने के लिए पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालयों का दौरा करने की आवश्यकता नहीं है।

भारत में चीनी निवेश को समर्थन देने पर पुनर्विचार नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को समर्थन देने पर पुनर्विचार नहीं कर रहा है, जैसा कि हाल में आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी रिपोर्ट है, जो हमेशा नए विचारों के बारे में बोलती है और अपनी सोच बताती है।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने वाणिज्य भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश में चीनी निवेश का समर्थन करने के लिए फिलहाल कोई पुनर्विचार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश में चीनी निवेश का समर्थन करने के बारे में कोई सोच नहीं है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण सरकार के लिए बिल्कुल भी बाध्यकारी नहीं है। गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि देश में चीनी निवेश को समर्थन देने पर फिलहाल कोई पुनर्विचार नहीं किया जा रहा है। दरअसल चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच संसद में 22 जुलाई को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पेश आर्थिक समीक्षा में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और निर्यात बाजार का दोहन करने के लिए पड़ोसी देश चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने की वकालत की गई थी। गोयल ने इसी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 2020 में भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों से एफडीआई के लिए उसकी मंजूरी अनिवार्य कर दी थी। भारत के साथ स्थलीय सीमा लगने वाले देशों में चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान प्रमुख हैं।

भारत को आपूर्ति श्रृंखला परिषद का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और 13 अन्य हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) भागीदारों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन से संबंधित महत्वपूर्ण इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉसपेरिटी (आईपीईएफ) समझौते के तहत तीन आपूर्ति श्रृंखला निकायों की स्थापना की है। आपूर्ति श्रृंखला परिषद (एससीसी), संकट प्रतिक्रिया नेटवर्क (सीआरएन) और श्रम अधिकार सलाहकार बोर्ड (एलआरएबी) की उद्घाटन वर्चुअल बैठकों के आयोजन से आपूर्ति श्रृंखला में लचीलेपन को सुदृढ़ करने के लिए भागीदार देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के साथ आगे बढ़े हैं।

इन आयोजित उद्घाटन बैठकों के माध्यम से, 14 आईपीईएफ भागीदारों ने महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं का लचीलापन, प्रतिस्पर्धा और श्रम अधिकारों को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि के लिए जोखिम पैदा करने वाले आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों से निपटने के लिए बेहतर तैयारी और प्रतिक्रियात्मक रूप से सहयोग की सुविधा के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं और सामूहिक संकल्प की पुष्टि की।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सर्वप्रथम आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन समझौते पर अन्य आईपीईएफ भागीदार देशों के मंत्रियों के साथ नवंबर 2023 में वाशिंगटन डीसी में हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला, मजबूत और अच्छी तरह से एकीकृत बनाना तथा समग्र रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के आर्थिक विकास और प्रगति में योगदान देना है। इस समझौते की पुष्टि फरवरी 2024 में की गई थी और यह तभी से लागू है। इससे पूर्व भी श्री गोयल ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत की वैश्विक उत्पादन क्षमताओं के बारे में बताया है, जो आईपीईएफ भागीदारों के लिए आपूर्ति विविधीकरण के अवसर प्रदान करते हैं। इससे पूर्व, जून 2024 में सिंगापुर में आयोजित आईपीईएफ मंत्रिस्तरीय बैठक में वाणिज्य विभाग के सचिव सुनील बर्थवाल ने इस पर प्रकाश डाला कि भारत अपनी कौशलयुक्त जनशक्ति, प्राकृतिक संसाधनों और नीतिगत समर्थन के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख भागीदार बनने का लक्ष्य रखता है। सरकार की पहल समाधान और विविध एवं पूर्वानुमानित आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

आपूर्ति श्रृंखला समझौते के अनुसार, आईपीईएफ भागीदारों ने तीन आपूर्ति श्रृंखला निकायों की स्थापना की - एक आपूर्ति श्रृंखला परिषद, जो राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक कल्याण के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों और वस्तुओं के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए लक्ष्य प्राप्ति हेतु कार्रवाई-उन्मुख कार्य करेगी; एक संकट प्रतिक्रिया नेटवर्क, जो सामूहिक आपातकालीन व्यवधानों के लिए प्रतिक्रिया स्वरूप एक मंच प्रदान करेगा; और एक श्रम अधिकार सलाहकार बोर्ड, जो क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में श्रम अधिकारों और कार्यबल विकास को बल प्रदान करने के लिए श्रमिकों, नियोक्ताओं और सरकारों को एक दिशा में लेकर आता है। भारत ने एक लचीले आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क के महत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक कल्याण के दृष्टिकोण से इसके लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर हितधारकों के साथ चल रहे परामर्श पर अपने विचार साझा किए। भारत ने कौशल विकास क्षेत्र में सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस बात पर जोर दिया गया कि हमारी अर्थव्यवस्थाओं में अंतराल की पहचान करना और सही कौशल सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी, जिसमें एक लचीले आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कार्यबल विकास और डिजिटलीकरण के लिए तकनीकी सहायता शामिल है।

ठकों के दौरान, तीनों आपूर्ति श्रृंखला निकायों में से प्रत्येक ने एक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव किया, जो दो वर्ष की अवधि के लिए कार्य करेंगे।

निर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष हैं:

आपूर्ति श्रृंखला परिषद: अमेरिका (अध्यक्ष) और भारत (उपाध्यक्ष)

संकट प्रतिक्रिया नेटवर्क: कोरिया गणराज्य (अध्यक्ष) और जापान (उपाध्यक्ष)

श्रम अधिकार सलाहकार बोर्ड: संयुक्त राज्य अमेरिका (अध्यक्ष) और फिजी (उपाध्यक्ष)।

एईआरबी ने 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की 'फर्स्ट एप्रोच टू क्रिटिकेलेटी' को अनुमति दी

एजेंसी
नई दिल्ली। परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड (एईआरबी) ने तमिलनाडु के कलपक्कम में 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के फर्स्ट अप्रोच टू क्रिटिकलिटी को आधिकारिक तौर पर अनुमति दे दी है, जो भारत का पहला स्वदेशी पीएफबीआर है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में रिएक्टर कोर में ईंधन भरना और लो पावर फिजिक्स एक्सपेरिमेंट्स की शुरुआत शामिल है। यह मंजूरी समीक्षा प्रक्रिया के बाद मिली है, जिसमें चरणबद्ध कोर लोडिंग कार्य शामिल है। इस साल की शुरुआत में, कोर लोडिंग की शुरुआत कंट्रोल सब-असेंबली और ब्लैंकेट सब-असेंबली को जोड़ने से हुई, जो सभी एईआरबी की सख्त निगरानी में

किए गए। एईआरबी ने एक विस्तृत बहु-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा की है, जिसके साथ नियमित निरीक्षण और निवासी साइट पर्यवेक्षक टीम द्वारा निरीक्षण भी किया जाता है। विस्तृत सुरक्षा प्रस्तुतियों, समीक्षा परिणामों और साइट के दौरे के व्यापक मूल्यांकन के बाद, बोर्ड ने व्यवस्थित विनियामक निरीक्षण की पुष्टि की है और आवश्यक अनुमतियां प्रदान की हैं। आगामी अंतिम चरण में, रिएक्टर कोर में ईंधन उप-संयोजनों को पेश किया जाएगा। एक बार जब एक स्थायी परमाणु विखंडन श्रृंखला प्रतिक्रिया प्राप्त हो जाती है, जो रिएक्टर के महत्व बताती है, तो रिएक्टर के व्यवहार का आगे आकलन करने और समझने के लिए कम शक्ति के भौतिकी प्रयोगों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

यह प्राधिकरण भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के एक प्रमुख पड़ाव पीएफबीआर के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) द्वारा कमीशन किया गया 500 मेगावाट सोडियम-कूल्ड प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर देश की परमाणु ऊर्जा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पीएम-किसान योजना का क्रियान्वयन

नई दिल्ली। पीएम- किसान योजना एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने भूमिधारी किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये फरवरी 2019 में शुरू किया था। इस योजना के तहत 6,000/- रुपये का वार्षिक वित्तीय लाभ तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) माध्यम से देशभर के किसान परिवारों के बैंक खातों में हस्तांतरित किया जाता है। पीएम-किसान योजना दुनिया की सबसे बड़ी डीबीटी योजनाओं में से एक है। एक किसान-केन्द्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे के जरिये यह सुनिश्चित किया जाता है कि किसी बिचौलिये को शामिल किये बिना, योजना का लाभ देशभर के सभी किसानों तक सीधे पहुंचे।

सिर्फ झगड़ा और तालमेल की कमी ही नहीं, बदबू भी बन सकती है अच्छे-भले रिश्ते में खटास की वजह

इंटीमेसी रिलेशनशिप में प्यार को बढ़ाने और उसे मजबूत बनाने का काम करती है लेकिन अगर आपके शरीर से पसीने या मुंह और पैरों से गंदी बदबू आती है तो इसका असर आपकी रिलेशनशिप पर भी पड़ सकता है। बदबू के चलते धीरे- धीरे रिलेशनशिप से इंटीमेट पल गायब होने लगते हैं और फिर रिश्ते में बोरियत जगह ले लेती है।

शरीर से आने वाली भीनी-भीनी खुशबू नजदीकियां बढ़ाने का काम करती है, तो वहीं किसी भी तरह की बदबू इन नजदीकियों को दूरियों में बदलने का काम करती है। बॉडी ओडर फिजिकल इंटीमेसी को बढ़ाने का भी काम सकते हैं और घटाने का भी। सेक्सुअल सेटिस्फेक्शन में बॉडी ओडर बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। खुशबू न सिर्फ हमारे मूड को बेहतर बनाने का काम करती है, बल्कि इसका कनेक्शन हमारी मेमोरी से भी है। पार्टनर की खुशबू साथ बिताए गए खूबसूरत लम्हों की याद दिलाती है। अब तक तो आप समझ ही गए होंगे रिलेशनशिप में खुशबू का रोल। इसलिए इस पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

हाइजीन की कमी शरीर से आने वाली बदबू की सबसे बड़ी वजह होती है। इसके अलावा हार्मोन्स में होने वाले बदलावों के चलते भी शरीर से बदबू आ सकती है। आज हम ऐसे ही कुछ ओडर की बात करेंगे, जो आम हैं, लेकिन इन्हें इग्नोर करने की गलती बिल्कुल भी न करें।

रिलेशनशिप खराब कर सकती हैं ये बदबू

मुंह से आने वाली बदबू

मुंह से आने वाली बदबू को चाहकर भी इग्नोर नहीं किया जा सकता। ये बदबू पर्सनल ही नहीं, प्रोफेशनल लाइफ में भी शर्मिंदगी की वजह बन सकती है। पायरिया मुंह से आने वाली बदबू की एक वजह हो सकता है, लेकिन आमतौर पर साफ-सफाई की कमी से ये प्रॉब्लम होती है। किस रोमांस का फर्स्ट स्टेप होता है और सांसों की बदबू पार्टनर का मूड खराब कर सकती है।

पैरों से आने वाली बदबू

कुछ लोगों के पैरों से अजीब सी बदबू आती है। अगर वो जूते निकालकर कहीं बैठ जाएं, तो आसपास के लोगों का जीना मुहाल हो जाता है। इंटीमेट के पलों में पैरों से आने वाली बदबू चाहकर भी आप दोनों को करीब नहीं ला पाती और धीरे-धीरे रिलेशनशिप में रोमांस गायब होने लगता है।

बगल से आने वाली बदबू

कुछ-कुछ लोगों से पसीने की ऐसी गंदी बदबू आती है कि उनसे पास बैठना दूभर हो जाता है। अगर आपके पसीने से भी बहुत ज्यादा बदबू आती है, तो ये आपके रिलेशनशिप से उन खास पलों को छीन सकता है। नियमित तौर पर नहाना, डिओडरेंट या परफ्यूम्स का इस्तेमाल करने से बदबू को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।

बालों से आने वाली बदबू

गर्मी, पसीने के चलते स्किन के साथ बाल भी चिपचिपे हो सकते हैं और नियमित तौर पर बालों की सफाई न करने से एक अजीब तरह की दुर्गंध आने लगती है। ये बदबू पार्टनर को आपके करीब आने से रोकती है।

प्राइवेट पार्ट्स से आने वाली बदबू

इसकी दुर्गंध को झेल पाना बहुत ही मुश्किल है और इससे चलते पार्टनर इंटीमेट पलों के बारे में सोच ही नहीं पाता। इसकी भी सबसे बड़ी वजह हाइजीन की कमी है। शरीर के साथ-साथ इस हिस्से की भी साफ-सफाई बहुत जरूरी है। इसके अलावा अंडरगार्मेंट्स को भी साफ रखें और कॉटन फैब्रिक्स वाले अंडरगार्मेंट्स चुनें। जो बदबू को कंट्रोल करने में काफी मददगार होते हैं।

गंगा के उपासक जीडी : अविरलता के लिए आत्मोत्सर्ग

प्रो. जीडी अग्रवाल को पर्यावरण व गंगा के विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिक संबंधों की गहराई और पर्यावरणीय प्रवाह की जितनी समझ थी, उतनी आज किसी की नहीं है। वे प्राकृतिक मूल्यों को भारतीय आस्था और पर्यावरणीय रक्षा का आधारभूत विज्ञान मानते थे। उनका जीवन, सामाजिक संस्कार, भारतीय आस्था, पर्यावरणीय रक्षा के आधार की गहरी समझ व शक्ति थी।प्राकृतिक मूल्यों को सर्वोपरि मानने वाले ऋषि और गंगा की अविरलता बनाए रखने की खातिर 111 दिन के उपवास के बाद प्राण त्यागने वाले प्रोफेसर जीडी यानि गुरुदास अग्रवाल उर्फ स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद का स्मरण मुझे हर क्षण बना ही रहता है। मैंने जब उनसे %तरुण भारत संघ% के संचालक मंडल का सदस्य बनने के लिए कहा तो उसका विधान पढ़कर वे बोले - मैं तुम्हारा सदस्य नहीं बन सकता, क्योंकि यह विधान तो मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि मानकर बनाया गया है। मैं तो प्रकृति को सर्वोपरि मानता हूं। वे बोले- मैं तो मानव को प्रकृति का एक मामूली-सा अंग मानता हूं; इसलिए मानव मेरे लिए सर्वोपरि नहीं हो सकता।

स्वामी सानंद अपने मित्र और वकील महेशचन्द्र मेहता के साथ जुलाई 2007 में गंगोत्री जाते समय %लोहारी-नागपाला परियोजना% द्वारा गंगा को गायब होते देखकर बहुत दुखी हुए थे। उसी समय उन्होंने गंगा का नए तरीके से चिंतन आरंभ किया था। इन्हीं दिनों वे राजस्थान की छोटी, सूखी नदी अरवरी को कल-कल बहते देखकर गए थे। उन्हें लगा जब छोटी नदी दुबारा बह सकती है, तो गंगा को भी शुद्ध-सदानीरा बना सकते हैं। उन्होंने गंगा का शुद्ध-सदानीरा बनाना ही अपने जीवन का एक मात्र लक्ष्य बना लिया।उन्होंने वर्ष 2007 के अंत में कहा कि अभी तक तो मैं छोटे-छोटे बांधों को बड़े बांधों का विकल्प मानकर बनवाने का काम प्रायश्चित के तौर पर कर रहा था, लेकिन प्रायश्चित के लिए 20 वर्ष बहुत हैं। अब मैं बड़े बांधों को तुड़वाने, रुकवाने व आगे नहीं बनने देने के काम में लगूंगा। गंगा को अब सघन चिकित्सा की आवश्यकता है। चिकित्सा मैं कर सकता हूं, लेकिन सरकार मेरी चिकित्सा को नहीं मानेगी। वह तो गंगा माई से भी कमाई करना चाहती है।मैं सबसे पहले गंगा से कमाई के सभी रास्ते बंद करूंगा। मां गंगा मेरी आस्था की माई हैं। उनसे मैं स्वयं कोई कमाई नहीं करूंगा, किसी को करने भी नहीं दूंगा। यह बात सरकार मेरे बारे में जानती है, इसलिए वह मुझे गंगा के काम में अपने साथ नहीं जोड़ेगी, न ही मुझे काम करने देगी। मेरा सरकारों के साथ काम करने का लम्बा अनुभव है। मैं अच्छे से जानता हूं कि सरकार का विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियान्त्रिकी की प्रज्ञा से या संवेदना-समझदारी से कोई रिश्ता नहीं होता।मैं अपनी मां गंगा की खातिर उसकी अविरलता हेतु सत्याग्रह करूंगा। मां गंगा को निर्मल बनाने का काम तो कमाई का धंधा है। उस धंधे को करने वालों की सरकार के पास बहुत बड़ी भीड़ मौजूद है। वे तो उसी धंधे के नाम पर मां का सभी कुछ लूट रहे हैं। वे लूटते रहें, उन्हें रोकने वाली ताकत भी एक दिन खड़ी होगी। इस अविरलता के काम को पूरा करके हम बाद में भ्रष्टाचार को रोकने में भी लगेंगे।जीडी अग्रवाल का कहना था कि जो कुम्भ कभी सत्य की खोज के लिए शुरू हुआ था, वही कुम्भ अब गंगा की पवित्रता, निर्मलता, अविरलता पर विचार नहीं करके उसे और अधिक गंदा ही करता है। गंगा जी जब तक स्वस्थ होवें, अपने गंगत्व की विशिष्टता को पुन~ प्राप्त करें, तब तक गंगा किनारे कुम्भ आयोजित करने पर रोक लग जानी चाहिए। यह बात कोई सच्चा आस्थावान भारतीय ऋषि ही बोल सकता है। ये बात वे बड़ी नम्रता से मुझसे कई बार बोले थे। कुम्भ पर रोक लग जायेगी तो समाज गंगा का गंगत्व बचाने में जुट जायेगा।जीडी अग्रवाल ने अमेरिका के बर्कले विश्वविद्यालय के इतिहास में सबसे कम समय में अपनी पीएचडी की थी। आईआईटी-कानपुर में 17 साल पढ़ाने के बाद 1979 में वे %केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल% के पहले सदस्य-सचिव बने। सरकार में अपनी ईमानदारी के कारण वे कभी भी किसी के चहेते नहीं रहे। उनका गुरुत्व सरकार को बहुत भारी होता था। आज की सरकार ने तो उन्हें खा ही लिया। इसको प्रो. जीडी अग्रवाल का जाना कभी-न-कभी बहुत भारी पड़ेगा।प्रो. जीडी अग्रवाल को पर्यावरण व गंगा के विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिक संबंधों की गहराई और पर्यावरणीय प्रवाह की जितनी समझ थी, उतनी आज किसी की नहीं है। वे प्राकृतिक मूल्यों को भारतीय आस्था और पर्यावरणीय रक्षा का आधारभूत विज्ञान मानते थे। उनका जीवन, सामाजिक संस्कार, भारतीय आस्था, पर्यावरणीय रक्षा के आधार की गहरी समझ व शक्ति थी।उनके अंदर असाधारण ठहराव था। %मातृसदन, हरिद्वार% में चिमटा गाड़ दिया था। अंत तक वहीं उनका चिमटा गड़ा रहा, वे वहीं गंगा में रम गए। वहीं पर वे सबसे मिलते थे। बाबा रामदेव हों या उनके गुरू स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, सभी से वे बहुत बार मिलते थे। स्वामी शिवानंद सरस्वती के प्रति उनका बहुत विश्वास था। उनकी बुराई करने वाले बहुत लोग उनके पास पहुंचते थे, उन्हें भी वे अच्छे से सुनते थे।उनके कई अधूरे काम हैं। 10 अक्टूबर 2018 को %गंगा पर्यावरणीय प्रवाह% भारत सरकार ने प्रकाशित कर दिया था। वह आज भी गंगा या भारत की किसी भी दूसरी नदी में कहीं भी प्रभावी रूप में लागू नहीं है। स्वामी सानंद को यह दस्तावेज गंगा में स्वीकार नहीं था, फिर भी जो है वह भी लागू नहीं है। केवल यह प्रकाशित कराके भारत सरकार ने प्रस्तुत कर दिया है। गंगा मंत्री नितिन गडकरी ने %गंगा संरक्षण प्रबंधन प्रारूप% का दिसम्बर 2018 तक गजट-नोटिफिकेशन करने और कानून बनाने का %गांधी शांति प्रतिष्ठान% की बैठक में पहुंचकर वायदा किया था।%गंगा संरक्षण प्रबंधन अधिनियम% को दिये हुए 9 वर्ष बीत गए हैं। स्वामी सानंद ने वर्ष 2012 में ही पहला प्रारूप पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दिया था। फिर 2014 में उमा भारती को भी दिया। इन्होंने उस पर एक और सरकारी प्रारूप तैयार कराया था। 2018 में वह भी तैयार हो गया था। उस प्रारूप के विरोधाभास पर हमने दिल्ली में चर्चा कराई थी। उसमें भी गडकरी जी ने आकर स्वामी सानंद को लिखित में वायदा दिया था। उसके बाद बनारस, इलाहाबाद, कानपुर में चर्चा भी कराई थी।सरकार ने अब यह कानून ठंडे बस्ते में रख दिया है,

क्योंकि सरकार काशी में चबूतरा और जल वाहक प्लेटफार्म बनाने में लगी हुई है। कानून के काम को स्वयं मंत्री नितिन गडकरी ने ही रुकवा दिया। उन्हें गंगा जी पर ही चार धाम रोड बनाना था। इस कानून को लागू होने से तो गंगा जी को संरक्षण मिलना था। गंगा में विकास के नाम पर विनाश कार्य रोकने वाला %गंगा संरक्षण प्रबंधन कानून% का प्रारूप अब तो सरकारी तौर पर भी तैयार है, लेकिन इसे संसद में प्रस्तुत नहीं किया गया है। कानून बन जाये तो मां की चिकित्सा ठीक से आरंभ हो सकती है। सानंद जी अपनी मां को स्वस्थ्य नहीं देख पाये। सानंद जी को देखने वाले गंगा मां को स्वस्थ्य देख पायें, ऐसी उम्मीद है।

संपादकीय

राहुल के सामने भाजपा सरकार पस्त

सोमवार को लोकसभा में केन्द्रीय बजट पर अपना पक्ष रखते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के सामने न केवल भारतीय जनता पार्टी सरकार को बेनकाब कर दिया वरन यह भी बतला दिया कि किस प्रकार से जनता को एक चक्रव्यूह में फंसाया गया है। वैसे उन्होंने दावा किया कि प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया उस चक्रव्यूह को तोड़ देगा। किसान, मजदूर, छात्र, मध्यमवर्ग और इन सबके साथ वे पत्रकार जिन्हें संसद में एक कमरे में कैद करके रिपोर्टिंग करने कहा जा रहा है, उन सबके लिए राहुल ने आज सदन में आवाज़ उठाई।राहुल ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि महाभारत में उल्लिखित चक्रव्यूह का आकार कमल की तरह होता है जो भाजपा का निशान है। जैसे ही उन्होंने बतलाना शुरू किया कि जिस प्रकार से महाभारत में वर्णित चक्रव्यूह के केन्द्र में छह लोग (द्रोणाचार्य, कर्ण, अश्वत्थामा, कृपाचार्य, कृतवर्मा और शकुनी) थे, वैसे ही भाजपायी चक्रव्यूह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, अदानी, अंबानी, मोहन भागवत हैं, छठे का नाम लेने के पहले ही सदन में कोहराम मच गया। स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें ऐसे किसी व्यक्ति का नाम लेने से मना किया जो सदन का सदस्य नहीं है। राहुल ने एक तरफ से उन्हें ही फंसाते हुए पूछ लिया कि उनके (अदानी-अंबानी) लिये वे %आखिर क्या कहकर संकेत करें कि लोग समझ जायें कि किसके बारे में कहा जा रहा है।% उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें %नंबर 3% और %नंबर 4% कह सकते हैं या फिर ए 1 और ए 2 कहें।

संसदीय मंत्री किरण रिजिजू ने जब उनसे संसदीय मर्यादा का पालन करने को कहा तो राहुल ने उन पर तंज कसा कि %मंत्री को ऊपर से आदेश है कि उनकी (अदानी-अंबानी) की रक्षा की जाये।% बिरला हमेशा की तरह सरकार के पक्ष में खड़े दिखलाई दिये। अध्यक्ष बार-बार कहते रहे कि वे विपक्ष के नेता से उम्मीद करते हैं कि वे संसद के नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने कई बार यह भी बतलाया कि स्वयं सदन में कांग्रेस संसदीय दल के उप नेता ने यह आग्रह किया है कि ऐसे लोगों का नाम न लिया जाये जो कि सदन के सदस्य नहीं हैं। वैसे एक बार और अदानी-अंबानी के नाम लेकर राहुल ने माफी तो मांग ली परन्तु माना जाता है कि ऐसा उन्होंने रणनीति के तहत किया।

अपनी चक्रव्यूह वाली बात को आगे बढ़ाते हुए राहुल ने कहा कि नोटबन्दी, जीएसटी, तीन कृषि कानून, अग्निपथ जैसी योजनाओं के जरिये लोगों को चक्रव्यूह में फंसाया गया है। वैसे उन्होंने भरोसा जताया कि इंडिया के पास इस चक्रव्यूह को तोड़ने के उपाय हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा), किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और जातिगत जनगणना के जरिये जनता को फंसाये गये चक्रव्यूह को काटा जायेगा। ये दोनों बातें कांग्रेस के घोषणापत्र में भी थीं, लेकिन राहुल ने सदन के भीतर इनका ऐलान करके बता दिया कि ये बातें महज चुनावी नहीं हैं, राहुल इनके जरिए न्याय की एक नयी नींव देश में रखने की तैयारी में हैं।राहुल ने कहा कि वर्तमान में बजट का पूरा लाभ मुठ्ठी भर लोगों को मिल रहा है। उन्होंने इसका कारण यह बतलाया कि गिने-चुने लोगों द्वारा बजट तैयार किया जाता है जिनमें कोई भी आदिवासी नहीं होता और न ही कोई दलित या पिछड़ा वर्ग का अधिकारी। उन्होंने साफ कहा कि जब तक ऐसा होगा समाज के निचले वर्गों को इस बजट का कोई फायदा नहीं होगा। राहुल गांधी ने वह तस्वीर दिखलानी चाही जिसमें वे अधिकारी थे जिन्होंने बजट तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई भी अधिकारी वंचित समाज का नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष की नामंजूरी के पहले ही वे इस चित्र को दिखाने में कामयाब रहे। इस पर काफी शोर-शराबा तो हुआ लेकिन राहुल का उद्देश्य पूरा हो चुका था। हताश विपक्ष ने राहुल को उनके द्वारा हिन्दू धर्म का उल्लेख करने के वक्त भी शोर मचाकर उन्हें फंसाने की कोशिश की परन्तु नाकामयाब रहे। सत्ता दल के सदस्य फिर से एक बार इस बात का प्रयास करते नज़र आये कि वे इस बात को मुद्दा बना सकें कि राहुल हिन्दू धर्म का अपमान कर रहे हैं पर वे इसमें बिलकुल ही कामयाब नहीं हुए।वैसे तो इनमें से अनेक ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें राहुल लगातार सदन के भीतर व बाहर उठा रहे हैं परन्तु सोमवार का उनका भाषण बजट पर चर्चा के दौरान होने से उसका अतिरिक्त महत्व है।

चोरी की जीत के सिकंदर

अपने तमाम सवालों के संदर्भ में वाईएफडी ने सभी संदेहों तथा आरोपों की %स्वायत्त निगरानी में एक स्वतंत्र जांच% की मांग की है, जिस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। बहरहाल, फिलहाल इस तरह की जांच की ज्यादा संभावना भले ही नहीं लगे, वाईएफडी की रिपोर्ट ने चुनाव आयोग की भूमिका और निष्पक्षता से जुड़े उन सभी सवालों को नये सिरे से उठा दिया है, जो इस आम चुनाव के दौरान लगातार उठते रहे थे।बेशक, 4 जून की मतगणना के बाद, नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बावजूद, इस चुनाव के जनादेश की प्रकृति पर और संघ-भाजपा के जीत के दावों पर, गंभीर सवाल उठे हैं और अब तक बने हुए हैं। ये सभी सवाल, जो संघ-भाजपा के %जो जीता वही सिकंदर% के तर्क पर टिके जीत के दावों को प्रश्नांकित करते हैं, इस कथित जीत पर मुख्यत~ दो पहलुओं से सवाल उठाते हैं। पहला, यह कथित जीत किन परिस्थितियों में और किस तरह हासिल की गयी है और इसलिए क्या इसे वाकई जीत माना जा सकता है? इस पहलू से उठे सबसे महत्वपूर्ण सवाल इस चुनाव की प्रकृति और चुनाव आयोग द्वारा चुनाव के संचालन से संबंधित थे। यह बलपूर्वक दर्ज किया गया था कि ये चुनाव व्यवहार में, पूरी तरह से गैर-बराबरी के मैदान में हो रहे थे, जहां सत्ता पक्ष को पहले ही हर प्रकार से बढ़त हासिल थी, जबकि विपक्ष को हाथ पीठ के पीछे बांधकर लड़ा पड़ रहा था।मोदी राज के दस साल में, चुनावी बांड समेत विभिन्न तरीकों से आर्थिक संसाधनों के अनुपातहीन तरीके से सत्ताधारी दल के पक्ष में और विपक्ष के खिलाफ मोड़े जाने ने और इजारेदारों के द्वारा पैसा लगाए जाने की इसी प्रक्रिया के हिस्से के तौर पर, मीडिया में सत्ताधारी दल के लगभग पूर्ण बोलबाले ने, चुनावी मुकाबले को जितना असमानतापूर्ण बना दिया था, वह किसी भी वस्तुगत टीकाकार से छिपा नहीं था। इसके ऊपर से सत्ता के अधिक से अधिक तानाशाहीपूर्ण होते आचरण ने, इस ऊंचे-नीचे मैदान को जिस तरह किसी वास्तविक मुकाबले के लिए और भी अनुपयुक्त बनाया था, वह भी किसी से छुपा हुआ नहीं था। केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर, चुनाव की पूर्व-संध्या में दो-दो मुख्यमंत्रियों को, जो अपनी-अपनी पार्टियों के शीर्ष नेता भी हैं, जेल में बंद कराए जाने से लेकर, विरोधी राजनीतिक पार्टियों के खाते जाम कराए जाने तक, इस चुनाव के ऐन पहले तथा चुनाव के दौरान हुई अभूतपूर्व ज्यादतियों को भी, सभी ने कम से कम दर्ज जरूर किया था।

कोढ़ में खाज यह कि चुनाव आयोग ने, जिसके ऊपर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी थी, मुकाबले के मैदान को पूरी तरह से ऊबड़-खाबड़ तथा वास्तव में अखेल्य बनाने वाली, इन तमाम स्थितियों को न सिर्फ प्रदत्त या सामान्य मानकर स्वीकार कर लिया था बल्कि खुद भी अपनी करनियों और अकरनियों से, मुकाबले को और एकतरफा बनाने में सक्रिय रूप से योग दिया था। खुद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, सत्ताधारी दल द्वारा अपने अल्पसंख्यकविरोधी सांप्रदायिक रुख के अनुरूप, खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक प्रचार किए जाने को, देश के चुनाव कानून तथा आदर्श चुनाव संहिता के तहत स्पष्ट मनाही के बावजूद, जिस तरह चुनाव आयोग ने चलने दिया था और हर तरफ से शिकायतें आने के बावजूद, अंत-अंत तक कोई कार्रवाई नहीं की थी, उसे भी सभी ने दर्ज किया था।दुर्भाग्य से चुनाव आयोग का यह पक्षपात, सत्तापक्ष के अतिक्रमणों के बचाव तक ही सीमित नहीं रहा था। यह पक्षपात खुद उसके सत्तापक्ष के सांप्रदायिक रुख के रंग में रंगने तक भी जाता था और इसके चलते, चुनाव से पहले अनेक स्थानों पर बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों के नाम मतदाता सूचियों से काटे जाने से लेकर, मतदान के दौरान कई चुनाव क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों तथा अन्य कमजोर तबके के लोगों को मताधिकार से वंचित किए जाने तक की शिकायतें सप्रमाण सामने आयीं, जिन्होंने चुनाव की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े कर दिए। दुर्भाग्य से चुनाव आयोग इतने पर भी नहीं रुका। चुनाव के दौरान उसने चरणवार मतदान के पूरे आंकड़े देने में अनुचित देरी लगाई और सुप्रीम कोर्ट तक विवाद पहुंचने के बाद जब देरी से अंतिम आंकड़े जारी भी किए, मतदान के दिन ही देर शाम को जारी मतदान के कच्चे आंकड़ों और अंतिम आंकड़ों में संदेहास्पद तरीके से भारी और असामान्य अंतर था।दूसरा पहलू खुद उस जनादेश का था, जो 4 जून को हुई मतगणना में निकल कर सामने आया था। बेशक, इस मतगणना से निकला नतीजा ही था कि नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन, इसी मतगणना से दूसरे उल्लेखनीय नतीजे भी निकले थे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण नतीजा तो यही था कि सत्ताधारी भाजपा, पिछले दो चुनावों के विपरीत, बहुमत से काफी पीछे, 240 के आंकड़े पर ही अटक गयी थी और इसके चलते अपने गठबंधन के सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर ही, बहुमत का आंकड़ा पार कर पाई थी। इस तरह, इस चुनाव का जनादेश, सत्ताधारी भाजपा को सत्ता से दूर रखे जाने और सहयोगी पार्टियों के सहारे ही सरकार बनाने दिए जाने का जनादेश था। चार सौ पार के नारे और मोदी के चेहरे तथा मोदी की गारंटी के हथियार के सहारे चुनाव मुकाबले में उतरी, सत्ताधारी भाजपा और उसके सुप्रीमो के अपराजेयता के अहंकार के टूटने का जनादेश था। यह सत्ताधारी पार्टी की राजनीतिक व नैतिक हार का जनादेश था।

फिर भी, इस चुनाव नतीजे के फलस्वरूप एक बार फिर मोदी के नेतृत्व में, बेशक एनडीए की सरकार का बनना, स्वयंसिद्ध मान लिया गया था। कम से कम इस चुनाव नतीजे पर छुट-पुट सवालों के सिवा कोई बड़ा सवाल नहीं था कि भाजपा-240 तथा एनडीए 292 और इंडिया 232। लेकिन अब, महाराष्ट्र के एक प्रतिष्ठित नागरिक अधिकार मंच, वोट फॉर डैमोक्रेसी (वाइएफडी) ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी कर, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने से आगे जाकर, चुनाव नतीजे की इन संख्याओं पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं और पूछा है कि एनडीए की कथित जीत भी कहीं चोरी की जीत तो नहीं है!

वाईएफडी की रिपोर्ट में मतदान के सभी चरणों में मतदान की शाम को जारी मत प्रतिशत के आंकड़ों और मतदान के अंतिम आंकड़ों में भारी और असामान्य अंतर की विशेष रूप से गहराई से छानबीन की गयी है। रिपोर्ट रेखांकित करती है कि मतदान के फौरन बाद जारी आंकड़ों और अंतिम आंकड़ों में लगभग 5 करोड़ (एकदम सटीक संख्या 4,65,46,885) वोट का अंतर है। रिपोर्ट रेखांकित करती है कि इससे पहले के चुनावों में मतदान की शाम जारी किए जाने वाले कच्चे मतदान अनुमान और मतदान की अंतिम गणना के बीच 1 फीसद से ज्यादा वृद्धि कभी दर्ज नहीं की गयी थी। लेकिन, 18वीं लोकसभा के चुनाव के सभी सात चरणों में यह अंतर 3.2 से 6.32 फीसद के बीच रहा है, जो पूरी तरह से असामान्य है। रिपोर्ट बताती है कि यह अंतर %आंध्र प्रदेश में 12.54 फीसद और ओडिशा में 12.48 फीसद% रहा है, जबकि कुल मिलाकर इस अंतर का औसत 4.72 फीसद बैठता है।वाईएफडी की रिपोर्ट की इस टिप्पणी से शायद ही कोई असहमत होगा कि %ईसीआई ने अब तक इस बढ़ोतरी के पीछे कोई विश्वसनीय कारण नहीं बताया है।% याद रहे कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान भी, विवाद के सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे तक पहुंचने के बाद, जब चुनाव आयोग ने देरी से ही सही अंतिम आंकड़े जारी करना शुरू किया था, उसी समय वोट में इस असामान्य बढ़ोतरी पर विपक्ष की ओर से और निष्पक्ष प्रेक्षकों द्वारा भी काफी सवाल उठाए गए थे। एक पूर्व-मुख्य चुनाव आयुक्त ने बाकायदा अंतिम आंकड़े जारी किए जाने में देरी और इस भारी अंतर को %%समझ में न आने वाला%% तक कहा था। जाहिर है कि तब भी चुनाव आयोग इसकी कोई विश्वसनीय सफाई पेश नहीं कर पाया था। बहरहाल, चुनाव आयोग की चुनाव के मामले में सर्वाधिकार-संपन्नता के दबाव में और चुनाव की हड़बड़ी में, यह मामला इसलिए दबकर रह गया कि यह सीधे चुनाव आयोग की ईमानदारी पर सवाल खड़ा करता था। बहरहाल, अब वाईएफडी की रिपोर्ट में जोरदार तरीके से यह सवाल उठाया गया है।इस असामान्य बढ़ोतरी के सवाल को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाते हुए, वाईएफडी का अध्ययन बताता है कि जिन 15 राज्यों में अंतिम मतदान प्रतिशत में यह असाधारण बढ़ोतरी दर्शायी गयी थी, उनमें 79 सीटों पर भाजपा के नेतृत्ववाले एनडीए की जीत का अंतर, वोट में हुई इस बढ़ोतरी से कम था यानी वोट में यह बढ़ोतरी, इन सीटों के नतीजे को बदलने के लिए काफी थी। इनमें ओडिशा की 18, महाराष्ट्र की 11, प. बंगाल की 10, आंध्र प्रदेश की 7, कर्नाटक की 6, छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान की 5-5, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश तथा तेलंगाना की 3-3, असम की 2 और अरुणाचल प्रदेश, गुजरात तथा केरल की एक-एक सीटें शामिल थीं।इसके अलावा वाईएफडी की रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि 10 राज्यों में एनडीए के 18 उम्मीदवारों ने, बहुत मामूली अंतर से जीत हासिल की है। ये सभी ऐसे चुनाव क्षेत्र हैं जहां नागरिक समाज के सदस्यों और विपक्षी उम्मीदवारों ने, मतदान के और मतगणना के दौरान, ईवीएम की खराबी और गड़बड़ियों की गंभीर शिकायतें दर्ज कराई थीं। इनमें बिहार में सारण, महाराष्ट्र में उत्तर-पश्चिम मुंबई, उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद, बांसगांव तथा फूलपुर आदि सीटें शामिल हैं, जहां से एनडीए के उम्मीदवार बहुत कम अंतर से जीते हैं। इस सब के आधार पर रिपोर्ट यह वैध सवाल उठाती है कि इस चुनाव में एनडीए की जीत, एक चुराई गई जीत भी हो सकती है।

अपने तमाम सवालों के संदर्भ में वाईएफडी ने सभी संदेहों तथा आरोपों की %स्वायत्त निगरानी में एक स्वतंत्र जांच% की मांग की है, जिस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

श्रावण में साकार होता है शिव का विराट स्वरूप

शिवपुराण में भगवान भोले शंकर के महात्म्य की चर्चा करते हुए उल्लखित है कि जैसे नदियों में गंगा, सम्पूर्ण नदी में शोणभद्र, क्षमा में पृथ्वी, गहराई में समुद्र और समस्त ग्रहों में सूर्यदेव का विशिष्ट स्थान है, उसी प्रकार समस्त देवताओं में भगवान शिव श्रेष्ठ माने गये हैं। प्रत्येक वर्ष श्रावण के पावन महीने में लगनेवाले विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला अवधि में सुलतानगंज की महिमामयी उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित अजगैबीनाथ धाम से लेकर देवघर के द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैद्यनाथ धाम के करीब ११० किमी के विस्तार में मानों शिव का विराट लोक मंगलकारी स्वरूप साकार हो उठता है और समस्त वातावरण कावंरियां शिव भक्तों के जयकाटे से गूंजायमान रहता

भगवान शंकर, जो देवों के देव महादेव कहलाते हैं, के बारे में धार्मिक मान्यता है कि श्रावण मास में जब समस्त देवी-देवतागण विश्राम पर चले जाते हैं, वहीं भगवान भूतनाथ गौरा पार्वती के साथ पृथ्वी-लोक पर विराजमान रहकर अपने भक्तों के कष्ट-कलेश हरते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। ऐसी लोक-आस्था है कि श्रावण मास के दिनों में भगवान शंकर बैधनाथ धाम और अजगैबीनाथ धाम में साक्षात् विद्यमान रहते हैं जहां उनकी अर्चना द्वादश ज्योतिर्लिंग और अजगैबीनाथ महादेव के रूप में होती है। यही कारण है कि औधड़दानी शिव के पूजन हेतु लाखों भक्त सुलतानगंज अजगैबीनाथ धाम और देवधर बैद्यनाथ की ओर उमड़ पड़ते हैं।

सुलतानगंज में गंगा उत्तरवाहिनी है, जिसका विशेष महात्म्य है। भगवान शंकर को गंगा का जल अत्यंत प्रिय है। और, यदि यह जल उत्तरवाहिनी का हुआ तो अति उत्तम। पौराणिक कथा के अनुसार यहां ल+षि जह्नु का आश्रम था। जब भगीरथ गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर ला रहे थे, तो कोलाहल से क्रोधित होकर ल+षि जहनु ने गंगा का आचमन कर पी लिया। किंतु बाद में भगीरथ के अनुनय-विनय करने पर अपनी जंघा से गंगा को प्रवाहित किया जिसके कारण पतित पावनी गंगा जाह्नवी कहलायी। आनंद रामायण में वर्णित है कि भगवान श्रीराम ने सुलतानगंज की उत्तारवाहिनी गंगा के जल से बैद्यनाथ महादेव का जलभिषेक किया था।

फिर भला भक्तगण कैसे चूकते और, चल पड़ी परिपाटी सुलतानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल कांवर में लेकर बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित करने की।

श्रावण के महीने में सुलतानगंज से देवघर तक करीब 100 किमी के विस्तार में कांवरियां तीर्थयात्रियों के कावंरों में लचकती-मचलती गंगा मानों बहती-सी जाती हैं- जैसे दो-दो गंगा बहती है श्रावण में- एक कांवरों में सवार होकर देवघर की ओर, और दूसरी अविरल बहती हुई बंगाल की खाड़ी की ओर। ऐसा चमत्कार तो सिर्फ भगवान भोले शंकर ही कर सकते हैं।

इतना ही नहीं, श्रावण मास में बारिश की रिम-झिम फूहारों के साथ-साथ बसंत ऋतु की अलौकित छंटा भी अजगैबीनाथ सुलतानगंज और सम्पूर्ण कावंरियां-पथ पर देखने को मिलती है। मेले में लगी दुकानों में सुलतानगंज में कावंरों में लगे प्लास्टिक के लाल, पीले, हरे, गुलाबी खिले-खिले फूल अनुपम दृश्य अपस्थित करते हैं-लगता है मानों सावन में बसंत का आगमन हो गया हैं। ऐसा तो सिर्फ शिव की कृपा से ही संभव है।

श्रावण मास में सुलतानगंज से बैद्यानाथ की कांवर-याता मात एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, वरन् इसके पीछे हमारी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक मान्यताएं भी छिपी हुई हैं। यदि हम पौराणिक संदर्भ लें तो वह कांवर-याता आर्य और अनार्य संस्कृतियों के मेल और संगम को दर्शाता है। कहां आर्य मान्यताओं की देवी गंगा और कहां अनार्यों के देव महादेव पर गंगा-जल का पर अर्पण आर्य और अनार्य संस्कृतियों के काल क्रम में हुए समागम को दर्शाता है। इसी तरह आर्यों के देव श्रीराम के द्वारा सुलतानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा को कांवर में लेकर बैद्यनाथ महादेव का पूजन इसी भाव को इंगित करता हैं।

सुलतानगंज से देवघर की कांवर-याता मात एक धार्मिक याता ही नहीं वरन् शिव और प्रकृति के साहचर्य की याता है। कांवर-मार्ग में हरे-भरे खेत, पर्वत, पहाड़, घने जंगल, नदी, झरना, विस्तृत मैदान-सभी कुछ पड़ते हैं। रास्ते में जब बारिश की बौछारें चलती हैं तो बोल बम का निनाद करते हुए कावंरिया भक्तगण मानों भगवान शंकर के साथ एकाकार हो उठते हैं। देवघर में जल अर्पण करके लौटते समय न सिर्फ धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से अपने को परिपूर्ण पाता है, वरन् प्रकृति के सीधे साहचर्य में रहने के कारण वह अपने अंदर एक नयी उर्जा और उत्फूल्लता महसूस करता है। आज के प्रदूषण के युग में अभी भी प्रकृति के पास मनुष्य को देने के लिये बहुत कुछ है- यह संदेश श्रावणी मेला की कावंर याता देता है जो इसमें शामिल होकर ही महसूस किया जा सकता है।

जल शांति, स्वच्छता और जीवन का प्रतीक है-शीतलता से भरा हुआ। भगवान शंकर पर जल का अर्पण हमें शांति और शीतलता का ही तो संदेश देता प्रतीत होता है। इस धार्मिक उन्माद के युग में आज निहित स्वार्थी तत्वों ने आडंबर और वृहत् अनुष्ठानों की आड़ लेकर धर्म को धन-बल प्रदर्शन का साधन बना लिया है। वहीं श्रावण में शिव यह संदेश देते हैं कि मुझपर सिर्फ गंगा जल और बेलपत्र चढ़ाओ, और बरदान में मुझसे जीवन की सारी खुलियां ले जाओ। आज के मार-काट के दौर में भी बैद्यनाथ-धाम मंदिर से सटी दूकानों में हमारे मुसलमान भाई सुहाग की चूड़िया बेचते हैं बाबा के रंग में रंगकर। आज के इस अपहरण-अपराध के दौर में भी देवघर के कैदी प्रतिदिन बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित होनेवाले फूलों के श्रृगार बनाते हैं और जेल से बाबा मंदिर तक बम भोले का जयकारा करते हुए प्रतिदिन आते हैं। कांवर-मार्ग पर कोई छोटा-बड़ा नहीं-सिर्फ बम है- बड़ा बम, छोटा बम, मोटा बम, माता बम,! न अमीर-न गरीब, न उच-न नीच! बस बम शंकर के भक्त बम! बोल बम। शिव का स्वरूप विराट् है -इसका कोई आर-पार नहीं। और उनका यह विराट् स्वरूप मानों श्रावणी मेला में साकार हो जाता है।

धार्मिक आस्था का केंद्र मां नर्मदा कुण्ड

धार्मिक आस्था का केंद्र एवं नर्मदा उद्गम स्थल कवर्धा के ग्राम झिरना और डोंगरिया में स्थित है। जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित जालेश्वर महादेव घाट पर माघ पूर्णिमा का मेला लगता है। जहां श्रद्धालु स्वयंभू-शिवलिग का जलाभिषेक करके पूजा-अर्चना करते है और वहां लगे मेले का लुत्फ उठाते है।

जिला मुख्यालय से लगभग 7 किमी की दूरी पर स्थित धार्मिक व प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण पर्यटन जुनवानी का कुंड इस समय पर्यटनों को खुब लुभा रहा है। दूर-दूर से लोग विश्व प्रसिद्ध केवड़े के वृक्षों व मां नर्मदा कुंड के दर्शन करने रोज पहुंच रहे हैं। पर्यटन स्थल घोषित होने पर यहा श्रद्धालुओं की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

जिला मुख्यालय से लगभग 13 की दूरी पर स्थित पिपरिया समीपस्थ ग्राम झिरना में प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा पर मेले का आयोजन किया जाता है। जहां हजारों लोग दूर गांव-गांव से इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाने आते है।

इसी तरह ग्राम पिपरिया से एक किमी की दूरी पर स्थित मां नर्मदा कुंड में भी लोगों की आवाजाही बनी हुई है। ज्ञात हो कि मां नर्मदा कुंड केवड़े के घने वृक्षों आच्छादित यह स्थल छत्तीसगढ़ का एक मात्र स्थान है। जहां नर्मदा कुंड में चारों ओर कई एकड़ की जमीन पर केवड़े के वृक्ष फैले हुए है।

यहां पानी का स्रोत इतना अधिक है कि मात्र 5-6 फुट गड्ढा खोदने पर ही उसी जगह पानी भर जाता है। इस प्रकृति के कारण भी यह स्थल प्राचीन समय से ही लोगों के आकर्षण व श्रद्धा का केन्द्र बना हुआ है।

यहां श्रद्धालुजन व प्राकृतिक प्रेमी अपने दैनिक जीवन के विभिन्न कार्यों बालक का मुंडन, संस्कार, पूजा पाठ, स्नान यज्ञ, भागवत प्रचवन, मेला धार्मिक व सांस्कृतिक कार्य होते रहते हैं।

माघ पूर्णिमा, मकर संक्रांति, ग्रहण स्नान, कार्तिक स्नान आदि कई अवसरों पर मां नर्मदा कुंड में नहाने का काफी महत्व है एवं पुण्य अवसरों पर लोग यहां कुंड में डुबकी लगाकर पूजा-पाठ करने यहां आते रहते हैं। माघ पूर्णिमा के दिन यहां मातर, मड़ई का बड़ा मेला लगता है। इसका क्षेत्रवासियों को हर साल बेसब्री से इंतजार रहता है।

श्रावण मास में शिवजी के व्रत का विशेष महत्व

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। श्रावण मास में शिवजी के व्रत एवं पूजा का विशेष महत्व है। शिवजी के यह व्रत बहुत फलदायी माने जाते हैं। इन व्रतों को करने वाले भक्तों से शिवजी बहुत प्रसन्न होते हैं। यह व्रत शिवजी को प्रसन्न करने के लिए किये जाते हैं।

इन व्रतों में शिवजी का पूजन करके एक समय भोजन किया जाता है। इस व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती का ध्यान करके पूजन करना चाहिए। इससे भगवान शिव प्रसन्न होकर मनवांछित फल देते हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार को गणेश जी, शिवजी, पार्वती और नंदी की पूजा करने का विधान है। शिवजी की पूजा में जल, दूध, दही,चीनी, घी, शहद, पंचामृत, कलावा, वस्त्र, चंदन, रोली, चावल, फूल, विजया, आक, बेल पत, धतूरा, कमल गट्टा, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, पंचमेवा,धूप, दीप सहित दक्षिणा सहित पूजा की जाती है। साथ ही कपूर से आरती करके भजन-कीर्तन और जागरण करना चाहिए। पूजन के पश्चात कथा सुननी चाहिए और किसी ब्राह्मण से रुद्राभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान शिव शीघ्र ही प्रसन्न होकर सभी मनोकामनायें पूर्ण कर देते हैं। सोमवार का व्रत करने से पुत, धन, विद्या आदि मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस दिन सोलह सोमवार व्रत कथा का महात्म्य सुनना चाहिए। उसके साथ-साथ गणेश चालीसा, शिव चालीसा और राति जागरण करके भजन करना चाहिए।

बीते कुछ सालों में सावन लगते ही महिलाओं को इंतजार सताने लगता है सावन मेले का। एक ही छत के नीचे गहने, कपड़े, घरेलू, सामानों की खरीददारी के साथ-साथ मेले का आनंद उठाने वाली महिलाएं त्यौहारों के लिए जमकर खरीददारी भी करती हैं। इस बार सावन लगते ही मेला लगाकर महिलाओं की भीड़ जुटा ली है। समता कालोनी श्याम खाटू मंदिर में लगे इस मेले में पहले दिन ही जबरदस्त भीड़ देखने को मिली।

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है। बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

मेहँदी है रचने वाली

हाथों में गहरी लाली

मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो

फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं। बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा

वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं। पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं।

रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज

राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण

कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।
इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेंगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली -2991

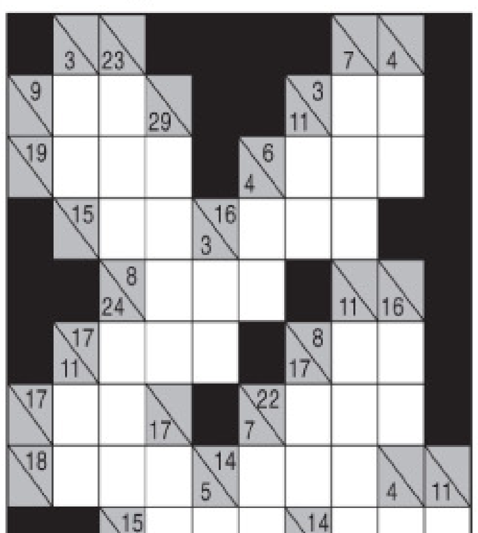

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

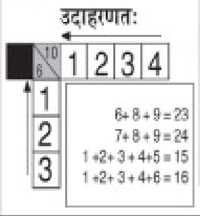

काकुरो - 2990 का हल

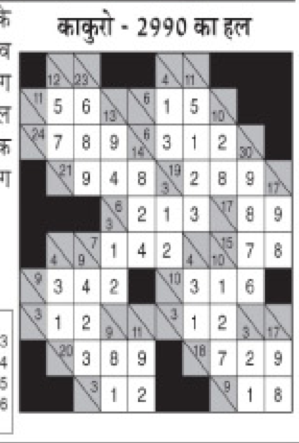

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला, उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली, 'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला, 'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2991

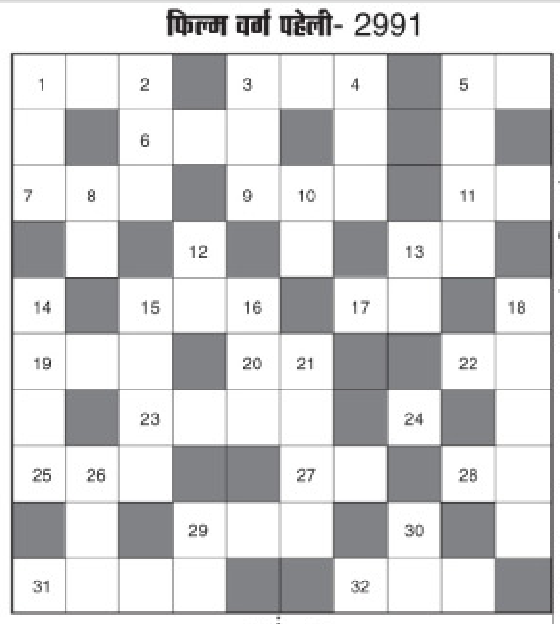

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठे मूठे मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फराहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2990

सूडोकु -2991

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9		5		3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2990 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2991

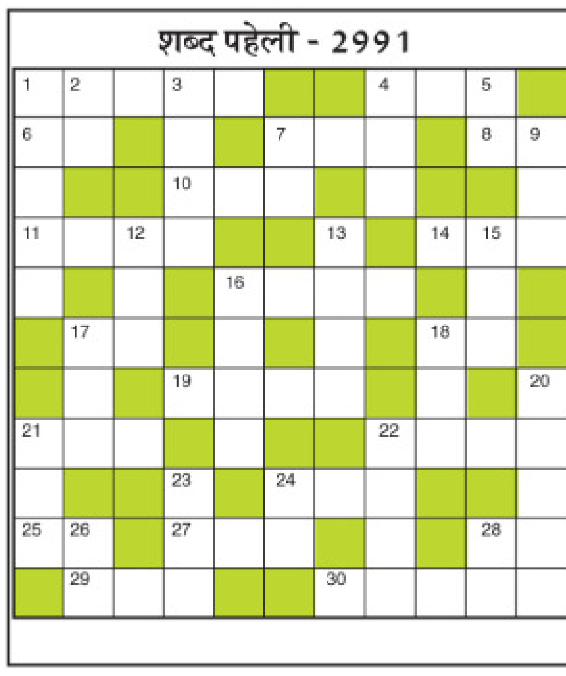

बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वाला,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली -2990 का हल

पश्चिम बंगाल के रांगापानी में मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी

सिलीगुड़ी। झारखंड के बाद पश्चिम बंगाल के रांगापानी में भी रेल हादसा हो गया। इस बार पटरी से मालगाड़ी उतर गई है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, मालगाड़ी बुधवार को रांगापानी स्थित नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के शेड में जा रही थी। तभी दो डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना के चलते रांगापानी रेल फाटक बंद कर दिया गया है। पटरी से उतरे डिब्बों की मरम्मत का काम जारी है। गत जून में सियालदह-अगरतला कंचनजंगा एक्सप्रेस रांगापानी के पास भयानक हादसे का शिकार हो गई थी। इसमें 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। डेढ़ महीने के भीतर रांगापानी में एक बार फिर रेल हादसा हुआ है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को झारखंड के चक्रधरपुर में हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इस बात की जांच की मांग की गई है कि बार-बार ट्रेन डिरेल क्यों हो रही है।

विश्व धरोहर समिति की बैठक का आयोजन सफल और ऐतिहासिक रहा : गजेन्द्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत मंडपम में दस दिनों तक चली विश्व धरोहर समिति की बैठक का आयोजन ऐतिहासिक और अनूठा अनुभव रहा है। इसने भारत की तरफ दुनिया का देखने का नजरिया बदला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहले जी 20 का सफल आयोजन करने के बाद भारत में पहली बार आयोजित विश्व धरोहर समिति की बैठक भी सफल रही। विश्व में हमारी क्षमताओं के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है। बुधवार को दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि बैठक में आए 165 देशों के करीब 2000 डेलिगेट्स ने आयोजन को लेकर संतोष जाहिर करते हुए इसे अद्भुत और अनूठा बताया है। यह हमारी सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

हरिभाऊ किसनराव बागडे ने राजस्थान के राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की

जयपुर। हरिभाऊ किसनराव बागडे ने बुधवार को राजभवन में आयोजित समारोह में राजस्थान के राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे को राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश ने शपथ ग्रहण करवाई है।

तेजस्वी यादव निकालेंगे 'बिहार यात्रा', लोगों के बीच उठाएंगे आरक्षण का 'मुद्दा'

पटना। बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अपने नेता तेजस्वी यादव की प्रदेश यात्रा के पहले विभिन्न मुद्दों को धार देने में जुटी है। विपक्षी पार्टी आरक्षण जैसे मुद्दे को लेकर बिहार की जनता के बीच जा रही है और लगातार सत्ताधारी एनडीए को घेरने का काम कर रही है। बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने 15 अगस्त के बाद प्रदेश की यात्रा पर निकलने की घोषणा की है। हालांकि, अभी इस यात्रा को लेकर कोई कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि इस बिहार यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव सत्ता पक्ष को विभिन्न मुद्दों पर घेरेंगे। बिहार में जाति आधारित गणना के बाद सरकार ने आरक्षण की सीमा बढ़ा दी थी। जातिगत जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर महागठबंधन सरकार ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण की सीमा 16 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 1 से बढ़ाकर 2 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ी जाति के लिए 18 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 15 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत की थी। इस तरह जाति आधारित आरक्षण की कुल सीमा 50 से बढ़कर 65 प्रतिशत हो गई।

यूपी में किसानों से खतौनी के नाम पर चार गुने पैसे वसूले जा रहे हैं : सपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र जारी है। बुधवार को विपक्ष ने किसान के मुद्दे पर योगी सरकार को जमकर घेरा। सपा विधायक शिवपाल यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार खुद को किसानों का हितैषी बताती है, लेकिन उनका लगातार दोहन किया जा रहा है। शिवपाल यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के उत्थान के बड़े-बड़े दावे पेश करती है, लेकिन वास्तविकता इससे परे है। किसानों को खतौनी के लिए तीन से चार गुना अधिक शुल्क देना पड़ रहा है। जिससे उनको आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

यूपीएससी ने पूजा खेडकर की अनंतिम उम्मीदवारी रद्द की

एजेंसी

नई दिल्ली। सेवा आयोग (यूपीएससी) ने पूजा खेडकर की अनंतिम उम्मीदवारी को रद्द कर दिया। आयोग ने खेडकर पर भविष्य में होने वाली किसी भी परीक्षा में शामिल होने पर रोक लगा दी है।

यूपीएससी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि यूपीएससी द्वारा सिविल सेवा परीक्षा-2022 (सीएसई-2022) की अनंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवार पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर को 18 जुलाई को फर्जी पहचान बताकर परीक्षा नियमों में निर्धारित अनुमेय सीमा से अधिक बार प्रयास करने के लिए कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया गया था। उन्हें 25 जुलाई तक एससीएन का जवाब देना था। हालांकि, उन्होंने 4 अगस्त तक का और समय मांगा ताकि वे अपने जवाब के लिए आवश्यक दस्तावेज जुटा सकें।

यूपीएससी ने पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के अनुरोध पर सावधानीपूर्वक विचार किया और न्याय के उद्देश्य को पूरा करने के लिए उन्हें 30 जुलाई को दोपहर 3:30 बजे तक का समय दिया ताकि वे एससीएन का जवाब दे सकें। पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर को यह भी स्पष्ट रूप से बता दिया गया था कि यह उनके लिए अंतिम अवसर है और समय में कोई और विस्तार नहीं दिया जाएगा। उन्हें यह भी स्पष्ट शब्दों में बता दिया गया था कि यदि उक्त तिथि व समय तक कोई जवाब नहीं मिलता है, तो यूपीएससी उनसे कोई और संदर्भ लिए बिना आगे की कार्रवाई करेगा। उन्हें दिए गए समय में विस्तार के बावजूद, वे निर्धारित समय के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने में विफल रहीं।

यूपीएससी ने उपलब्ध अभिलेखों की सावधानीपूर्वक जांच की है और उन्हें सीएसई-2022 नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन में कार्य करने का दोषी पाया है। सीएसई-2022 के लिए उनकी अनंतिम उम्मीदवारी रद्द कर दी गई है और उन्हें यूपीएससी की सभी भावी परीक्षाओं और चयनों से भी स्थायी रूप से वंचित कर दिया गया है। पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के मामले की पृष्ठभूमि में, यूपीएससी ने वर्ष 2009 से 2023 तक यानी 15 वर्षों के लिए सीएसई के 15,000 से अधिक अंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवारों के उपलब्ध आंकड़ों की गहन जांच की है, जिसमें उनके द्वारा किए गए प्रयासों की संख्या भी शामिल है। इस विस्तृत अभ्यास के बाद, पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के मामले को छोड़कर, किसी अन्य उम्मीदवार ने सीएसई नियमों के तहत अनुमत संख्या से अधिक प्रयास नहीं किए हैं। पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के एकमात्र मामले में, यूपीएससी की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण उनके प्रयासों की संख्या का पता नहीं लगा सकी कि उन्होंने न केवल अपना नाम बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी बदल लिया था। यूपीएससी एसओपी को और मजबूत करने की प्रक्रिया में है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में ऐसा मामला दोबारा न हो। जहां तक झूठे प्रमाण-पत्र (विशेष रूप से ओबीसी और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों) जमा करने की शिकायतों का सवाल है, यूपीएससी यह स्पष्ट करना चाहता है कि वह प्रमाण-पत्रों की केवल प्रारंभिक जांच करता है, जैसे कि क्या प्रमाण-पत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया है, प्रमाण-पत्र किस वर्ष का है, प्रमाण-पत्र जारी करने की तिथि, क्या प्रमाण-पत्र पर कोई ओवरराइटिंग है, प्रमाण-पत्र का प्रारूप आदि। आमतौर पर, यदि प्रमाण-पत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया है, तो उसे असली मान लिया जाता है। यूपीएससी के पास न तो अधिकार है और न ही हर साल उम्मीदवारों द्वारा जमा किए जाने वाले हजारों प्रमाण-पत्रों की सत्यता की जांच करने का साधन। हालांकि, यह समझा जाता है कि प्रमाण-पत्रों की सत्यता की जांच और सत्यापन कार्य के लिए नियुक्त प्राधिकारी द्वारा किया जाता है।

एनआईए ने हथियार और विस्फोटक तस्करी मामले में एक आरोपित के खिलाफ आरोप पत्र किया दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हथियार और विस्फोटक तस्करी मामले में म्यांमार विद्रोहियों से जुड़े एक आरोपित के खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत नई दिल्ली के समक्ष आरोप पत्र दाखिल किया है। एनआईए ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनआईए ने बताया कि आरोपित लालन गाइहावमा के खिलाफ आईपीसी, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और यूए (पी) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया है। एनआईए ने आरोपित पर देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र में सक्रिय नेटवर्क में सक्रिय भागीदारी का आरोप लगाया है। इससे पहले एनआईए ने इनपुट के आधार पर 26 दिसंबर 2023 को लालन गाइहावमा और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एनआईए को इनपुट मिला था कि मिजोरम स्थित कुछ संस्थाएं देश के विस्फोटक प्राप्त करता था। एनआईए ने आगे की जांच में यह भी पाया है

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों आदि की अवैध तस्करी में लगी हुई थीं। एजेंसी की अब तक की जांच से पता चला है कि लालन गाइहावमा ने म्यांमार स्थित विद्रोही समूहों के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए थे। उनकी मदद से वह विभिन्न विद्रोही और आपराधिक समूहों को आपूर्ति के लिए हथियार, गोला-बारूद और कि आरोपित ने लाइसेंसी हथियार डीलरों के साथ सांठगांठ स्थापित की थी। उसने प्रतिबंधित बोर हथियारों की तस्करी के अलावा गैर-प्रतिबंधित बोर हथियारों और गोला-बारूद की चोरी के लिए सांठगांठ का इस्तेमाल किया। लालन गाइहावमा को विभिन्न चैनलों के माध्यम से भी भारी धनराशि मिली थी, जिसमें उनके म्यांमार स्थित सहयोगी भी शामिल थे।

फर्जी आयुष्मान कार्ड मामले में ईडी के दिल्ली सहित 19 ठिकानों पर छापे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आयुष्मान भारत योजना में फर्जीवाड़े को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने इस योजना के फर्जी आईडी कार्ड बनवाने के मामले में राजधानी दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, ऊना, शिमला, मंडी और कुल्लू सहित 19 ठिकानों पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि आयुष्मान भारत योजना यानी (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) में कथित धोखाधड़ी मामले में ईडी 19 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई कर रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी इस योजना के फर्जी कार्ड बनवाने के मामले में दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, ऊना, शिमला, मंडी और कुछ सहित 19 ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही है। इसमें हिमाचल के कांग्रेस विधायक आरएस बाली भी शामिल हैं। आयुष्मान भारत योजना धोखाधड़ी मामले में बांके बिहारी कांग्रेसी नेताओं का नाम सामने आया है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय

अस्पताल, फोर्टिस अस्पताल सहित कई नामी-गिरामी अस्पतालों में ऐसे फर्जी कार्डों पर कई मेडिकल बिल बनाए गए हैं, जिससे सरकारी खजाने और लोगों को नुकसान हुआ है। इस फर्जीवाड़े में हिमाचल प्रदेश के दो जांच एजेंसी हिमाचल प्रदेश के कांग्रेस विधायक आरएस बाली, कुछ निजी अस्पतालों और उनके प्रमोटरों के परिसरों पर धन शोधन जांच के तहत छापेमारी की कार्रवाई कर रही है।

झारखंड के राज्यपाल के रूप में संतोष गंगवार ने ली शपथ

एजेंसी

रांची। झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार ने बुधवार को पद की शपथ ली। झारखंड हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने राजभवन के बिरसा मंडप में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में संतोष गंगवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। गंगवार ने सीपी राधाकृष्णन की जगह ली। राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है।

शपथ ग्रहण के बाद संतोष गंगवार ने जोहार के साथ अपना संबोधन शुरू किया। राज्यपाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह राज्य प्रकृतिक और खनिज संपदा से परिपूर्ण है। हम उम्मीद करते हैं कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड काफी अच्छे ढंग से तरक्की करेगा। शपथ लेने से पहले संतोष गंगवार ने बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसके बाद गार्ड ऑफ ऑनर देकर गंगवार को राजभवन ले जाया गया। शपथ ग्रहण से पहले मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण पढ़ा। इसके बाद झारखंड हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस ने संतोष गंगवार को राज्यपाल के रूप

में शपथ दिलायी।

राज्यपाल के लंबे राजनीतिक अनुभव का लाभ मिलेगा = हेमंत सोरेन

शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत कई मंत्रियों ने संतोष गंगवार को फूलों का गुलदस्ता देकर शुभकामनाएं और बधाई दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पूरे झारखंड वासियों की ओर से नये राज्यपाल संतोष गंगवार का स्वागत करते हैं। राज्यपाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इनका लंबा राजनीतिक अनुभव रहा है, जिसका लाभ झारखंड को मिलेगा, ऐसी उम्मीद करते हैं।

इस मौके पर विधानसभा स्पीकर रवींद्रनाथ महतो, मंत्री मिथलेश ठाकुर, दीपिका सिंह पांडेय, बन्ना गुप्ता, डॉ रामेश्वर उरांव, डॉ. इरफान अंसारी, हफीजुल्ह अंसारी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक कल्पना सोरेन, झारखंड भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, आशा लकड़ा, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी समेत कई लोग मौजूद थे।

संतोष गंगवार का राजनीतिक सफर

75 वर्षीय संतोष गंगवार बरेली (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं। एक नवंबर, 1948 को जन्मे गंगवार बरेली से आठ बार सांसद रहे हैं। वे केंद्र में श्रम व रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहित वित्त राज्यमंत्री, कपड़ा राज्यमंत्री व पेट्रोलियम राज्यमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने संसदीय कार्य राज्यमंत्री के रूप में भी काम किया है। संतोष गंगवार बीएससी और एलएलबी की हैं। इमरजेंसी के दौरान जेल भी जा चुके हैं। वर्ष 1996 में उत्तर प्रदेश भाजपा के महासचिव भी रहे हैं। बरेली में उनकी ख्याति विकास पुरुष के रूप में है। वे बरेली में शहरी को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरपर्सन भी रह चुके हैं।

अमरनाथ यात्रियों का रिकार्ड टूटा, अब तक 4.71 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

एजेंसी

जम्मू। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा पर रिकार्ड संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। पिछले साल 4.45 लाख श्रद्धालुओं के मुकाबले इस साल अब तक 4.71 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इस वर्ष यात्रा के 19 दिन अभी बाकी हैं। इसी बीच बुधवार सुबह 1,654 यात्रियों का एक और जत्था सुरक्षाकाफिलों की निगरानी में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल पूरी यात्रा के दौरान 4.45 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा कर गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे। मंगलवार को पांच हजार श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए थेउन्होंने बताया कि इस वर्ष

अभी तक रिकार्ड संख्या में 4.71 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा, सामुदायिक रसोई (लंगर), पारगमन और आश्रय शिविरों की व्यवस्था के बीच जम्मू से लेकर यात्रा के दोनों मार्गों पर सुरक्षाबलों की मौजूदगी ने सुरक्षित, सुचारू और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित की है। यात्रियों को सबसे महत्वपूर्ण कहे जाने वाले स्थानीय लोगों ने भी दी है। ये स्थानीय लोग टट्टू के माध्यम से तीर्थयात्रियों को गुफा तक पहुंचाने से लेकर कुली के रूप में भी काम करते हैं। कश्मीर में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के दो मार्ग हैं। इनमें पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से और दूसरा उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। पहलगाम से गुफा मंदिर की दूरी 48 किलोमीटर है और तीर्थयात्रियों को मंदिर तक पहुंचने में 4-5 दिन लगते हैं। वहीं बालटाल से गुफा मंदिर तक की दूरी 14 किलोमीटर है और तीर्थयात्रियों को 'दर्शन' कर बेस कैंप लौटने में एक दिन लगता है। उत्तरी कश्मीर मार्ग पर बालटाल और दक्षिण कश्मीर मार्ग पर चंदनवाड़ी में तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन त्योहार के दिन संपन्न होगी।

उत्तराखंड : भारी बारिश का रेड अलर्ट, यात्रा से बचने की दी सलाह

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य में इन दिनों दरकते पहाड़, गिरती चट्टान, भूस्खलन, धंसती सड़क व नदियों का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। प्रदेश में भारी बारिश की वजह से पहाड़ से लेकर मैदान तक स्थिति भयावह है। चारधाम यात्रा भी प्रभावित हुई है। ऐसे में मौसम विभाग ने राज्य सरकार के अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी है। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने को कहा है।

राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ने कहा है कि राज्य में चारधाम या अन्य स्थानों की यात्रा करने वाले यात्री सतर्क रहें। आवश्यक न हो तो आवागमन करने से बचें। उन्होंने पांच दिन का पूर्वानुमान जारी किया है। 2 अगस्त तक प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट और 3 व 4 अगस्त को भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने गर्जन के साथ आकाशीय बिजली भी चमकने का अनुमान जताया है।

इन जिलों में 2 अगस्त तक बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने 31 जुलाई को टिहरी गढ़वाल, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, चंपावत, नैनीताल, उधमसिंह नगर, हरिद्वार में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं 1 अगस्त को चमोली, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, उधमसिंह नगर में तो 2 अगस्त को उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट

जारी किया है। राज्य में हवाई, रेल, सड़क परिवहन समेत सामुदायिक सेवाएं प्रभावित होने की संभावना संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन एवं चट्टान गिरने व बाढ़ के कारण सड़कों, राजमार्गों व पुलों का बह जाने से मार्ग अवरुद्ध होने की संभावना है। सामुदायिक सेवाएं जैसे बिजली, पानी आदि कहीं-कहीं प्रभावित रहेंगी। कुछ दिनों के लिए कहीं कहीं आपूर्ति और परिवहन प्रभावित रहेगा। कहीं बिजली गिरने से जान-माल की हानि हो सकती है। लगातार भारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है। जलप्रवाह में अचानक वृद्धि हो सकती है। कच्चे मकानों, सड़कों, दीवारों, झोपड़ियों और निर्माणाधीन भवनों, पुलों, सुरंगों आदि संवेदनशील ढांचों को क्षति पहुंचने की घटनाएं हो सकती हैं। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति, फिसलन भरी सड़कों और कम बादलों के कारण ड्राइविंग की कठिन स्थिति की वजह से यात्रा समय में थोड़ी वृद्धि होने के आसार हैं।

फसल की गुणवत्ता पर पड़ सकता है असर

बागवानी कृषि फसल जैसे चावल, मक्का, बाजरा, सेम, चना आदि और पौधे व अनाज की गुणवत्ता को मामूली नुकसान हो सकता है। हवाई अड्डों से उड़ान प्रभावित हो सकती है। रेल परिचालन प्रभावित हो सकता है। जिला मुख्यालय, निजी और सरकारी संस्थान, स्कूल, अस्पताल, तीर्थ स्थल-पर्यटन स्थल भारी बारिश से प्रभावित हो सकते हैं।

संवेदनशील पहाड़ी इलाके और खड़ी ढलानों पर जाने से बचें

मौसम विभाग ने राज्य सरकार के अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी है। भूस्खलन की आशंका वाले संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। राज्य में चारधाम या अन्य स्थानों की यात्रा करने वाले यात्री सतर्क रहें। आवश्यक न हो तो आवागमन करने से बचें। पर्वतारोहण अभियान, सर्द व गीली स्थितियों के लिए एहतियात बरतें। वाहन से यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की जरूरत है। अपडेट के लिए मीडिया रिपोर्टों की निगरानी करें। मौसम के पूर्वानुमान जानें। गर्जन व आकाशीय बिजली चमकने के समय लोग सुरक्षित स्थान पर शरण लें। संवेदनशील पहाड़ी इलाके और खड़ी ढलानों पर जाने से बचें। बाढ़ वाले क्षेत्र से गुजरने की कोशिश न करें। उफनती नदियों में तैरने या नौका विहार करने न जाएं। दूर-दराज के क्षेत्रों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड की चपेट में आने वाले सैन्य और अन्य प्रतिष्ठान-चौकियों को सतर्क रहना होगा। भारी वर्षा की अवधि में घरों, भवनों, पुलों, बांधों, सुरंगों आदि की निर्माण गतिविधियों को रोका जा सकता है। किसानों को खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने की सलाह दी। किसान कटी हुई उपज को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।

अधीर चौधरी ने फिर जाहिर किया असंतोष, कहा - मैं तृणमूल के खिलाफ चुप कैसे रह सकता हूं?

एजेंसी

कोलकाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक बार फिर पार्टी के प्रति अपनी नाराजगी जताई है। खास तौर पर इशारे-इशारे में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुराने बयानों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं बंगाल में तृणमूल के खिलाफ चुप कैसे रह सकता हूं? दिल्ली में कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल से मिलने के कुछ दिनों बाद, पांच बार के पूर्व लोकसभा सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने सोशल मीडिया पर अपनी पार्टी के हाईकमान पर अप्रत्यक्ष रूप से हमला किया है, जो कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के प्रति नरम रुख अपना रहा है।

चौधरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की आवाज कौन उठाएगा जो हर दिन पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा पीटे जा रहे हैं? राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस को प्रतिदिन तोड़ने की कोशिश कर रही है। अधिकारिक रूप से आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक का

हिस्सा होने के बावजूद, उन्होंने हमें दबाना बंद नहीं किया है।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को झूठे मामलों में फंसाने और कांग्रेस कार्यालयों पर कब्जा करने की परंपरा जारी है। चौधरी ने लिखा, ऐसी स्थिति में मैं तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ कैसे चुप रह सकता हूं? अगर मैं ऐसा करता हूं, तो मैं अपने जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय करूंगा। मैं ऐसा नहीं कर सकता।

इसके बाद उन्होंने पार्टी हाईकमान से आग्रह किया कि वे पश्चिम बंगाल के इन जमीनी स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करें ताकि राज्य की वास्तविकता को जान सकें। उन्होंने कहा, दिल्ली को उन पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करनी चाहिए जो पश्चिम बंगाल में रोज संघर्ष कर रहे हैं और पार्टी का झंडा ऊंचा रखने के लिए सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी राय महत्वपूर्ण है और इसलिए उन्हें भी दिल्ली बुलाना चाहिए।

उन्होंने अपने पोस्ट का समापन राज्य में जमीनी स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ होने का आश्वासन देकर किया। अधीर ने लिखा, 'मैं अपने पार्टी सहयोगियों के साथ सड़कों पर रहूंगा और उनके आंदोलन को आगे बढ़ाऊंगा। मैंने अन्याय के साथ समझौता नहीं किया है और न ही कभी करूंगा।

कांग्रेस हाईकमान के साथ चौधरी के मतभेद हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों से पहले ही सामने आने लगे थे, जब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस साल मई में मीडिया को बयान दिया था कि सरकार गठन के लिए अपनाए जाने वाले कदमों का निर्णय करना चौधरी का काम नहीं है। इसके लिए पार्टी हाईकमान है।

खरगे ने यहां तक कहा कि या तो पार्टी के हाईकमान के फैसले का पालन करना होगा या बाहर निकलना होगा। खरगे के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, चौधरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य होने के नाते वह भी पार्टी के हाईकमान का हिस्सा हैं।

जाति जनगणना को लेकर भाजपा-कांग्रेस कर रही है नाटकबाजी: मायावती

एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा में जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस और भाजपा में हुई तीखी बहस को लेकर गुरुवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना को लेकर भाजपा-कांग्रेस नाटकबाजी कर रही, यह देश का एक गंभीर मुद्दा है। मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि मंगलवार को संसद में खासकर जाति व जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस व भाजपा आदि में जारी तकरार

नाटकबाज़ी तथा ओबीसी समाज को छलने की कोशिश है, क्योंकि इनके आरक्षण को लेकर दोनों ही पार्टियों का इतिहास खुलेआम और पर्दे के पीछे भी घोर ओबीसी-विरोधी रहा है। इन पर विश्वास करना ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि बसपा के प्रयासों से लागू हुई ओबीसी आरक्षण की तरह ही राष्ट्रीय जातीय जनगणना जनहित का एक खास गंभीर मुद्दा, जिसके प्रति केन्द्र सरकार का गंभीर होना जरूरी है। देश के विकास में करोड़ों गरीबों-पिछड़ों व बहुजनों का भी हक, जिसकी पूर्ति में जातीय जनगणना की अहम भूमिका।

बचपन

उल्लू और भूतों के सरदार का सपना

कहानी

जंगल में एक पुराना बरगद था। इस बरगद पर चिल्लू उल्लू का घर था। पेड़ के नीचे झनकू हाथी रहता था। दोनों के बीच इसी कारण से अच्छी दोस्ती हो गई थी। झनकू दिनभर जंगल में उधम करता। गन्ने खाता और सूँड भर-भर नहाता। चिल्लू भी दिनभर सोता। रात को जब झनकू हाथी पेड़ के नीचे लौटता तो इन दोनों दोस्तों के बीच अच्छी बातचीत होती

एक शाम झनकू हाथी घूमता-घामता आ रहा था कि एक जगह उसे कुछ भूत गपशप करते हुए दिखाई दिए। वे लोगों को डराने के लिए डरावनी योजनाएँ बना रहे थे। तभी भूतों के सरदार की नजर झनकू हाथी पर पघी। वह चिल्लाया- वह रहा..! वह रहा..! पकड़ो उसे।

कुछ भूत झनकू को पकड़ने दौड़े और कुछ ने पूछा- यह कौन है सरदार?

सरदार बोला- गई रात मैंने एक सपना देखा कि मैंने एक हाथी को पूरा खा लिया। यह हाथी बिलकुल मेरे सपने के हाथी से मिलता-जुलता है। आज मुझे यकीन हो गया कि सपने सच्चे होते हैं और आज मैं अपने सपने की बात को पूरा करूँगा।

भूतों ने हाथी को पकड़ लिया। झनकू हाथी का पाला भूतों से पहली बार पड़ा था इसलिए वह बहुत डर गया और कुछ नहीं कह पाया। हाथी ने जब देखा कि भूतों का सरदार और उसकी पत्नी उसे खाने के लिए उसकी तरफ आ रहे हैं तो उसके हाथ-पैर धूजने लगे।

तभी हाथी का मित्र चिल्लू चिल्लाता हुआ आ पहुँचा- यही है... यही है...। अरे बिलकुल यही है...और आकर अपने मित्र हाथी के सिर पर बैठ गया। चिल्लू की चेतावनी सुनकर भूतों का सरदार ठिठक गया। सरदार ने पूछा - अरे, उल्लू तुम किसके बारे में कह रहे हो और क्या कहना चाहते हो

उल्लू बोला - मैं भूतों की रानी के बारे में कह रहा हूँ। कल रात मैंने सपने में देखा कि एक भूतों की रानी से मेरी शादी हो गई और आपकी यह रानी मेरे सपनों की रानी से बिल्कुल मिलती-जुलती है, इसलिए अब मैं इससे विवाह करके अपने सपने को पूरा करूँगा

भूतों की रानी ने जैसे ही यह सुना - वह जोर से चिल्लाई, मैं किसी उल्लू से शादी नहीं करूँगी। भूतों का सरदार - घबराओ मत। रानी यह तो उल्लू है और उल्लूओं जैसी बात करता है। सपने भी कहीं सच होते हैं। देखो मैंने सपने में देखा था कि मैंने एक हाथी को खा लिया था, पर अब मैं इसे जाने दे रहा हूँ।

इतना सुनना था कि झनकू हाथी भाग निकला और फिर चिल्लू ने भूतों के सरदार से कहा कि - चलो, तुम्हारा सपना सच नहीं है, इसका मतलब कि मेरा भी सपना सच नहीं है। ऐसे सपने को भूल जाना ही अच्छा है। सरदार - तुम दिखते उल्लू हो पर बातें तो समझदारी की करते हो

उल्लू - ठीक है तो मैं चलता हूँ।

बिल्लू उड़कर बरगद के नीचे पहुँचा। यहाँ पहुँचकर चिल्लू खूब हँसा। आखिर आज उन्होंने भूतों को बेवकूफ जो बना दिया था। हाथी ने जान बचाने के लिए अपने मित्र का शुक्रिया किया। इस पर चिल्लू बोला - मित्रता में शुक्रिया की जरूरत नहीं होती मेरे दोस्त। हाथी बोला - तुम मेरे सच्चे साथी हो। उल्लू इस पर मुस्कुराया भर।

चूहे को महंगा पड़ा नशा छुड़ाना

एक चीता का गांजे का सुट्टा लगाने ही वाला था की अचानक एक चूहा वहां आया और बोला-

मेरे भाई छोड़ दो नशा, आओ मेरे साथ भागो देखो ये जंगल कितना खुबसूरत है, आओ मेरे साथ दुनिया देखो चीते ने एक लम्हा सोचा फिर चूहे के साथ दौड़ने लगा।

आगे एक हाथी अफीम पी रहा था, चूहा फिर बोला,

हाथी मेरे भाई छोड़ दो नशा, आओ मेरे साथ भागो, देखो ये जंगल कितना खुबसूरत है, आओ मेरे साथ दुनिया देखो

हाथी भी साथ दौड़ने लगा।

आगे शेर मिला जो दारू पीने की तैयारी कर रहा था, चूहे ने उसे भी वही कहा।

शेर ने ग्लास साइड पर रखा और चूहे को 5- 6 थप्पड़ मारे।

हाथी बोला, अरे ये तो तुम्हे ज़िन्दगी की तरफ ले जा रहा है, क्यों मार रहे हो इस बेचारे को ?

शेर बोला, यह कमीना पिछली बार भी बीना पीकर मुझे 3 घंटे जंगल मै घुमाता रहा।

बाल कविताएं

जीवन का आधार

खुशियों का संसार पेड़ हैं,
जीवन का आधार पेड़ हैं।
झील, कुएं झरने पर्वत पर,
नदियों में जलाधार पेड़ हैं।
जीवन का आधार पेड़ हैं॥
हवा औषधि बादल वर्षा,
सावन की फुहार पेड़ हैं।
मात-पिता सम पालन करते,
पूजा के हकदार पेड़ हैं।
जीवन का आधार पेड़ हैं॥
दुश्मन को भी छाया देते,
दया के भंडार पेड़ हैं।
इन्हें लगायें, इन्हें बचायें,
जीवन के करतार पेड़ हैं।
जीवन का आधार पेड़ हैं॥

खींचे कान

आंधी इधर-उधर तूफान,
गर्मी ने फिर खींचे कान।
कंबल, कोट, रजाई की,
उजड़ गयी सारी दूकान।
कर्फ्यू-सी लगती दुपहर,
गली-मुहल्ले हैं वीरान।
सूरज दादा ना छोड़ो
इतनी तेज धूप की तान।
कुल्फी-लस्सी, शरबत के,
भाते हैं अब तो सहगान।
आखिर क्यों नाराज हवा,
कहां गयी तेरी मुस्कान
धूल-पसीना, लू-लपटें,
सबकी है आफत में जान।

बंदर बाबू चले ससुराल

कंधे पर डालकर तिवाल
बंदर बाबू चले ससुराल।
एक हाथ में लिया सूटकेस
दूजे हाथ में लिया रूमाल।
सास-ससुर को करी नमस्ते
साले का भी पूछा हाल।
सासू जी के पास बैठकर
खूब खाया घी-शक्कर माल।
छुप-छुपाकर सुने बंदरिया
राजा का सारा हाल-चाल।

कौन रोता है किसी और की खातिर..

कभी खुद पे कभी हालात पे रोना आया
बात निकली तो हर एक बात पे रोना आया
हम तो समझे थे कि हम भूल गए हैं उनको
क्या हुआ आज, यह किस बात पे रोना आया
किस लिए जीते हैं हम किसके लिए जीते हैं
कई बार ऐसे सवालात पे रोना आया
कौन रोता है किसी और की खातिर ए दोस्त!
सबको अपनी ही किसी बात पे रोना आया

चुप्पी

जाने कितने किस्से थे बाबा की सधी हुई चुप्पी में
जाने कितनी यादें मां की
फटी-फटी आंखों में
कहने पर आते तो
गिरता कुछ अर्रा के
इसीलिए गीता में बाबा
चौपाई में अम्मा-बैठ गये थे जाके।

पहेली बुझो तो जाने

(1) कल बनता धड़ के बिना,
मल बनता सिर हीन।
थोड़ा हूं पैर कटे तो,
अक्षर केवल तीन।

(2) हाथ-पैर सब जुदा-जुदा,
ऐसी सूरत दे खुदा।
जब वह मूरत बन ठन आवे,
हाथ धरे तो राग सुनावे॥

(3) प्यार करूंतो घर चमका दूं,
वार करूंतो ले लूं जान?

(4) साथ ले चले तो
तुम्हारे काम आउंगा।
अगर भटक गए तो
तुम्हें दिशा दिखाउंगा?

(5) चुपके से मैं आती हूं,
तुमको रोज सुलाती हूं,
आहट पाकर सूरज की,
जल्दी से भाग जाती हूं?

उत्तर - (1) कमल, (2) हुक्का (3) बिजली (4) कम्पास दिशा सूचक यंत्र (5) रात

पुस्तकों की देखभाल

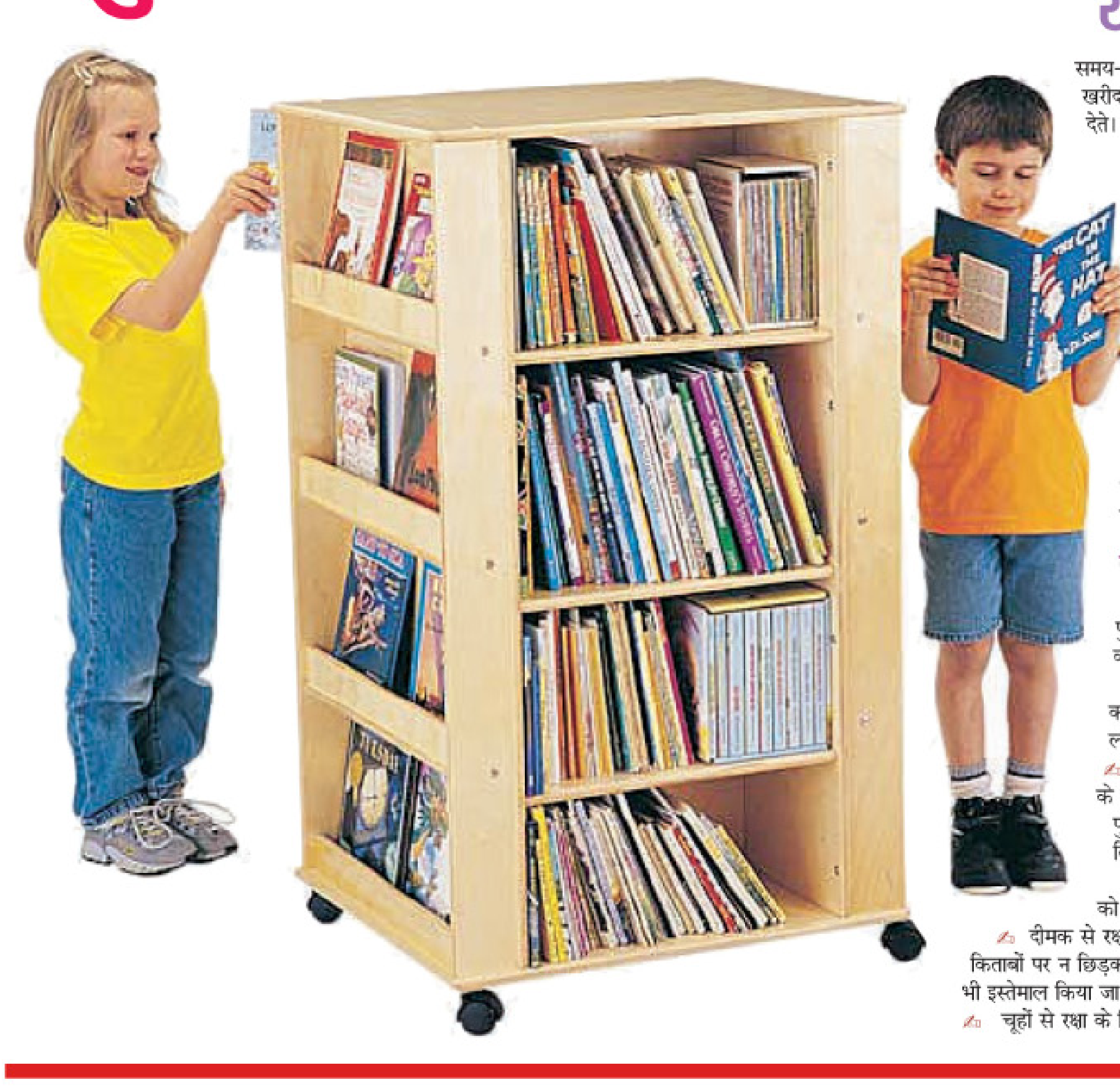

यह तो सभी जानते हैं कि पुस्तकों का हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान है। अच्छी पुस्तकें न केवल ज्ञान का भंडार होती हैं, अपितु एक अच्छी दोस्त भी होती हैं, जिन्हें हम समय-समय पर दुकानों से ही नहीं वरन् पुस्तक प्रदर्शनियों से भी खरीदते हैं और पढ़ने के बाद उनके रख-रखाव की ओर ध्यान नहीं देते।

जो लोग 'बुक-शेल्फ' या 'अल्मारी' में रखते भी हैं तो उसका रख-रखाव एवं देखभाल ठीक ढंग से नहीं कर पाते। नतीजा, कुछ दिनों बाद किताबें या तो गल जाती हैं, चूहों द्वारा कुतर दी जाती हैं या फिर दीमकों द्वारा चट्ट कर दी जाती हैं। यदि हम घर में रखी पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को उचित ढंग से देखभाल करते रहें तो उन्हें आजीवन सुरक्षित रखा जा सकता है। विशेष कर बरसात के दिनों में जब जलवायु में नमी की मात्र बढ़ जाती है तो अधिक नमी आने के बाद किताबों में सीलन आ जाती है या फफूंदी लगने का डर रहता है।

किताबों को सबसे अधिक क्षति, दीमक, झींगुरों तथा उन जैसे अन्य कीड़ों की वजह से भी होती है जो वास्तव में पुस्तकों के घोर शत्रु होते हैं और चूहे तो पुस्तकों के दुश्मन होते ही हैं, तो पेश है पुस्तकों के संरक्षण के लिए

कुछ टिप्स

- अत्यधिक सीलन के मौसम में कपड़े की जिल्द वाली पुस्तकों तथा चमड़े की जिल्द वाली पुस्तकों को प्रतिदिन मुलायम कपड़े से पोछना चाहिए।
- फफूंद तथा मकड़ी आदि से रक्षा के लिये 'शिर्लन पाउडर' का पेस्ट 'टेट्रा' क्लोराइड में मिलाकर सीधे किताबों के कवर पर लगाया जाना चाहिए।
- बरसात में झींगुरों की संख्या बढ़ जाती है अतः इससे बचाव के लिए 'क्लोरोडेन लिक्विड' को मिट्टी के तेल के साथ मिलाकर पुस्तकों के निकट (पुस्तकों के ऊपर नहीं) छिड़कने से इसके विषकारी प्रभाव के कारण झींगुर नहीं आ पाते।
- सफेद कीट (सिल्वर फिश) से रक्षा के लिए 'डी.डी.टी.' को 'मिट्टी' के तेल में मिलाकर (घोल) छिड़कना चाहिए।
- दीमक से रक्षा के लिए पैराडाइक्लोरो बेनजीन पाउडर का इस्तेमाल करें, इसे किताबों पर न छिड़क कर उसके आस-पास छिड़कना चाहिए या कॉपर नेफ्थनेट का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
- चूहों से रक्षा के लिए नेफ्थलीन पाउडर पुस्तकों पर छिड़कना चाहिए।

पेरिस ओलंपिक बैडमिंटन: ग्रुप स्टेज में अजेय रहे सात्विक-चिराग, इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

एजेंसी

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने ला चैपल एरेना में पेरिस ओलंपिक 2024 बैडमिंटन स्पर्धा के ग्रुप सी में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो पर 21-13, 21-13 से जीत दर्ज की। इस जीत ने ग्रुप विजेता के रूप में सात्विक-चिराग की प्रगति पर मुहर लगा दी है। फ्रांसीसी जोड़ी रोनन लाबर और लुकास कोरवी के ग्रुप चरण के दोनों मुकाबले हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने पहले ही क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ला चैपल एरेना के कोर्ट 3 पर आयोजित इस मैच में आक्रामक और अथक शैली का प्रदर्शन किया गया जो भारतीय जोड़ी की पहचान बन गई है। भारतीय जोड़ी को अपने असाधारण कौशल और लचीलेपन का प्रदर्शन करते हुए दुनिया की छठे नंबर की इंडोनेशियाई टीम को मात देने में सिर्फ 40 मिनट लगे। पेरिस की भीषण गर्मी और अर्दिएंटो और अल्फियान द्वारा पेश की गई कड़ी चुनौती के बावजूद, भारतीय जोड़ी ने पूरे मैच के दौरान अपना ध्यान और तीव्रता बनाए रखी।

भारतीय ट्रैप निशानेबाज पृथ्वीराज टोंडिमान क्वालिफिकेशन राउंड में 21वें स्थान पर रहे

पेरिस। भारत के पृथ्वीराज टोंडिमन ने आखिरी दो राउंड में परफेक्ट 25 का स्कोर किया, लेकिन यहां पुरुषों की ट्रैप शूटिंग स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में 21वें स्थान पर रहे। टोंडिमान ने पांच राउंड में संभावित 125 शॉट्स में से 118 के समग्र स्कोर के साथ 30 निशानेबाजों के बीच 21वां स्थान हासिल किया, शीर्ष छह निशानेबाजों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। 37 वर्षीय टोंडाइमन ने पांच राउंड में 22, 25, 21, 25 और 25 का स्कोर किया, जिनमें से तीन यहां चेटेउरौक्स शूटिंग सेंटर में क्वालीफिकेशन के दूसरे दिन आयोजित किए गए। क्वालिफिकेशन राउंड के पहले दिन, पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में एकमात्र भारतीय निशानेबाज टोंडिमान ने 22, 25 और 21 का स्कोर हासिल किया था, लेकिन 30वें स्थान पर रहे।

डूरंड कप 2024: चेन्नईयिन एफसी ने 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने 27 जुलाई से 31 अगस्त तक होने वाले डूरंड कप के 133वें संस्करण के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की। चेन्नईयिन की टीम भारतीय सेना के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। सहायक कोच नोएल विल्सन, जो नए सीज़न से पहले ओवेन कोयल के कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए, ने कहा, यह एक बहुत अच्छी टीम है क्योंकि इसमें आईएसएल टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और रिजर्व टीम के खिलाड़ियों का मिश्रण है और जिन खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, उन्हें डूरंड कप में चेन्नईयिन एफसी का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। चेन्नईयिन एफसी को इंडियन सुपर लीग की ओर से जमशेदपुर एफसी के साथ-साथ सशस्त्र बलों की भारतीय सेना और असम राइफल्स के साथ ग्रुप डी में शामिल किया गया है। ग्रुप चरण के सभी छह खेल जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होंगे, जिसके बाद ग्रुप विजेता और, संभवतः, दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम, नॉकआउट चरण में आगे बढ़ेगी। मरीना मचान्स अपने पहले मैच के बाद 4 अगस्त को जमशेदपुर एफसी से भिड़ेंगे और 11 अगस्त को असम राइफल्स के खिलाफ अपने ग्रुप चरण का समापन करेंगे।

चेन्नईयिन पहले 2022 और 2023 में डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी, और इस बार अपने पिछले प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश कर रही है, सहायक कोच विल्सन के अनुसार, हम वहां गेम जीतने के लिए जा रहे हैं। हम वहां हिस्सा लेने नहीं जा रहे हैं। एक टीम के रूप में, हम मैदान पर, मैदान के बाहर एक साथ रहेंगे। एकता होने वाली है। हम मैदान पर जाकर लड़ेंगे और अपना 100 प्रतिशत देंगे।

एक ही ओलंपिक संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं मनु भाकर

नई दिल्ली। मनु भाकर एक ही ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय महिला बन गईं, जब उन्होंने पेरिस ओलंपिक में दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर 10 मीटर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ कांस्य पदक जीता। उन्होंने इससे पहले 2024 पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ भारत का खाता खोला था। मनु भाकर से पहले नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 के ओलंपिक खेल में एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि तब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। जबकि मनु ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनीं हैं। प्रिचर्ड के बाद (आज से पहले) कोई भी भारतीय एथलीट एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने में कामयाब नहीं हुआ था। वैसे कुछ भारतीय एथलीट हैं जिन्होंने अपने करियर में ओलंपिक खेलों में दो पदक जरूर जीते हैं। इनमें सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) शामिल हैं। सुशील कुमार ने लंदन 2012 में रजत पदक और उससे पहले बीजिंग 2008 खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसी प्रकार बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू ने रियो ओलंपिक में रजत पदक और टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता था।

मेंडिस की जगह असलांका बने श्रीलंका के वनडे कप्तान

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले अपने वनडे कप्तान कुसल मेंडिस के स्थान पर टी-20 कप्तान चरिथ असलांका को नियुक्त किया है। 27 वर्षीय मध्यक्रम बल्लेबाज असलांका श्रीलंका के वाइट-बॉल कप्तान बनेंगे, क्योंकि पिछले सप्ताह उन्हें टी20 कप्तान भी बनाया गया था। जून में टी20 विश्व कप से श्रीलंका के जल्दी बाहर होने के बाद वानिंदु हसरंगा के इस्तीफे के बाद असलांका को टी20 की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आगामी सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट द्वारा घोषित 16 सदस्यीय वनडे टीम में मेंडिस को शामिल किया गया है। तीन मैचों की वनडे सीरीज 2 अगस्त से कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेली जाएगी।

श्रीलंका की एकदिवसीय टीम-

चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेलालेज, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, अकिला धनंजय, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना और असिथा फर्नांडो।

पेरिस ओलंपिक : नोवाक जोकोविच ने नडाल को हराया

एजेंसी

पेरिस। नोवाक जोकोविच ने यहां पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी राफेल नडाल पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। यह दोनों महान टेनिस खिलाड़ियों के बीच 60वां और संभवतः आखिरी मुकाबला था।

जोकोविच ने शुरुआती 11 में से 10 गेम जीते, जबकि नडाल अपने उस कुशल और हमेशा जोश से भरे प्रदर्शन के आसपास भी नहीं थे, जिसकी बदौलत उन्होंने रोलांड गैरोस में इसी लाल मिट्टी पर रिकॉर्ड 14 फ्रेंच ओपन ट्रॉफी जीती थीं। 38 वर्षीय नडाल कमजोर दिखे और ऐसा लग रहा था कि वह पिछले दो सीज़न में कई चोटों और हिप सर्जरी के कारण बहुत कम खेलने के बाद अब रिटायरमेंट की ओर बढ़ रहे हैं। फिर अचानक, नडाल ने इस मुकाबले को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए जोरदार प्रयास किया और दूसरे सेट में लगातार चार गेम जीते, जिसमें फोरहैंड विनर भी शामिल

था, जिससे स्कोर 4-4 हो गया। हालांकि इसके बाद जोकोविच ने वापसी की और सेट के साथ मैच भी अपने नाम किया। जोकोविच के पास 24 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं, और नडाल के पास 22, जो खेल के सौ साल से ज़्यादा के इतिहास में पुरुषों के दो सबसे ज़्यादा खिताब हैं, दोनों को नंबर 1 रैंक दिया गया है, और पेशेवर युग में पुरुषों की कोई भी जोड़ी एक-दूसरे के साथ इतनी बार नहीं खेली है।

दोनों पुरुष टेनिस के तथाकथित बिग थ्री के दो खिलाड़ी हैं, इस सूची के तीसरे खिलाड़ी रोजर फेडरर हैं, जिन्होंने 20 स्लैम खिताब के साथ संन्यास लिया।

पेरिस ओलंपिक : भारतीय तीरंदाज धीरज पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा के शूट-ऑफ में हारे

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी में भारत के लिए उलटफेर का सिलसिला जारी रहा, जब युवा तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा को पुरुषों की व्यक्तिगत 1/16 स्पर्धा में हार का सामना करना पड़ा।

कनाडा के एरिक पीटर्स और धीरज ने रोमांचक ड्रॉ खेला, जिसने प्रशंसकों को अपनी सीटों पर बांधे रखा। दोनों तीरंदाजों के धनुष से 10 की बारिश हो रही थी, जिसके कारण दोनों तीरंदाजों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ। धीरज करीब पहुंचे, लेकिन अंत में बहुत दूर गिर गए, जिससे उनका इवेंट से बाहर होना तय हो गया।

पहले सेट की शुरुआत धीरज के 10 अंकों से हुई जो दोनों तीरंदाजों के बीच का अंतर साबित हुआ। धीरज ने बढ़त बनाई लेकिन पीटर्स ने अपनी सटीकता पर भरोसा करते हुए वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट की शुरुआत पीटर्स ने तीन 9 अंक लगाए जबकि धीरज ने दो 10 अंक लगाए और तीसरा सेट अपने नाम कर

लिया। चौथे सेट में दोनों तीरंदाजों ने प्रत्येक शॉट पर 10 अंक बनाए और एक-एक अंक अपने नाम किया। धीरज अगले दौर में अपनी जगह पक्की करने से एक कदम दूर थे लेकिन अपने अंतिम शॉट में 9 अंक हासिल करने के कारण पीटर्स ने गेम को शूट-ऑफ में धकेल दिया। दोनों तीरंदाजों ने 10-10 अंक बनाए, लेकिन पीटर्स का तीर केंद्र के करीब था, जिससे वह अगले दौर में पहुंच गए और एकल स्पर्धा में धीरज का सफर खत्म हो गया।

इस बीच, महिलाओं की स्पर्धा में भारत की शीर्ष तीरंदाज भजन कौर ने पोलैंड की अनुभवी वायलेटा मिजसोर को महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। भजन के लिए यह क्लीन स्वीप था, क्योंकि उन्होंने राउंड ऑफ 32 में 6-0 की जीत के साथ मिजसोर को बाहर कर दिया। शुरुआती सेट में उन्होंने 10, 9, 9 अंक बनाकर 29 अंक बनाए।

जवाब में पोलिश तीरंदाज अपने पहले शॉट में लड़खड़ा गईं और 8 अंक बनाए। उन्होंने लगातार दो नौ अंक बनाए और पहले सेट में केवल 26 अंक ही बना सकीं।

दूसरे सेट में भजन ने अपने पहले दो शॉट में लगातार 10 अंक बनाए और मिजसोर की पकड़ से दूसरा सेट छीनकर 4-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में, माइज़ोर ने अपने अंतिम शॉट में पांच शॉट लगाए, जिससे वह प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

पेरिस ओलंपिक: बॉक्सिंग में अमित पंघल के बाद जैस्मीन लेम्बोरिया को मिली हार

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 के बॉक्सिंग इवेंट में भारत को दो जोरदार झटके लगे हैं। पदक की उम्मीदों का बोझ संभाले दो भारतीय बॉक्सर अमित पंघाल और जैस्मिन लम्बोरिया को अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा है। 57 किग्रा भार वर्ग के राउंड ऑफ 32 में भारत की जैस्मिन लम्बोरिया को हार झेलनी पड़ी है। अपना पहला ओलंपिक खेल रही जैस्मिन के लिए शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही मैच में उन्हें टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता फिलिपिंस की नेस्टी पैटेकिये ने मात दी। जैस्मिन को 0-5 से मुकाबले में हार मिली। वहीं, इससे पहले पुरुषों के बॉक्सिंग मुकाबले में अमित पंघाल के रूप में भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। अमित पंघाल पुरुषों के 51 किग्रा राउंड ऑफ 16 बाउट में जाम्बिया के पैट्रिक चिनयेम्बा से 1-4 से हार गए। उनको भी अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। अमित अच्छी शुरुआत नहीं कर पाए और पहले राउंड में मिली हार के बाद वो कमबैक नहीं कर पाए। पैट्रिक चिनयेम्बा ने अमित को 4-1 के अंतर से हराया। अमित पंघाल का यह दूसरा ओलंपिक गेम्स था।

सुपर ओवर में जीती टीम इंडिया, टी20 श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

नई दिल्ली। तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के तीसरे और आखिरी मुकाबले को भारत ने सुपर ओवर में जीत लिया है। इसी के साथ भारत ने श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया है। सुपर ओवर में भारत के सामने मात्र 3 रन का लक्ष्य था, जिसे पहली ही गेंद पर चौका जड़कर सूर्यकुमार यादव ने हालिस कर लिया जबकि भारत की ओर से सुपर ओवर में वाशिंगटन सुंदर ने गेंदबाजी कर और मात्र दो रन देकर दो बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। इससे पहले, टॉस हारकर भारत ने बल्लेबाजी की और 9 विकेट खोकर 137 रन बनाए। श्रृंखला में पहली बार टीम इंडिया की बल्लेबाजी लड़खड़ाई थी। टीम के लिए शुभमन गिल ने 39 रन, रियान पराग ने 26 रन और वाशिंगटन सुंदर ने 25 रन

बनाए।जबकि श्रीलंका के लिए महीश तीक्ष्णा ने तीन विकेट और वनिंदु हसरंगा ने दो विकेट चटकाए। वहीं विक्रमसिंघे, असिथा फरनांडो और रमेश मेंडिस को एक-एक सफलता मिली। भारत के 138 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम भी निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 137 रन ही बना सकी। श्रीलंका के लिए कुसल परेला ने 46, कुसल मंडिस ने 43 और पथुम निशंका ने 26 रन की पारी खेली। भारत की ओर से चार स्पिनर्स ने दो-दो विकेट चटकाए। इनमें वाशिंगटन सुंदर, रवि विश्नोई, रिंकू सिंह और सूर्यकुमार यादव रहे। रिंकू और सूर्या ने मात्र एक-एक ओवर किया।

पेरिस ओलंपिक: जीत के साथ रिकर्व तीरंदाजी के अगले दौर में पहुंचीं भजन कौर, अंकिता भकत हार कर बाहर

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में महिला तीरंदाजी के खेल में दिन भारत के लिए खुशी और गम दोनों का मौका रहा। जहां शीर्ष भारतीय तीरंदाज भजन कौर ने प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई, वहीं अंकिता भकत कौर को हार का सामना करना पड़ा।

भजन कौर ने राउंड ऑफ़ 16 एलिमिनेशन राउंड में पोलैंड की वियोलेटा मैसज़ोर पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। भजन ने शुरुआत से ही प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाये रखा और मैच को सीधे सेटों में 6-0 से जीत लिया। इस जीत के साथ ही वो प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 45वीं वरीयता प्राप्त भजन कौर ने तीन सेटों में 28, 29, 28 का स्कोर बनाकर गेम अपने नाम किया। भजन कौर की जीत की खुशी के बीच भारतीय तीरंदाजी यूनिट में अंकिता

भकत कौर की हार से निराशा भी साफ दिख रही थी। पोलैंड की वियोलेटा मैसज़ोर के खिलाफ गेम में एक समय अंकिता ने लगभग लगभग मैच को अपनी मुट्ठी में कर ही लिया था लेकिन आखिरी के समय में थोड़ी चूक ने परिणाम बदल दिए। 4-2 की बढ़त से आगे चल रही अंकिता अंतिम दो सेट हार गईं और वियोलेटा मैसजोर में 4-6 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वियोलेटा अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर गईं।

पेरिस ओलंपिक: भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार राउंड ऑफ 16 में हारीं

एजेंसी

पेरिस। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार की देश के लिए ओलंपिक पदक लाने की उम्मीदें उस समय खत्म हो गईं जब कोलंबिया की मुक्केबाज येनी मार्सेला एरियस कास्टानेडा ने महिलाओं की 54 किलोग्राम भारवर्ग के राउंड ऑफ 16 में उन्हें हरा दिया। एक बार फिर, एक भारतीय एथलीट पदक के करीब तो आया, लेकिन अगले दौर में जगह बनाने से चूक गया। प्रीति की पदक जीतने की असफल कोशिश कास्टेनेडा के खिलाफ पहले दौर में उनके प्रदर्शन के कारण हुई। कोलंबिया की मुक्केबाज ने प्रीति पर दबदबा बनाया, जिसके परिणामस्वरूप पांच में से चार जजों ने कास्टेनेडा को दस अंक दिए। प्रीति ने दूसरे दौर में कास्टेनेडा पर बढ़त बना ली, जबकि दूसरे दौर के बाद जजों के तीन दस अंक उसके पक्ष में गए। तीसरे और अंतिम दौर में, यह एक करीबी मुकाबला साबित हुआ, लेकिन भारतीय मुक्केबाज को हार

का सामना करना पड़ा। वह एक कड़ी टक्कर में विभाजित निर्णय से 2:3 से हार गईं। भारत को पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग में मुक्केबाजी में हार का सामना करना पड़ा। फिलीपींस की नेस्टी पेटेसियो ने महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग के राउंड ऑफ 32 के मैच में भारतीय मुक्केबाज जैस्मीन लैम्बोरिया को हराया।

प्रीति की तरह जैस्मीन के लिए भी मुकाबला सही तरीके से शुरू नहीं हुआ, क्योंकि वह पहले राउंड के अंत में पिछड़ रही थीं। पांच में से चार जजों ने फिलीपींस की मुक्केबाज को दस अंक दिए। दूसरे राउंड में पेटेसियो ने भारतीय मुक्केबाज पर अपना दबदबा बनाए रखा। वह दूसरे राउंड में सहज दिखीं और अंत में सभी पांच जजों ने उन्हें दस अंक दिए। तीसरे और अंतिम राउंड में जैस्मीन को पूरे मुकाबले को अपने पक्ष में करने के लिए संघर्ष करना पड़ा और अंत में वह 0:5 अंकों से मैच हार गईं। अमित पंघाल भी पुरुषों के 51 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 16 चरण में हार के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए। अमित जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से 1-4 से हार गए। शुरुआती राउंड में अमित ने बहुत आक्रामक रुख अपनाया और दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर मुक्के बरसाए। लेकिन तीसरे राउंड में जजों ने पूरी तरह से जाम्बियन मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया और वह 1-4 के विभाजित निर्णय से जीत गए।

पेरिस ओलंपिक: भारत, बेल्जियम हॉकी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

पेरिस। चल रहे पेरिस ओलंपिक में पूल बी में अर्जेंटीना की न्यूजीलैंड पर जीत और बेल्जियम की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद भारत और बेल्जियम ने नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर 2-0 की व्यापक जीत दर्ज करके देश की तालिका में एक पदक जोड़ने की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया।

देर रात को अर्जेंटीना द्वारा न्यूजीलैंड पर 2-0 की जीत दर्ज करने के बाद भारत का क्वार्टर फाइनल में स्थान सुनिश्चित हो गया। अर्जेंटीना की जीत के बाद, भारत कुछ समय के लिए पूल बी में शीर्ष पर पहुंच गया।

बेल्जियम ने अंततः ऑस्ट्रेलिया को 6-2 हराकर भारत को शीर्ष से अपदस्थ कर दिया। शानदार जीत के साथ, बेल्जियम ने क्वार्टर फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। बेल्जियम के

परिणाम के बाद, भारत तीन मैचों में सात अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। पेरिस ओलंपिक में बेल्जियम के दोषरहित प्रदर्शन ने उन्हें तीन मैचों में नौ अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंचने में मदद की। भारत ने न्यूजीलैंड पर 3-2 की रोमांचक जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अर्जेंटीना के खिलाफ अपने दूसरे मैच में देर से गोल करके एक अंक बचाया।

ओलंपिक 2024 में शामिल नहीं होने पर मुरली श्रीशंकर ने कहा- मैं पेरिस मिस कर रहा हूं

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष लंबी कूद एथलीट और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मुरली श्रीशंकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 से चूकने को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर रहने वाले श्रीशंकर को पिछले महीने अपने गृहनगर पलक्कड़ में प्रशिक्षण के दौरान बाएं घुटने में चोट लग गई थी। कई परामर्शों और परीक्षणों के बाद उन्होंने सर्जरी का विकल्प चुना, इसलिए उन्होंने खुद को इस प्रतिष्ठित बहु-खेल प्रतियोगिता से बाहर कर लिया। चोट लगने के बाद 25 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सप्ताह दोहा, कतर में घुटने की सफल सर्जरी कराई, जिसके कारण वह चल रहे मेगा इवेंट से बाहर हो गए। जियो सिनेमा और स्पोर्ट्स 18 के ओलंपिक विशेषज्ञ मुरली श्रीशंकर ने एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे ओलंपिक के लिए पेरिस में होने की याद आती है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन मेरे पास खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखने और अगले ओलंपिक के लिए वापस आने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है, जो लॉस एंजिल्स में है।

कोकराझार में 133वां इंडियनऑयल डूरंड कप आरंभ

कोकराझार (असम)। 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप का आगाज आज कोकराझार के एसएआई स्टेडियम में हुआ। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंटों में से एक का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भूटान के पूर्व प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग ने किया। इस मौके पर बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो, असम सरकार के मंत्री यूजी ब्रह्म, मिजोरम सरकार के मंत्री लालनघिंगलोवा, गोविंदा बसुमतारी, राजेश नांबियार, सेना के ले.ज. राम चंद्र तिवारी,, एयर मार्शल एसपी धारकर, ले.ज. आरसी श्रीकांत, मेजर जनरल राजेश अरुण मोघे समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 पैरा स्पेशल फोर्सेज द्वारा स्काईडाइविंग प्रदर्शन से हुई, जिसके बाद सेना के हेलीकॉप्टरों ने एक आकर्षक फ्लाई-पास्ट का प्रदर्शन किया। इस दौरान जीवंत सांस्कृतिक झांकी प्रदर्शित की गई। सांस्कृतिक प्रदर्शन में सैन्य और स्थानीय नृत्यों का मिश्रण शामिल था, जिसमें चेंडा, कलारीपयट्टू, भांगड़ा, बिहू, बागरुम्बा और गारो नृत्य शामिल थे, साथ ही प्रसिद्ध 12 ग्रेनेडियर्स जैज़ बैंड की भी प्रस्तुति हुई।

उद्घाटन मैच में गुवाहाटी की नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने स्थानीय टीम बोडोलैंड एफसी पर जीत हासिल की, क्योंकि दूसरे हाफ में जितिन एमएस और अंकित के गोलों

ने इंडियन सुपर लीग की टीम को ग्रुप ई में पूरे तीन अंक दिलाए, जिससे कोकराझार में एक रोमांचक मुकाबले की तैयारी हो गई। कोकराझार ग्रुप ई की मेज़बानी करेगा, जिसमें आईएसएल की टीमें नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और एफसी गोवा, स्थानीय टीम बोडोलैंड एफसी और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स फुटबॉल टीम शामिल हैं। सभी मैचों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जा रहा है और सोनीलिव ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा। डूरंड कप में नेपाल की एक सर्विस टीम सहित 24 टीमें भाग लेंगी, जो चार मेजबान शहरों- कोकराझार, शिलांग, जमशेदपुर और कोलकाता में 43 मैचों में भाग लेंगी। ग्रैंड फिनाले 31 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में आयोजित किया जाएगा।

इधर कृति सेनन का स्मोकिंग Video आया, उधर एक्ट्रेस की मां का पुराना ट्वीट को हो गया वायरल

ग्रीस में हॉलीडे मनाती कृति सेनन का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. बताया जा रहा है कि कृति अपनी बहन नूपुर सेनन और यूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. 27 जुलाई को कृति का बर्थडे था. तब से ही ग्रीस से उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सामने आ चुके हैं.वायरल हुए वीडियो में से एक में कृति सिगरेट पीती हुईं भी नज़र आईं और उनके स्मोकिंग वाले वीडियो पर इंटरनेट पर चर्चा होने लगी. इस बीच कृति की मां का एक पुराना ट्वीट भी वायरल होने लगा, जो उन्होंने कृति और सिगरेट को लेकर किया था. इस ट्वीट के स्क्रीनशॉट को एक रेडइट यूज़र ने शेयर किया है.

दरअसल कुछ वक्त पहले एक फैन ने कृति सेनन की एक तस्वीर शेयर की थी. वो तस्वीर फिल्म बरेली की बर्फी का था. तस्वीर में कृति बैठी हुई दिख रही हैं और सिगरेट पी रही हैं. तस्वीर शेयर करते हुए फैन ने साफ किया था कि ये बस एक फिल्म के लिए था. लोग इसके बारे में झूठी अफवाह न फैलाएं. इस पोस्ट पर कृति सेनन की मां गीता सेनन ने रिप्लाई किया था. उन्होंने लिखा था, वो हमेशा से सिगरेट पीने के खिलाफ रही है (एंटी स्मोकिंग). और हमेशा अपने आस पास के लोगों से सिगरेट छोड़ने को कहती रहती है.

कृति के सपोर्ट में उतरे लोग

एक तरफ जहां लोग कृति सेनन को स्मोकिंग वाले वीडियो को लेकर ट्रोल कर रहे हैं, वहीं कई लोग उनको सपोर्ट करते भी दिखाई दे रहे हैं. कई लोग कह रहे हैं कि अगर वो छुट्टियों में स्मोकिंग कर रही है तो इसमें इतनी बड़ी बात क्या हो गई. यही नहीं कुछ लोग तो इस बात की भी आलोचना कर रहे हैं कि सेलेब्स की प्राइवेसी का इस तरह उल्लंघन करना सही नहीं.

कौन हैं कबीर बहिया ?

कबीर बहिया को पहले भी कृति सेनन के साथ छुट्टियों पर देखा गया है. अब कृति के 34वें बर्थडे पर वो साथ दिखाई दिए हैं. कबीर एक यूके बेस्ड बिजनेसमैन हैं. इससे पहले वो न्यू ईयर के मौके पर भी कृति सेनन और नुपूर सेनन के साथ दुबई में वेकेशन मनाते दिखाई दिए थे. बताया जाता है कि नुपूर ने ही कृति को कबीर से मिलवाया था. उन्हें महेंद्र सिंह धोनी का करीबी बताया जाता है और वो खुद भी स्कूल लेवल पर क्रिकेटर रहे हैं.

कृति की आने वाली फिल्में ?

शहजादा, आदिपुरुष और गणपत जैसी फ्लॉप फिल्में देने के बाद कृति सेनन, शाहिद कपूर के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नज़र आई थीं. उनकी ये फिल्म हिट रही थी. इसके बाद वो करीना कपूर खान और तब्बू के साथ क्रू में नज़र आईं, जो कि अच्छा बिज़नेस करने में कामयाब रही थी. आने वाले दिनों में कृति के पास तीन बड़े प्रोजेक्ट हैं. इनमें अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर हाउसफुल 5, वरुण धवन की भेड़िया 2 और काजोल के साथ दो पत्ती शामिल है.

रणबीर कपूर की 'रामायण' में अमिताभ बच्चन के दामाद की ग्रैंड एंट्री!

नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर काफी बज देखने को मिल रहा है. फिल्म को लेकर दर्शक भी काफी एक्साइटेड हैं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, तो वहीं उनके साथ माता सीता के रोल में साई पल्लवी दिखाई देंगी. फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है. इसके साथ ही फिल्म में लगातार नए-नए एक्टर्स की एंट्री भी हो रही है. अब फिल्म में आमिर खान के को-एक्टर कुणाल कपूर की एंट्री हो गई है.रिपोर्ट्स के मुताबिक 'रामायण' में कुणाल कपूर ने अपने रोल के लिए रिहर्सल और कॉस्ट्यूम ट्रायल भी शुरू कर दिया है. हालांकि कुणाल के किरदार के बारे में अभी बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है. लेकिन ये खुलासा किया गया है कि उन्होंने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है. इस फिल्म में साउथ स्टार यश भी नजर आएंगे. वो रावण की भूमिका में दिखेंगे. इसके अलावा लारा दत्ता कैकेयी का रोल करती दिखाई देंगी. अरुण गोविल दशरथ बनेंगे.

शूट शेड्यूल तैयार

बताया जा रहा है कि फिल्ममेकर्स ने इसे दो पार्ट्स में बनाने का फैसला किया है. हालांकि फिल्म के दूसरे पार्ट को फ्लोर पर लाने से पहले इसके पहले पार्ट के रिजल्ट का इंतजार किया जा रहा है. शूटिंग की बात करें तो टीम ने रामायण के लिए 350 दिनों का शूट शेड्यूल तैयार किया है, जिसमें स्टारकास्ट के साथ-साथ उनके सिंगल सीक्वेंस के सीन भी शामिल हैं. फिल्म की शूटिंग को दिसंबर 2025 तक खत्म करने का प्लान बनाया गया है.

कुणाल कपूर

कुणाल कपूर सिद्धार्थ आनंद और सैफ अली खान की 'ज्वेल थीफ-द रेड सन चैप्टर' में भी दिखाई देंगे. उन्होंने हाल ही में इसकी शूटिंग पूरी की है. इसके अलावा उनके पास चिरंजीवी की फिल्म 'विश्वम्भरा' और आमिर खान प्रोडक्शंस की भी एक फिल्म है. इन फिल्मों के अलावा, वो एक एक्शन वेब सीरीज में भी काम करने वाले हैं. कुणाल कपूर रिश्ते में अमिताभ बच्चन के दामाद लगते हैं. क्योंकि वो उनके भाई अजिताभ बच्चन की बेटी नैना बच्चन के पति हैं.

रणबीर कपूर

रणबीर कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास 'रामायण' के अलावा भी कई प्रोजेक्ट्स हैं. इनमें 'एनिमल पार्क' और 'लव एंड वॉर' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं. पिछली बार वो संदीप रेड्डी वांगा की 'एनिमल' में दिखे थे. उनकी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर राज करते हुए जबरदस्त कमाई की थी. अब देखना होगा कि उनकी अपकमिंग फिल्में क्या कमाल दिखाती हैं और कितना बिजनेस करती हैं.

Kalki में मिला जिसे छोटा सा रोल, वो प्रभास के साथ इस बड़ी फिल्म में बनेंगी लीड एक्ट्रेस

फिल्म कल्कि 2898 एडी से प्रभास ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो रियल पैन इंडिया स्टार हैं. भले ही उनकी पिछली कुछ फिल्में कमाल न दिखा पाई हों, लेकिन प्रभास का स्टारडम हमेशा ऊपर ही रहा. कल्कि के बाद प्रभास ने अपनी अगली फिल्म राजा साब की पहली झलक भी शेयर कर दी है. इस बीच उनके एक और प्रोजेक्ट पर बड़ी खबर सामने आई है. दरअसल प्रभास के आने वाले प्रोजेक्ट में निर्देशक हनु राघवपुडी की फिल्म भी शामिल है. अब इस फिल्म की हिरोइन पर बड़ा अपडेट आ गया है.123 तेलुगु डॉट कॉम ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि प्रभास के इस प्रोजेक्ट में लीडिंग लेडी के तौर पर मृणाल ठाकुर को साइन किया गया है. मृणाल ठाकुर की प्रभास के साथ ये दूसरी फिल्म होगी क्योंकि वो कल्कि 2898 एडी में भी नज़र आई थीं. उन्होंने दिव्या का रोल निभाया था, जो कि बेहद छोटा था और फिल्म में प्रभास और मृणाल ने स्क्रीन भी शेयर नहीं किया था. पर जो फैंस इस बात से निराश थे कि प्रभास और मृणाल एक साथ नहीं दिखे, उनकी निराशा आशा में बदलने वाली है. हनु राघवपुडी की फिल्म में प्रभास और मृणाल को रोमांटिक जोड़ी के तौर पर दिखाया जाएगा.

रश्मिका-जान्हवी को छोड़ा पीछे

प्रभास की ये फिल्म एक पीरियड ड्रामा होने वाली है, जो ब्रिटिश काल पर बेस्ड होगी. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का नाम फौजी होगा और इसमें प्रभास फौजी का ही किरदार करने वाले हैं. बताया जा रहा है कि अक्टूबर में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी. कुछ रिपोर्ट में बताया गया है इस फिल्म के लिए हीरोइन की रेस में जान्हवी कपूर और रश्मिका मंदाना का नाम भी सामने आया था. हालांकि लेटेस्ट रिपोर्ट से साफ है कि मृणाल ने बाज़ी मार ली है. सीता रामम समेत पिछली कुछ फिल्मों में मृणाल ठाकुर ने जिस तरह का अभिनय कौशल दिखाया है, उसे देखते हुए निर्देशक ने उनके नाम पर मुहर लगाई है.

मृणाल ठाकुर की पिछली कुछ फिल्में

मृणाल ठाकुर का करियर ग्राफ देखेंगे तो आप भी हैरत में पड़ जाएंगे. मृणाल ने अपना करियर छोटे पर्दे से शुरू किया था. वो जी टीवी के शो कुमकुम भाग्य में नज़र आई थीं. हालांकि वो टीवी तक ही सीमित नहीं रहीं और उन्होंने फिल्मों का रुख किया. उन्होंने फिल्म लव सोनिया से बॉलीवुड में कदम रखा और फिर एक के बाद एक कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहीं. 32 साल की होने वाली मृणाल ने 2019 में ऋतिक रोशन के साथ सुपर 30 की. उसी साल वो जॉन अब्राहम के साथ बाटला हाउस में भी दिखीं.

छोड़ हॉलीवुड पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा को 20 साल बाद अचानक क्यों याद आए अक्षय कुमार और सलमान खान?

बॉलीवुड से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली प्रियंका चोपड़ा अब पूरी तरह से हॉलीवुड में अपनी जगह बना चुकी हैं. साल 2017 में प्रियंका ने ड्वेन जॉनसन की फिल्म बेवॉच से अपना हॉलीवुड सफर शुरू किया था. उसके बाद मानों उन्होंने वहां कि इंडस्ट्री में ही खुद को जमाने की कोशिशें शुरू कर दी. बाद में वेब सीरीजड क्वांटिको में लीड रोल निभाने वाली प्रियंका इंटरनेशनली छा गईं. हालंकि प्रियंका बीच बीच में कुछ देसी फिल्में भी करती रही हैं. अब सालों बाद प्रियंका ने अक्षय कुमार और सलमान खान की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं. जानते हैं इसके पीछे क्या वजह है.प्रियंका चोपड़ा ने साल 2004 में फिल्म मुझसे शादी करोगी में काम किया था.

फिल्म में अक्षय कुमार और सलमान खान भी थे. ये फिल्म 30 जुलाई 2004 को बड़े पर्दे पर आई थी और आज इसे 20 साल पूरे हो गए. ऐसे में प्रिंयका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके एक तरफ सलमान खान तो दूसरी तरफ अक्षय कुमार खड़े दिखाई दे रहे हैं. तस्वीर के साथ प्रियंका ने लिखा, रानी बनने के 20 साल.20 साल पहले आई ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी और दर्शकों ने इस कॉमेडी फिल्म को खूब पसंद भी किया था.

'मुझेस शादी करोगी' बॉक्स ऑफिस

मुझसे शादी करोगी को 19 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था. पर ये रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लोगों को खूब पसंद आई. इसका नतीजा ये निकला की इसने दुनियाभर में 55.97 करोड़ रुपये की दमदार कमाई कर डाली थी. आज भी अक्षय, प्रियंका और सलमान की ये फिल्म उनके फैंस की फेवरेट फिल्मों में से एक बनी हुई है. इस आइकॉनिक कॉमेडी फिल्म में अमरीष पुरी, राजपाल यादव, काजर खान, सतीश शाह जैसे सितारे नज़र आए थे. फिल्म तो कामयाब रही ही थी, साथ ही इसके गाने भी सुपरहिट साबित हुए थे.

सात समंदर पार जाकर भी देसी गर्ल हैं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा ने भले ही हिंदी फिल्मों से दूरी बना ली हो, लेकिन आज भी उनका देसीपन किसी न किसी तरह से नज़र आ ही जाता है. हाल ही में प्रियंका अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की बिग फैट वेडिंग में शामिल होने के लिए मुंबई आई थीं. इस दौरान वो अनंत अंबानी की बारात में शामिल हुई थीं. बारात में प्रियंका चोपड़ा जमकर डांस करती नज़र आई थीं. वो रणवीर सिंह समेत कई बॉलीवुड सितारों के साथ ज़ोरदार तरीके से ठुमके लगाती दिखाई दी थीं.

मुझसे शादी करोगी के सितारे इन दिनों क्या कर रहे ?

प्रियंका चोपड़ा इस वक्त अपने अगले प्रोजेक्ट 'द ब्लफ' की ऑस्ट्रेलिया में शूटिंग कर रही हैं. आए दिन वो सेट से अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती है. तस्वीरों से साफ है कि प्रियंका एक एक्शन पैक्ड फिल्म कर रही हैं. वहीं, सलमान खान अपनी अगली फिल्म सिकंदर की शूटिंग में बिज़ी हैं. उनकी इस फिल्म का निर्देशन एआर मुरुगादॉस कर रहे हैं. जबकि अक्षय कुमार हालिया रिलीज सरफिरा के फ्लॉप होने के बाद अब फिल्म 'खेल खेल में' नज़र आएंगे. उनकी ये फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में आने वाली है.